हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 25.03.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 237 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

इजराइल पर हिजबुल्लाह का हवाई हमला, चार घायल

तेल अवीव : ईरान और लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने मंगलवार को इजराइल के अलग-अलग शहरों पर हवाई हमला किया। इजराइल की राजधानी तेल अवीव पर ईरानी हमले में चार लोग घायल हो गए। तेल अवीव की मेडिकल टीम ने कहा है कि आज सुबह राजधानी में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल गिरने की जगह पर उन्होंने चार लोगों का इलाज किया, लेकिन उनमें से किसी को भी अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी।

कोलंबिया विमान दुर्घटना में 66 के मौत की आशंका

बोगोटा (कोलंबिया) : दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में एक सैन्य विमान दुर्घटना में कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई है। कोलंबिया के सशस्त्र बलों के प्रमुख ने यह जानकारी दी है। कोलंबियाई वायु सेना के कमांडर फर्नांडो सिल्वा ने एक्स पोस्ट पर साझा किए गए वीडियो में कहा कि लॉकहीड मार्टिन हरक्यूलिस सी-130 विमान में 114 यात्री और 11 क्रू सदस्य सवार थे। हादसे के कारणों की जांच चल रही है। रक्षामंत्री पेड्रो अनुलफो सांचेज ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है।

अलगाववादी आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह सजा उन्हें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक गंभीर मामले में दी गई है। अदालत ने अपने फैसले में आसिया अंद्राबी को दोषी ठहराया। उन पर भारत विरोधी और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप था। यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ था। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह निर्णय लिया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

'धर्मांतरण' करने पर अनुसूचित जाति/जनजाति का दर्जा समाप्त

एजेंसी

नयी दिल्ली : 'धर्मांतरण करने पर अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त होगा', सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया कि धर्म परिवर्तन करने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त कर देता है। अदालत ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें यह कहा गया था कि यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य धर्म, जैसे कि ईसाई धर्म अपनाता है और उसके उस धर्म के रीति-रिवाजों के अनुसार जीवन यापन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के अलावा अन्य किसी भी धर्म को मानने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति के तहत वर्गीकृत नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा 'इस मामले में ये अहम नहीं है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म से अपने मूल धर्म में धर्मांतरित हो गया है या उसे उसके मूल समुदाय द्वारा स्वीकार किया गया है या नहीं। बल्कि सबूतों से ये सिद्ध होता है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म का पालन करता है और एक दशक से अधिक समय से बतौर पादरी काम कर रहा है। वह गांव के घरों में नियमित तौर पर रविवार की प्रार्थनाएं आयोजित करता है। इस तथ्यों से इस बात में कोई शक नहीं है कि घटना के समय वह ईसाई बना रहा।

क्या है पूरा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने कहा सांविधानिक आदेश, 1950 में साफ कहा गया है कि खंड-3 में बताए गए धर्मों के अलावा किसी भी धर्म में धर्मांतरण करने पर जन्म के बावजूद, अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। यह आदेश एक ऐसे व्यक्ति के मामले में दिया गया, जिसने ईसाई धर्म अपना लिया था और अब पेस्टर के तौर पर काम कर रहा है, लेकिन उसने कुछ लोगों के खिलाफ एससी-एसटी (अत्याचार रोकथाम) कानून के तहत मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज कराने वाले व्यक्ति ने एससी-एसटी कानून के तहत संरक्षण की मांग की थी। हालांकि जिन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, उन्होंने इसे चुनौती दी और दावा किया कि पीड़ित ईसाई धर्म अपना चुका है।

हाईकोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट की धाराओं को हटाने का आदेश दिया

30 अप्रैल 2025 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ईसाई धर्म में जाति व्यवस्था नहीं है। ऐसे में पीड़ित व्यक्ति एससी-एसटी कानून के प्रावधानों का लाभ लेने का पात्र नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज धाराओं को खत्म करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ पेस्टर ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दायर की।

झारखंड विनियोग विधेयक 2026 को मिली राज्यपाल की मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए झारखंड विधानसभा द्वारा पारित 'झारखंड विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2026' को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

इस मंजूरी के साथ ही राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित बजट के अनुरूप खर्च करने का अधिकार मिल गया है। विधेयक के तहत कुल 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट का प्रावधान किया गया है। यह विनियोग विधेयक राज्य के विभिन्न विभागों और योजनाओं के लिए धन आवंटन सुनिश्चित करता है, जिससे विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को गति मिलेगी।

1.58 लाख करोड़ का बजट स्वीकृत

प्रिंस खान गिरोह ने कारोबारी से मांगी 20 लाख की रंगदारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में कुख्यात अपराधी प्रिंस खान गिरोह के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है, लेकिन इसके बावजूद अपराधी बेखौफ नजर आ रहे हैं। ताजा मामला रांची के कांके थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक कारोबारी के परिवार को प्रिंस खान के नाम पर 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगते हुए जान से मारने की धमकी दी गई है।

दिल्ली से लौटे मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : तीन दिवसीय दिल्ली दौरे से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पत्नी कल्पना सोरेन मंगलवार की शाम लगभग चार रांची लौट आए। पहले सोमवार को दिल्ली से मुख्यमंत्री के असम जाने की योजना थी। लेकिन अब मुख्यमंत्री रामनवमी के बाद असम जाएंगे। मालूम हो दिल्ली दौरे में कल्पना सोरेन हयात रीजेंसी में आयोजित 'ब्रिक्स सीसीआई वीई एनुअल वुमेन समिट एंड फेलिसिटेशन 2026 में शामिल हुई। इस कार्यक्रम में उन्हें वुमेन एम्पायरमेंट ट्रेलब्लेजर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री अपने दिल्ली प्रवास के दौरान असम विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के वरीय नेताओं से भी अनौपचारिक बातचीत की। हालांकि बातचीत का कोई सार्थक हल नहीं निकला और झामुमो असम विधानसभा चुनाव इंडिया गठबंधन से अलग होकर लड़ने का फैसला किया।

रामनवमी के बाद जाएंगे असम

रक्षा मंत्री ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ की सुरक्षा समीक्षा बैठक

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को देश की सैन्य तैयारियों का जायजा लिया। रक्षा मंत्री ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे हमले न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया की आर्थिक और सामरिक स्थिरता के लिए बड़ा खतरा हैं। होर्मुज जलमार्ग से व्यापार ठप होने और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में आई अस्थिरता पर गंभीर चिंता जताई गई।

बैठक में सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने बदलते सुरक्षा परिदृश्य और भारत की जवाबी तैयारियों की रिपोर्ट पेश की।

रेलवे के नए टिकट कैंसिलेशन नियम लागू

रिफंड सिस्टम हुआ आसान व पारदर्शी

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के नियमों को और सरल एवं पारदर्शी बना दिया है। अब यात्रियों को समय रहते अपनी टिकट की स्थिति की जानकारी मिल सकेगी और रिफंड प्रक्रिया भी पहले से आसान हो गई है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इन नए नियमों से यात्रियों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन में ह्यरिफॉर्म एक्सप्रेसह्ल पहल के तहत रेलवे में व्यापक सुधारों की घोषणा करते हुए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड नियमों में बड़े बदलाव का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य अंतिम समय की सट्टेबाजी बुकिंग पर रोक लगाना, वास्तविक यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराना और पारदर्शिता बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि चार्ट बनाने का समय अब 4 घंटे से बढ़ाकर 9 से 18 घंटे पहले कर दिया गया है। इससे यात्रियों को पहले ही पता चल जाएगा कि उनकी टिकट कन्फर्म हुई है या नहीं और वे समय रहते निर्णय ले सकेंगे।

नए कैंसिलेशन नियमों के तहत यदि कोई यात्री ट्रेन छूटने से 72 घंटे पहले टिकट रद्द करता है तो उसे न्यूनतम निर्धारित कटौती के बाद रिफंड मिलेगा। 72 से 24 घंटे के बीच टिकट रद्द करने पर किराये का 25 प्रतिशत (न्यूनतम शुल्क के अधीन) काटा जाएगा। 24 से 8 घंटे के बीच टिकट रद्द करने पर किराये का 50 प्रतिशत (न्यूनतम शुल्क के अधीन) कटेगा। यदि टिकट ट्रेन छूटने से 8 घंटे से कम समय में रद्द किया जाता है, तो रिफंड नहीं मिलेगा या बहुत सीमित परिस्थितियों में ही अनुमति होगी।

रेलवे ने रिफंड प्रक्रिया को भी पूरी तरह आसान बना दिया है। अब ई-टिकट के लिए टीडीआर भरने की जरूरत खत्म कर दी गई है और टिकट रद्द होते ही रिफंड अपने आप प्रोसेस हो जाएगा।

हरीश राणा ने दुनिया को कहा अलविदा

एजेंसी

नयी दिल्ली : गाजियाबाद के हरीश राणा का दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वे बीते 13 साल से कोमा में थे। देश के सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिनों उन्हें इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। हरीश राणा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल (आईआरसीएच) में भर्ती थे। उन्हें उपशामक देखभाल वार्ड में रखा गया था। अस्पताल में एक हफ्ते से उनकी गहन निगरानी जारी थी। 23 मार्च को डॉक्टरों ने बताया था। उन्हें कुछ दिन और निगरानी में रखा जा सकता है। वे पिछले एक सप्ताह से बिना खाना और पानी के जीवित थे। यह प्रक्रिया छह दिनों से चल रही थी। इस दौरान उनके माता-पिता किसी चमत्कार का इंतजार कर रहे थे।

एम्स दिल्ली में मिली सम्मानजनक इच्छामृत्यु

इच्छामृत्यु की प्रक्रिया

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इच्छामृत्यु की इजाजत मिलने के बाद यह प्रक्रिया शुरू हुई थी। हरीश राणा 13 साल से कोमा में थे। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रख रही थी। एक सप्ताह तक बिना भोजन और पानी के रहने के बाद उनका निधन हुआ। यह एक जटिल और संवेदनशील मामला था।

पश्चिम एशिया संकट के बीच पीएम मोदी ने ट्रंप से की बात

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत और अमेरिका के बीच उच्च स्तर पर अहम बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात कर क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने की जरूरत पर दोनों

नेताओं ने गंभीरता से विचार किया, क्योंकि यह वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है। अमेरिकी राजदूत की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत में पश्चिम एशिया के हालात और समुद्री सुरक्षा पर फोकस रहा। दोनों नेताओं ने माना कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला रहना जरूरी है ताकि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब इस्त्राइल-ईरान तनाव के कारण क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ रही है।

नौसेना की सुरक्षा में भारत के दो जहाजों ने पार किया जलडमरूमध्य

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय नौसेना की कड़ी निगरानी में एलपीजी से लदे दो बड़े मालवाहक जहाजों, 'पाइन गैस' और 'जग वसंत' ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर लिया है।

27 मार्च तक पहुंचेगा भारत

'पाइन गैस' 45,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर 27 मार्च तक न्यू मैंगलोर पहुँचेगा, जबकि 'जग वसंत' 47,600 मीट्रिक टन गैस के साथ 26 मार्च को कांडला पहुँचेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश

में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे घबराकर बुकिंग न करें।

पश्चिम एशिया संकटः हर स्रोत से ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा भारत

शांति ही एकमात्र समाधान : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष पर देश को आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक ऊर्जा संकट के बावजूद भारत हर संभव स्रोत से कच्चा तेल और गैस जुटाने में लगा है ताकि घरेलू आपूर्ति प्रभावित न हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष के कारण पेट्रोल, डीजल और उर्वरकों की आपूर्ति पर दबाव है, लेकिन सरकार रणनीतिक भंडार और नए विदेशी स्रोतों (27 से बढ़कर अब 41 देश) के जरिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है।

खाड़ी देशों में रह रहे करीब एक करोड़ भारतीयों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। अब तक 3.75 लाख से अधिक नागरिकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है।

कूटनीतिक समाधान पर जोर देते हुए पीएम ने 'मेक इन इंडिया' के तहत 70 हजार करोड़ रुपये के स्वदेशी जहाज निर्माण अभियान की घोषणा की, ताकि विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम की जा सके।

पीएम ने राज्यों से कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्ती बरतने की अपील की है, ताकि आम जनता और किसानों पर इस संकट का बोझ न पड़े।

एलपीजी की डिलिवरी सामान्य, पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान देश में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति स्थिति पर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। साथ ही, सिटी गैस वितरण संस्थाओं को पीएनजी कनेक्शन के विस्तार के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। हालांकि, बड़ी संख्या में कार्गो लाइन में लगे हुए हैं। देश भर के एलपीजी वितरकों के पास किसी भी तरह की कमी की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दिनों कुछ घबराहट में बुकिंग देखी गई थी। लेकिन एलपीजी की डिलीवरी सामान्य बनी हुई है। मंत्रालय ने आश्वस्त किया है कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

पीएम का बयान भ्रमित करने वाला: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया संकट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्यसभा में दिए गए वक्तव्य की तीखी आलोचना की है। खरगे ने प्रधानमंत्री के 20 मिनट के भाषण को 'बातों को उलझाने वाला' बताया और कहा कि देश इस वक्त गहरे ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। खरगे ने सवाल उठाया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में 1,100 नाविकों के साथ फंसे 40 भारतीय जहाजों को अब तक सुरक्षित रास्ता क्यों नहीं मिला, जबकि चीन और रूस के जहाज वहां से सुरक्षित निकल रहे हैं।

एक नजर

युवती का अपहरण, मां ने दर्ज कराया मामला

बरही : बरही कोनरा की रहने वाली युवती का अपहरण कर लेने का आरोप लगाते हुए उसकी मां ने बरही थाना में मामला दर्ज कराया है। युवती की मां ने पुलिस को बताया कि उसकी पुत्री 24 फरवरी को दिन के 11 बजे बाजार जाने के लिए घर से निकली थी। काफी देर तक उसके वापस नहीं लौटने पर वह अपने परिजनों के साथ मिलकर खोजबीन करने लगे। लगातार खोजबीन करने के बाद उसे पता चला कि ग्राम कोनरा का एक युवक उसकी पुत्री का अपहरण कर उसे कहीं रखें हुए है। युवती की मां ने पुलिस को बताया कि उसे डर है कि उसकी पुत्री के साथ कोई अनहोनी घटना न हो जाए, इसके पूर्व ही उसकी पुत्री को बरामद किया जाए। युवती की मां ने कहा कि पुत्री के लापता होने के दिन से लगातार खोजबीन करने और सदमे में रहने के कारण देर से थाना में मामला दर्ज कराया।

उत्पाद विभाग का शिकंजा, भट्ठियां तोड़ी गईं, आरोपी फरार

चौपारण : रामनवमी पर्व के मद्देनजर प्रशासन ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक अभियान छेड़ दिया है। उपायुक्त हजारीबाग के निर्देश पर उत्पाद विभाग की टीम लगातार छापेमारी कर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में जुटी है। इसी कड़ी में सहायक आयुक्त उत्पाद के नेतृत्व में चौपारण थाना क्षेत्र के असनाचुवा एवं गोरमोरवा गांवों में सघन छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध महुआ चुलाई शराब बनाने वाली तीन भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया गया, जिससे अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया। छापेमारी के दौरान टीम ने भारी मात्रा में अवैध सामग्री बरामद की। लगभग 2200 किलोग्राम जावा महुआ को मौके पर ही नष्ट किया गया, जबकि 130 लीटर तैयार अवैध शराब के साथ निर्माण में प्रयुक्त बर्तन एवं उपकरण भी जब्त किए गए। प्रशासन ने इस धंधे से जुड़े आरोपियों की पहचान कर ली है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हालांकि, छापेमारी के दौरान सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।
अभियान में उत्पाद विभाग के अधिकारियों के साथ सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान भी सक्रिय रूप से शामिल रहे। विभाग ने संकेत दिया है कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे, और अवैध कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विवेकानंद विद्यालय में शैक्षणिक मोटिवेशनल सह विद्यार्थी सम्मान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के खोड़ाहार पंचायत के चार माइल स्थित विवेकानंद विद्यालय में शैक्षणिक मोटिवेशनल सह विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गान के गायन से किया गया । इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आईपीएस अविनाश कुमार यादव सह कमांडेंट जैप पदमा, प्रमुख मनोज रजक,समाजसेवी गणेश यादव, पुर्व मुखिया सह वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण प्रजापति, पत्रकार सह समाजसेवी बिकास यादव मुख्य रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक रामचंद्र यादव एवं संचालन प्राचार्य बीरेंद्र यादव व सह संचालन अविनाश कुमार के द्वारा किया गया । इस मौके पर प्राचार्य बीरेंद्र कुमार ने स्वामी विवेकानंद जी के सिद्धांतों व विचारों पर अमल करते हुवे भविष्य में और बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देने की बात कही। जबकि निदेशक रामचंद्र यादव ने इस क्षेत्र में शैक्षणिक जागरूकता और क्रांति लाने पर जोर देने की बात कही ,ताकि समाज और राष्ट्र का नवनिर्माण हो सके । इस मौके पर सभी अतिथियों ने बच्चों और अभिभावकों को प्रेरित और मार्गदर्शन देते हुवे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को रिपोर्ट कार्ड के साथ मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। बच्चों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि आईपीएस अविनाश कुमार ने कहा कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा वह दहाड़ेगा। अर्थात यदि मंजिल प्राप्त करनी है तो मन लगाकर पढ़ना होगा। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा कि बच्चों के शैक्षणिक विकास में अभिभावकों का भी काफी रोल रहता है। उन्हें प्रत्येक दिन अपने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों का मूल्यांकन करते रहना चाहिए। ताकि समय समय पर उसे बेहत गाइडेंस मिलता रहे। प्रमुख मनोज रजक ने कहा कि विवेकानंद विद्यालय बेहतर शिक्षा दे रहा है। मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव ने कहा कि बड़े बड़े बिल्डिंग में बच्चों की पढ़ाई नहीं होती है। वहां अभिभावकों को लुटा जाता है। बेहतर शिक्षा विवेकानंद विद्यालय जैसे स्कूलों में दी जाती है। जिप प्रतिनिधि गणेश यादव ने कहा कि विवेकानंद विद्यालय कम शुल्क में बेहतर शिक्षा प्रदान कर रहा है। यहां के शिक्षक बेहतर कर रहे हैं। मौके पर सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्वामी विवेकानंद जी से संबंधित पुस्तक भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर अविनाश पांडे, मीरा सिंह, नेहा सिंह , राखी राणा , ऋषभ कुमार व अनुज राणा, विद्यालय के बच्चों के अभिभावकों सहित सैकड़ों बच्चे मौजूद रहे।

इंडियन पब्लिक स्कूल का 7वां वार्षिक महोत्सव संपन्न

सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन अत्यंत आवश्यक : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड क्षेत्र स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में सोमवार को 7वां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक मनोज कुमार यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी। महोत्सव के दौरान विद्यालय के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। नृत्य, गीत, नाटक एवं विभिन्न प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की प्रस्तुति में भारतीय संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली। अपने संबोधन में विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनकी छिपी प्रतिभाओं को मंच मिलता है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों में भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

बरही में विश्व यक्ष्मा दिवस पर टीबी उन्मूलन अभियान को मिला जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल में उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी के अध्यक्षता में यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एसडीओ जोहन टुडू एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी एवं हॉस्पिटल मैनेजमेंट कमिटी सदस्य कृष्णा प्रजापति मुख्य रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि पूरे बरही में 100 दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम चलाकर कई मरीजों को चिन्हित कर उनका इलाज किया जा रहा है। पूरा बरही टीबी मुक्त हो इसके लिए अभी भी हमें काफी मेहनत करने की जरूरत है। विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कहा कि पूरा बरही टीबी मुक्त हो इसके लिए हमें एक अच्छी सोच के साथ काम करनी होगी, साथ ही उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रेरित करने की जरूरत है। और समय समय पर पंचायत स्तर पर टीबी उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। एसडीओ जोहन टुडू ने कहा कि बरही अनुमंडल टीबी मुक्त हो इसके लिए कई कार्यक्रम चलाई जा रही है, पिछले कुछ वर्षों से काफी प्रयास किया जा रहा है। जिसका परिणाम काफी हद तक सकारात्मक रहा है। उन्होंने सभी चिकित्सक, सीएचओ, सहिया व अन्य कर्मियों का कार्य सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि टीबी के मरीज बेहतर खानपान और अच्छे रहन सहन से टीबी को मात दे सकते है। मौके पर डॉ प्रवीण कुमार, डॉ मेराजुल इस्लाम, डॉ अमन प्रसाद, डॉ एजाज अंसारी, महेंद्र दुबे, गौतम कुमार, सुधांशु शेखर, रीना वर्मा, रीना कुमारी, सुमन देवी, सरिता देवी, सुमन देवी, सबिता देवी, तबस्सुम खातून एवं रामधनी यादव समेत दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

सद्भावना विकास मंच ने किया विभिन्न अखाड़ों के बीच लाठी-हॉकी वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड में रामनवमी के पावन अवसर पर सद्भावना विकास मंच द्वारा सामाजिक समरसता और पारंपरिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बरही प्रखंड के विभिन्न अखाड़ों के सदस्यों के बीच लाठी एवं हॉकी स्टिक का वितरण किया गया। जिन्हें वितरण किया गया उनमें कटीयौन गांव के देवी मंडप अखाड़ा, श्री राम अखाड़ा, बजरंग अखाड़ा मल्लाह टोली बरही, रामनवमी पूजा समिति अखाड़ा रसोईया धमना, महावीर अखाड़ा करसो, हनुमान सेना अखाड़ा हजारीबाग रोड, आंबेडकर नगर श्री राम अखाड़ा बारा टांड, भगवती मंदिर अखाड़ा धनबाद रोड, अंजनी अखाड़ा पटना रोड बरही, बजरंग क्लब अखाड़ा हरला, श्री राम सेना अखाड़ा लश्करी एवं दुर्गा वाहिनी धनबाद रोड शामिल है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं एवं ग्रामीणों की भागीदारी रही। वितरण के साथ ही अखाड़ों के सदस्यों को पारंपरिक अखाड़ा संस्कृति, अनुशासन एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया। सद्भावना विकास मंच के अध्यक्ष राज सिंह चौहान ने कहा कि रामनवमी केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और युवाओं को सही दिशा देने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि अखाड़ा परंपरा हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे सशक्त करना आवश्यक है। इस तरह के आयोजन से युवाओं में एकता, अनुशासन और सेवा भाव विकसित होता है। उन्होंने आगे कहा कि मंच का उद्देश्य समाज में सद्भाव बनाए रखते हुए युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना है, ताकि वे समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम का समापन आपसी भाईचारे और उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता सह होटल संचालक प्रदीप सिंह भी साथ रहे और सभी अखाड़ों को अपने हाथों से लाठी व हॉकी प्रदान किया।

बरही में दंपती के साथ मारपीट और लूटपाट, चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना क्षेत्र में एक दंपती के साथ मारपीट, अभद्र व्यवहार और गहने लूटने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना 20 मार्च 2026 की शाम करीब 6:30 बजे की है, जिसके संबंध में पुलिस ने 22 मार्च को औपचारिक प्राथमिकी दर्ज की है।

क्या है पूरा मामला

पीड़िता ममता कुमारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, घटना उस समय हुई जब उनके पति उमेश कुमार ने अपने घर के सामने सड़क पर गाड़ी खड़ी की थी। आरोप है कि इसी बात को लेकर पड़ोसी रंजीत कुमार पांडेय और उनके साथियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब पीड़िता और उनके पति ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने लोहे की रॉड और लाठी-डंडों से दंपती की पिटाई की। पीड़िता के साथ छेड़खानी और अभद्र व्यवहार किया गया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने पीड़िता के गले से सोने का मंगलसूत्र और उनके पति के गले से सोने की चेन छीन ली। जाते समय आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। इस संबंध में कुल चार लोगों को नामजद किया है। जिसमें रंजीत कुमार पांडेय कुंदन कुमार पांडेय राजा मिश्रा (पिताः दिवाकर मिश्रा, निवासी खड़गपुर, पश्चिम बंगाल सहित एक अन्य अज्ञात व्यक्ति को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।

उपरोक्त अभियुक्तों के खिलाफ

बरही थाना में FIR संख्या 0108/2026 दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इठर) की विभिन्न धाराओं जैसे 115(2) 126(2), 74 303(2) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

अस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य, सुख समृद्धि की कामना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : लोक आस्था का महापर्व चैती छठ के तीसरे दिन बरही लगभग सभी नदी तालाबों एवं छठ घाटों में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। बरही के प्राचीन नदी घाट, न्यू कॉलोनी सूर्य मंदिर नदी घाट, बराकर नदी घाट में श्रद्धालुओं की काफी संख्या देखी गई। छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हुए पूजा अर्चना की और सुख समृद्धि की कामना की। छठ व्रती सुषमा देवी, संध्या देवी, आदि ने बताया की चार दिनों तक चलने वाले इस लोक आस्था का महापर्व में छठ व्रती निर्जला उपवास रखती हैं। मंगलवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। वहीं बुधवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा अर्चना के बाद निर्जला व्रत को समाप्त किया जाएगा। बरही एवं सूर्य मंदिर नदी घाट पर स्वच्छता का भी विशेष ख्याल रखा गया था। श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा गया। मौके पर शिव शंकर लाल, सुरेश शर्मा, सोनू लाल, मोनू लाल, टोनू लाल, सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

पलांडू में विश्व टीबी दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत के पलांडू गांव में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में विश्व टीबी दिवस मनाया गया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी मुकेश गोस्वामी के द्वारा लोगों को बताया गया कि टीवी एक ऐसा बीमारी है जो हमारे शरीर में नाखून और बाल को छोड़कर कहीं भी हो सकती है टीवी दो प्रकार की होती है एक पलमोनरी टीवी जो फेफड़ों में होती है दूसरा एक्स्ट्रा पलमोनरी जो हमारे शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है टीवी के मुख्य लक्षण चार होते हैं जैसे दो हफ्तों से अधिक खांसी वजन कम होना भूख नहीं लगा रात को बुखार आना और पसीना आना लेकिन टीवी के कुछ और लक्षण भी हैं जैसे शुगर मरीज को बीपी मरीज को एचआईवी के मरीज को कमजोर व्यक्ति को शराब पीने वाले को तंबाकू खाने वाले को गर्भवती को टीवी के संपर्क में आने वाले व्यक्ति को 60 साल से ऊपर के व्यक्ति को इन सब कैटिगरी के लोगों को भी टीवी होने का ज्यादा खतरा होता है इसलिए टीवी के कोई भी लक्षण दिखे तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपना जांच करवाई टीवी का जितना जल्दी इलाज होगा उतना जल्दी मरीज ठीक होगा टीवी को जितना हम छुपाएंगे उतना ही टीवी फैलता है हमें किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए स्वस्थ भोजन करना चाहिए रोजाना योग व्यायाम करना चाहिए हमें टीवी को हराना है ना कि हम लोगों को टीवी से डरना है।

संक्षिप्त खबरें

रामनवमी महासमिति पंचमाधव का गठन, धीरेंद्र कुमार यादव बने अध्यक्ष

बरही : प्रखंड क्षेत्र के बसरिया गांव में रामनवमी के आयोजन को लेकर रामनवमी महासमिति पंचमाधव का पुनर्गठन किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से धीरेंद्र कुमार यादव को अध्यक्ष, बसंत रजक को सचिव तथा अनिल कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवगठित समिति ने निर्णय लिया कि आगामी रामनवमी के अवसर पर बसरिया, कोलंगा, शिवपुर, जरहिया, सलोन एवं धोबीयाडीह सहित आसपास के गांवों के रामभक्त अपने-अपने अखाड़ों के साथ पंचमाधव स्थित मंदिर परिसर में एकत्र होंगे। यहां पारंपरिक कला, अखाड़ा प्रदर्शन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया सह मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप ने की, जबकि संचालन प्रकाश ठाकुर ने किया। मौके पर करियातपुर पंचायत के मुखिया मनोज कुमार, पसस प्रतिनिधि कामेश्वर रबिदास, छोटन गोप, राजेश यादव, अजय प्रजापति, चितो प्रजापति, धनेश्वर प्रजापति, संतोष यादव, सुरेंद्र यादव, बिरेन्द्र यादव, लक्ष्मण ठाकुर, नागेश्वर रजक, मोहन प्रजापति, अरविंद शर्मा, मोती कुमार, सोनू कुमार, पप्पू कुमार, प्रकाश यादव, नरेश यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। समिति के गठन से क्षेत्र में रामनवमी को लेकर उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

करसो पुल के पास अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी

बरही : थाना क्षेत्र अंतर्गत करसो पुल के समीप मंगलवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बरही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि शव सड़क किनारे पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों के अनुसार अनुसार, देर रात किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हुई है। हालांकि, पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। फिलहाल शव को अनुमंडलीय अस्पताल में सुरक्षित रखा गया है, ताकि उसकी पहचान कराई जा सके। बरही थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक विनोद कुमार ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को मृतक के संबंध में कोई भी जानकारी हो, तो वे तुरंत बरही थाना से संपर्क कर पुलिस की सहायता करें।

चैती छठ का तीसरा दिन, व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को किया नमन

चौपारण : लोक आस्था के महापर्व चैती छठ के तीसरे दिन मंगलवार की संध्या व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर श्रद्धा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर शाम होते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ डूबते सूर्य की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। दिनभर घाटों की साफ-सफाई की गई थी, जिससे व्यवस्था बेहतर बनी रही। तालाबों, नदियों और कृत्रिम घाटों पर विशेष तैयारी देखने को मिली। शाम के समय व्रती पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर दउरा और सूप में ठेकुआ, फल, नारियल, केला सहित पूजन सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचे। ताजपुर शिव मंदिर स्थित छठ तालाब घाट पर छठी मैया के भक्ति गीतों से वातावरण गूंजता रहा। प्रशासन और स्थानीय समिति की ओर से सुरक्षा एवं स्वच्छता की उचित व्यवस्था की गई थी। अब बुधवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय चैती छठ महापर्व का समापन होगा। इसके बाद व्रती पारण कर अपना व्रत पूर्ण करेंगे।

हजारीबाग सम्मेलन में चमकी करमा पंचायत, मुखिया देवंती देवी सम्मानित

चौपारण : झारखंड शिक्षा परियोजना के तत्वावधान में हजारीबाग के नगर भवन में आयोजित जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन में करमा पंचायत की मुखिया देवंती देवी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बेस्ट मुखिया सम्मान से नवाजा गया। हजारीबाग उपायुक्त की अनुपस्थिति में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभाग ने पंचायत स्तर पर विद्यालयों की स्थिति में सुधार, नामांकन बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में किए गए उनके प्रयासों की सराहना की। सम्मान की खबर मिलते ही करमा पंचायत में खुशी का माहौल बन गया। मुखिया प्रतिनिधि राजदेव यादव ने कहा कि देवंती देवी ने अपने कार्यकाल में ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ जनसेवा की है, जिससे विकास योजनाओं का लाभ सीधे आम लोगों तक पहुंच रहा है। वहीं मुखिया देवंती देवी ने इस सम्मान के लिए जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनका नहीं, बल्कि पूरे करमा पंचायत की जनता का है। सम्मान मिलने पर मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक सहित कई जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, अफरा तफरी का माहौल

हजारीबाग : हजारीबाग ग्वाल टोली चौक के पास एक ट्रांसफार्मर में आग लग गई। जिससे अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार आधा घंटा तक ट्रांसफार्मर जलता रहा लेकिन उसे बुझाया नहीं जा सका। आधा घंटा के बाद फायर बिग्रेड की टीम आई और ट्रांसफार्मर में लगी आग को बुझाई। जिससे एक बड़ी घटना घटने से बच गया। क्योंकि ट्रांसफार्मर से आग अगल बगल में फैल सकता था। लेकिन गनीमत रही कि समय पर आग पर काबू पा लिया गया।

एक नजर

सीसीएल गांधीनगर अस्पताल में निःशुल्क हृदय रोग चिकित्सा शिविर आज

रांची : सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, काँके रोड, राँची में बुधवार को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जांच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिर्पोट/जांच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये। सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

रामनवमी को लेकर सिल्ली में प्रशासन अलर्ट, अखाड़ों का किया निरीक्षण

सिल्ली : सिल्ली आगामी रामनवमी पर्व को लेकर सिल्ली अंचलाधिकारी एवं सिल्ली पुलिस ने सभी अखाड़ों का निरीक्षण कर सभी मंदिर कमिटियों के पदधारी को लाठी खेल का झाँकी को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। अंचल अधिकारी अरुणिमा एक्का ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से विशेष तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन की टीम लगातार गश्त करेगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए तत्पर रहेगी।इस अवसर पर थाना प्रभारी नवीन कुमार ने कहा कि शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की ओर से विशेष तैयारी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान पुलिस ने अखाड़ों में सुरक्षा व्यवस्था की जांच की और मंदिर कमिटियों के पदधारियों से बातचीत की। थाना प्रभारी नवीन कुमार ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए जाएंगे और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर एस आई रामदेव यादव समेत सशस्त्र बल मौजूद थे। पुलिस ने मंदिर कमिटियों के पदधारियों से अपील की है कि वे शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

फटकार आधारित शासन चला रही सरकार : प्रतुल

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य की हेमन्त सोरेन की सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि शासन व्यवस्था बेहद चिंताजनक स्थिति में पहुंच चुकी है। मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रतुल शाहदेव ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार अपने संवैधानिक दायित्वों का स्वयं निर्वहन नहीं कर रही, बल्कि न्यायालयों की फटकार के बाद ही सक्रिय होती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार फटकार आधारित शासन चला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कई अहम फैसले लंबे समय तक टाले गए और केवल अदालतों के हस्तक्षेप के बाद ही उन पर कार्रवाई की गई। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव वर्षों तक लंबित रहे, लेकिन झारखंड उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद ही चुनाव कराए गए।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का संदेश डिग्री नहीं, जिम्मेदारियों की नई शुरूआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को शौर्य सभागार, जैप-1, डोरंडा, राँची में आयोजित इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखण्ड के दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों की नई शुरूआत का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल और मूल्यों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का महत्व अत्यंत बढ़ गया है और इसमें निजी विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि राज्य के सभी निजी विश्वविद्यालय यू०जी०सी० एवं सरकार के निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख एवं मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना भी है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में ईमानदारी, परिश्रम एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाते हुए उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहना चाहिए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमारा देश सदैव से विश्व को मानवता, सह-अस्तित्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देता आया है। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक स्वप्न नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक लक्ष्य बन चुका है। इस संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा अपनी ऊर्जा, प्रतिभा एवं नवाचार के बल पर राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे। राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता हेतु शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त खबरें

धुर्वा डैम में छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

रांची : लोक आस्था सूर्य उपासना और पत्रिका का महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर धुर्वा डैम में हजारों छठ व्रतियों ने संध्या आर्ग दिया। अजय जयसवाल छोटू जयसवाल परिवार में यह परंपरा तकरीबन 50 वर्षों से होती आ रही है। 70 वर्ष की ललित जायसवाल ने 50 वर्षों पूर्ण किया।

नीतीश कुमार के निर्विरोध जदयू अध्यक्ष चुने पर खीरू महतो ने दी बधाई

रांची : बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुनः जदयू के अध्यक्ष चुने गए। उनका निर्वाचन निर्विरोध हुआ। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो ने नीतीश कुमार को बधाई दी है साथ ही उन्हें नए कार्यकाल की शुभकामनाएँ दी। खीरू महतो ने कहा की नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू का विस्तार राष्ट्रीय फलक पर तय है, पहले की तुलना में नीतीश कुमार संगठन को अब अधिक समय देंगे। वहीं विधायक सरयू राय ने कहा की नीतीश कुमार एक कुशल और श्रेष्ठ नेतृवकर्ता हैं। उन्हें बहुत बहुत बधाई। नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर पूर्व मंत्री राजा पीटर, पूर्व मंत्री सुधा चौधरी, पूर्व विधायक कामेश्वर दास, प्रदेश जदयू नेता आफताब जमिल, श्रवण कुमार, भगवान सिंह, सागर कुमार, धर्मेंद्र सिंह, पी एन सिंह, पिंटू सिंह, रेणु गोपीनाथ, उपेंद्र सिंह, मनोज सिन्हा, अखिलेश राय, त्रिवेणी वर्मा, सुयश पांडे, अजय सोनी, सोमेन दत्ता, आशा शर्मा, रत्ना शर्मा, निर्मल सिंह, शिवानी लता, महेश्वर चौधरी, रामजी प्रसाद एवं अन्य ने उन्हें बधाई दी।

196वां श्री सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 196वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मंदिर के आचार्य ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपाध्यक्ष अशोक लड़िया रिषभ कुमार हर्ष कृष्णा अंकित कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

सेल स्पोर्ट्स क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट 2024-25: रोमांचक फाइनल में टीम 1 की जीत

रांची : सेल यूनिट स्पोर्ट्स क्लब , रांची ने सेल सैटेलाइट टाउनशिप फुटबॉल ग्राउंड में 10 से 21 मार्च, 2026 तक सफलतापूर्वक फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया। टूर्नामेंट का उद्घाटन 10 मार्च की सुबह कार्यकारी निदेशक) संदीप कुमार कर ने किया, जिन्होंने औपचारिक रूप से कार्यक्रम की शुरूआत की। टूर्नामेंट में कुल तीन टीमों ने भाग लिया, और लीग मैचों के आधार पर अंकों के अनुसार फाइनलिस्ट का निर्धारण किया गया। फाइनल मैच 21 मार्च, 2026 को खेला गया, जिसमें निखिल ओराउन के नेतृत्व वाली टीम 1 और केपी पात्रा के नेतृत्व वाली टीम 2 आमने-सामने थीं। एक रोमांचक मुकाबले में, टीम 1 ने नियमित समय में टीम 2 को 1-0 से हराकर जीत हासिल की। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक के. रामकृष्ण उपस्थित थे, जिन्होंने खेल की शुरूआत की। इस अवसर पर उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों में ईडी (एचआर-एल एंड डी) संजय धर शामिल थे। एस. जे. जाचुक, सीजीएम (एचआर), आरडीसीआईएस एवं प्रभारी (एचआर), एसएआईएल रांची यूनिट; सुनील कुमार गुप्ता, सीजीएम (डीएमएल-सीएमएलओ); और संजीव कुमार, जीएम (आरटी) एवं उपाध्यक्ष, खेल समिति। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए: अनिकेत आनंद को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर, कृष्ण कुमार टोप्पो को सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर, मनोज कुमार सिंह को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और डी.सी. पाठक को सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड तथा टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मैचों का संचालन रेफरी नयन बारला ने किया, जिनकी सहायता सौरभ खलखो और अनमोल लिंडा ने की, जिनके प्रयासों से टूर्नामेंट सुचारू रूप से संपन्न हुआ। इस आयोजन में उत्कृष्ट खेल भावना और सौहार्द देखने को मिला, जिसने खिलाड़ियों और दर्शकों को फुटबॉल के जोशपूर्ण उत्सव में एक साथ लाया।

सीसीएल मुख्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन पर कार्यशाला आयोजित

रांची : सीसीएल मुख्यालय स्थित सभागार में आज राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन एवं संवैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी नीति विषय पर आधारित इस कार्यशाला का आयोजन सी.सी.एल. के मानव संसाधन विभाग एवं राजभाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि एम. एफ. हक, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, राजभाषा हिंदी का प्रयोग हमारा संवैधानिक उत्तरदायित्व है और हमें इसे अपनी कार्य-संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. दिविक दिवेश ने प्रतिभागियों को राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3), संविधान के अनुच्छेद 343 तथा संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारियां प्रदान कीं। उन्होंने विशेष रूप से तिमाही प्रगति रिपोर्ट को सही ढंग से भरने तथा तकनीकी एवं विधिक शब्दावली के सरल हिंदी प्रयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. दिविक दिवेश ने नोडल अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे राजभाषा के सफल क्रियान्वयन की प्रमुख कड़ी हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में 24 मार्च 2026 को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के कक्षा 5 के लिए दीक्षांत समारोह बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम युवा छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, क्योंकि वे अपनी शैक्षणिक यात्रा के एक नए चरण में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं। कार्यक्रम की शुरूआत सम्मानित अतिथियों का स्वागत दीप प्रज्वलन कर किया गया। साथ ही विद्यालय के गायन समूह द्वारा एक मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। ह्यह्यउम्मीद की उड़ानह्यह्य नामक एक जीवंत और प्रेरणादायक नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और आशा तथा आकांक्षा का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। विशेष शैक्षणिक पुरस्कार सत्र, ओजस और प्रवाह में, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को विभिन्न श्रेणियों में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इन विशेष शैक्षणिक पुरस्कारों में बीकन ऑफ ब्रिलियंस, एंबेसडर ऑफ एक्सीलेंस, लिटिल लेजेंड, एकेडमिक चैंपियन और नॉलेज पायनियर शामिल थे। कार्यक्रम का एक हृदयस्पर्शी क्षण माता-पिता को धन्यवाद कार्ड भेंट करना था। इस विशेष पत्र के माध्यम से उनके निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

एसबीयू में क्लाइमाथॉन का समापन, छात्रों ने जलवायु चुनौतियों के समाधान किए पेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग में राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन रणनीतिक ज्ञान मिशन के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण सह क्लाइमाथॉन का मंगलवार को सफल समापन हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन विकास और मानवीय कार्यों के माध्यम से सामाजिक पहल (सोशल इनिशिएटिव थ्रू डेवलपमेंट एंड ह्यूमैनिटेरियन एक्शन) (सीधा) द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों ने झारखंड की जलवायु संबंधी चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत किए। इम्पैक्ट कैनवास प्रतियोगिता के तहत कुल 12 छात्र समूहों ने खाद्य, जल, अपशिष्ट, वन, स्वास्थ्य, जेंडर, खनन, ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, आपदा प्रबंधन और पारंपरिक पारिस्थितिकी ज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर समाधान आधारित रोडमैप पेश किए। प्रतियोगिता में टीम फॉरेस्ट को प्रथम स्थान, टीम ट्रेडिशनल इकोसिस्टम नॉलेज को द्वितीय स्थान और टीम वाटर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विजेता टीमों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. पंकज गोस्वामी, डॉ. वीएनएल दुर्गा, डॉ. आलोक कुमार और हेमंत कुमार द्वारा नवाचार, प्रभावी प्रस्तुति और उपयोगिता के आधार पर किया गया। इस अवसर पर एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गेतलसूद में भव्य शोभायात्रा के साथ सरहुल मिलन समारोह संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची गेतलसुद श्रद्धा सरना समिति, गेतलसूद द्वारा बुकी मैदान से गेतलसूद सरना स्थल तक भव्य शोभायात्रा के साथ सरहुल मिलन समारोह का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आदिवासी संस्कृति, सरना परंपराओं एवं प्रकृति पूजा के प्रति समर्पित रहा, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण, पाहन एवं खोड़हा दल शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खिजरी विधानसभा के विधायक राजेश कच्छप ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, स्वस्थ और सुखी जीवन जीना है तो जल, जंगल और जमीन से गहरा जुड़ाव बनाए रखना होगा। सरहुल हमें यही संदेश देता है कि प्रकृति हमारी माँ है और उसकी रक्षा हमारा कर्तव्य है। कार्यक्रम की शुरूआत बुकी मैदान से भव्य शोभायात्रा के साथ हुई, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा, मांदर-नागड़ा की थाप और उत्साहपूर्ण नृत्य देखने को मिला। शोभायात्रा गेतलसूद सरना स्थल पर समाप्त हुई, जहां सरना पूजा एवं मिलन समारोह आयोजित किया गया। मौके पर अजय उरांव, दीपा उरांव, राजेन्द्र मुण्डा, अनुराधा मुण्डा, शिवदास गोस्वामी, सरिता देवी, नीरज मुंडा, बिट्टू उरांव, वीरेंद्र मुंडा, राजदेव पाहन,रविकिशोर उरांव, मोहन उरांव, कुलेश्वर मुंडा, शांति मुण्डा, गौरीशंकर मुंडा, अनीता गाड़ी, फालगुनी शाही मुण्डा, किरण करमाली, निर्मला करमाली मुण्डा, बुद्धेश्वर उरांव, रामचंद्र उरांव, राजेश उरांव, सोमरा उरांव, गुलशन उरांव, जयंती उरांव, मालती उरांव, अनीता उरांव, संजू उरांव अन्य उपस्थित रहे।

छठव्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया पहला अर्घ्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : सिल्ली -मुरी आसपास के क्षेत्र में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व को लेकर संध्या में निर्जला उपवास के साथ नदी एवं जलाशयों में अस्ताचलगामी सूर्य को मंगलवार की संध्या बेला में अर्घ्य अर्पित किया गया। महापर्व के अवसर पर आसपास का क्षेत्र घर आंगन से लेकर बाजार तक छठी मैया व सूर्य देव की श्रद्धा एवं भक्ति के रंग में रंग चुका है। इस महापर्व को लेकर छठवृत्तियों के साथ उनके परिजन भी पूजा की निर्मित तैयारी में रात दिन लगे हुए हैं।कांच ही बांस के बहंगिया;बहंगी लचकती जाय इत्यादि गानों से क्षेत्र भक्ति मय हो गया।छठव्रतियों ने उपवास रखकर और पवित्रता का पूरा ध्यान रखते हुए सूर्य देवता की पूजा की।इस महापर्व के दौरान सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का माहौल कायम रहा एवं घरों और घाटों पर भक्ति का माहौल भी बना रहा।लोग पूरे नियम और आस्था के साथ इस महापर्व को मना रहे हैं।वहीं प्रसाद बनाते समय पूरी शुद्धता और नियमों का पालन भी किया गया।

मंत्री ने 76 मेडिकल ऑफिसरों को सौंपा नियुक्ति पत्र खून की कमी के लिए जारी होगा टोल फ्री नंबर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने राष्ट्रीय यक्ष्मा (टीबी) दिवस के अवसर पर नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मंगलवार को 76 मेडिकल ऑफिसरों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस मौके पर उन्होंने साल 2029 तक झारखंड को टीबी मुक्त राज्य बनाने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि खून की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए जल्द ही टोल फ्री नंबर जारी की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इस नंबर के माध्यम से रक्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि अप्रैल तक सभी मेडिकल कॉलेजों और सदर अस्पतालों में सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे मरीजों को अत्याधुनिक इलाज की सुविधा मिल सकेगी। टीबी उन्मूलन को लेकर मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि टीबी को जड़ से खत्म करना है। मौके पर मंत्री ने टीबी उन्मूलन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले टीबी चैंपियंस, सहियाओं और एनजीओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही राज्य के सभी जिलों के लिए टीबी जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगा। इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। झारखंड में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना तेजी से हो रही है। ब्रांबे में मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। इसके लिए कुलपति की नियुक्ति की जा चुकी है। वहीं मौके पर अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि वर्ष 2025 में टीबी के क्षेत्र में लगभग 9.5 लाख लोगों की जांच की गई थी, जबकि वर्ष 2026 में 12 लाख जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि और आधुनिक मशीनों की उपलब्धता से इस लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने अपनी पसंद के अनुसार स्थान का चयन किया है, इसलिए नियुक्ति के बाद स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। इससे पहले एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि राज्य में 100 दिवसीय टीबी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत मरीजों की मेडिकल जांच, पहचान, उपचार और पोषण राशि के भुगतान पर विशेष जोर दिया जाएगा।

एक नजर

धार्मिक आयोजनों से लोगों में आस्था बढ़ती है : डॉ नीरा

कोडरमा : इंदरवा पंचायत के सलईडीह गांव में मंगलवार को सुबह 9:45 पूर्वाह्न से 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 सुखदेव दास महाराज के कर कमलों द्वारा कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव की उपस्थिति में हुआ। महामंडलेश्वर सुखदेव दास ने धार्मिक आयोजनों को जरूरी बताया और कहा कि इससे समाज में एकता बढ़ती है। विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि अखंड हरि कीर्तन के आयोजन से लोगों में आस्था बढ़ती है। इतना ही नहीं लोगों के मन को शांति भी मिलती है। उन्होंने कहा कि अखंर हरि कीर्तन होने से अध्यात्मिक चेतना भी जगती है। इस तरह के धार्मिक आयोजनों से मन और विचार में शुद्धि तथा इलाके में सुख, शांति, एकता और आध्यात्मिक जागृति का विस्तार होता है। इस अखंड हरि कीर्तन यज्ञ में इंदरवा पंचायत के अलावे कई ग्राम के लोग शामिल हो रहे हैं। मौके पर बैजनाथ यादव, जगन्नाथ ठाकुर, मनोज यादव, महेश यादव, जमुना यादव, विनोद साव समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

कोडरमा रामनवमी महासमिति की बैठक आज

कोडरमा : रामनवमी महासमिति कोडरमा के संरक्षक सदस्य मनोज कुमार झुन्नू के नेतृत्व में महासचिव धरतीपुत्र महेश भारती,उपाध्यक्ष प्रवीण पांडे ने संयुक्त रूप से कोडरमा जिला मुख्यालय में विभिन्न पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, राम भक्तों से मिलकर महासमिति के द्वारा आयोजित विभिन्न अखाड़ों का झंडा मिलान समारोह सह शौर्य प्रदर्शन प्रतियोगिता में अतिथि स्वरूप सादर आमंत्रित किया गया। इसी क्रम में कोडरमा नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी शंभू प्रसाद कुशवाहा से मिलकर आमंत्रण करते हुए नवमी के दिन कोडरमा बाजार सहित सहाना रोड होते हुए चैती काली मंदिर तक विशेष अभियान चलाते हुए साफ सफाई के साथ बिजली पानी की समुचित व्यवस्था कराने को लेकर चर्चा हुई जिस पर कुशवाहा ने उचित व्यवस्था कराने का भरोसा दिलाया। मौके पर झुन्नू ने कहा कि इस बार की रामनवमी पूजा बहुत ही धूम धाम से मनाया जायेगा जिसको लेकर सारी तैयारी जोर शोर से किया जा रहा है। सभी अखाड़ा समितियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि रामनवमी के दिन किसी भी अखाड़ा के द्वारा झांकी में आए सभी राम भक्तों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होगी, वही विधि व्यवस्था को लेकर 25 मार्च को महासमिति की विस्तारित बैठक होगी जिसमें सफल कार्यक्रम संचालन हेतु विचार विमर्श किया जाएगा।

कौणिडनिया में हुआ निशुल्क तैराकी तथा स्केटिंग एक्टिविटीज का आयोजन

कोडरमा : कोडरमा आश्रम रोड स्थित कौणिडनिया पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया के प्रांगण मैं बच्चों के लिए निशुल्क तैराकी तथा स्केटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आगाज झुमरी तिलैया नगर पालिका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष माननीय रमेश हर्षधर, स्कूल के अध्यक्ष सह रिटायर्ड आईपीएस ऑफिसर राजीव रंजन सिंह, वार्ड 19 के वार्ड पार्षद पार्वती देवी के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस मौके पर कौणिडनिया पब्लिक स्कूल के सीईओ विक्रांत सिंह, प्राचार्य संजय सिन्हा, समाजसेवी पंकज सिंह तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं एवं झुमरी तिलैया के सम्मानित अभिभावक गण एवं स्कूल तथा अन्य स्कूलों से आये छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

किसान मजदूरों के संघर्ष के आगे जनविरोधी नीतियों को वापस लेना होगा : संजय पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : दिल्ली में माकपा की जन आक्रोश रैली में जूटे मेहनतकशों ने मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भरी हुंकार। किसान मजदूरों के संघर्ष के आगे मोदी सरकार को जनविरोधी नीतियों को वापस लेना होगा। उक्त बातें मंगलवार 24 मार्च को रामलीला मैदान दिल्ली में मेहनतकशों की लूट के खिलाफ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा आयोजित जन आक्रोश रैली में शामिल माकपा के राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय पासवान ने रैली की सफलता के बाद कही। उन्होंने कहा कि रैली में हिन्दीभाषी राज्यों झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से लाखों की संख्या में किसान, मजदूर, महिला, छात्र और युवा शामिल हुए। रैली के मुख्य वक्ता सीपीएम के महासचिव एमए बेबी, पोलिट ब्यूरो के सदस्य व किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक धवले, महासचिव बीजू कृष्णन, जनवादी महिला समिति की महासचिव मरियम धवले, सीटू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदीप दत्ता, प्रकाश करात, बृन्दा करात, सुभाषिणी अली सहित झारखंड के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने भी संबोधित किया। सभा की अध्यक्षता पोलिट ब्यूरो सदस्य और लोकसभा सांसद अमरा राम ने किया। रैली में वक्ताओं ने कहा कि देश में बढ़ती आर्थिक संकट, आसमान छूती महंगाई, कुकिंग गैस की किल्लत, भयावह बेरोजगारी, किसान मजदूरों पर बढ़ते हमले, अमेरिका के सामने मोदी सरकार की समर्पण नीति और देश को गुलाम बनाने की कोशिश व नफरत की राजनीति के खिलाफ आर पार की लड़ाई का आह्वान किया। रैली के माध्यम से लेबर कोड वापस लेने, वीभी ग्रामजी योजना को हटाकर फिर से मनरेगा को लाने, बिजली व बीज विधेयक वापस लेने, भारत - अमेरिका व्यापार समझौता को रद्द करने की मांग को लेकर देशभर में जन आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया। इस रैली मे कोडरमा सहित झारखंड से भी प्रभावी भागीदारी हुई जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी रैयत, भूमिहीन खेत मजदूर, कोयला, माईका समेत विभिन्न उधोगों के श्रमिक, महिला व छात्र - युवाओं ने हिस्सा लिया।

क्या गरीब की जान की कोई कीमत नहीं : महेश कुमार यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिला के सतगांवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बासोडीह पंचायत के मोदीडीह निवासी 22 वर्षीय तरन्नुम परवीन की प्रसव के बाद हुई मौत स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली और सरकारी लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। आम आदमी पार्टी इस हृदयविदारक घटना की कड़ी निंदा करती है और पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि सरकारी लापरवाही से हुई मौत है। उन्होंने कहा कि परिजनों के अनुसार प्रसव पीड़ा के दौरान महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बिना समुचित इलाज के वापस भेज दिया गया। यह सीधे-सीधे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की घोर लापरवाही को दशार्ता है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि जब रविवार को महिला को अस्पताल लाया गया और प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, तब भी समय रहते समुचित इलाज नहीं किया गया और आनन-फानन में सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। यह घटना साबित करती है कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। उन्होंने सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीब और आम जनता की जान की कोई कीमत नहीं रह गई है। अगर यही घटना किसी प्रभावशाली व्यक्ति के साथ होती, तो क्या यही लापरवाही होती? आम आदमी पार्टी की मांगें: पूरे मामले की न्यायिक या उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

रामनवमी को लेकर कोडरमा पुलिस अलर्ट मॉक ड्रिल से तैयारियों का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आगामी रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में पुलिस केन्द्र, कोडरमा में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस बलों की तत्परता और आपात स्थिति से निपटने की क्षमता का परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, आगजनी जैसी घटनाओं से निपटने, असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण तथा विधि-व्यवस्था से जुड़ी संभावित चुनौतियों का पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय और त्वरित कार्रवाई की रणनीति पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रामनवमी के दौरान अखाड़ा स्थलों, जुलूस मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ लगातार पेट्रोलिंग और गश्ती अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी तरह की भ्रामक सूचना से माहौल प्रभावित न हो। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों, पूजा समितियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे प्रशासनिक दिशा-निदेर्शों का पालन करें, ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुसार करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि सभी के सहयोग से रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाएगा।

रामगढ़ में अवैध खनन पर बड़ा प्रहार केदला में ब्लास्टिंग से ध्वस्त मुहाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में अवैध कोयला खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए केदला क्षेत्र में एक अवैध खनन मुहाने को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई जिला स्तरीय खनन टास्कफोर्स के निर्देश पर संयुक्त अभियान के तहत की गई, जिससे अवैध उत्खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है। मंगलवार को दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच चलाए गए इस विशेष अभियान में जिला प्रशासन, वन विभाग और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड हजारीबाग क्षेत्र की टीम ने संयुक्त रूप से भाग लिया। सभी विभागों के समन्वय से कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। यह कार्रवाई रामगढ़ प्रक्षेत्र के अंतर्गत झारखंड खुली खदान परियोजना के केदला संख्या-06 के समीप की गई, जहां लंबे समय से अवैध कोयला खनन की गतिविधियां संचालित हो रही थीं। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर अवैध मुहाने को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया। अवैध मुहाने को पूरी तरह समाप्त करने के लिए निर्यंत्रित विस्फोट की तकनीक अपनाई गई। सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए पहले ड्रिलिंग मशीन से कुल 25 छिद्र किए गए, जिसके बाद लगभग 1250 किलोग्राम विस्फोटक का उपयोग कर मुहाने को ध्वस्त कर दिया गया। पूरी प्रक्रिया विशेषज्ञों की निगरानी में सावधानीपूर्वक संपन्न हुई। यह कार्रवाई जिला खनन पदाधिकारी के नेतृत्व में पूरी की गई। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जिले में किसी भी प्रकार के अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले समय में भी ऐसे तत्वों के खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई न केवल अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए आवश्यक है।

100 दिवसीय अभियान के साथ रामगढ़ में टीबी उन्मूलन की मुहिम तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ में विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति ने टीबी उन्मूलन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डा. नवल कुमार तथा जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डा. स्वराज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों के पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, सहिया साथी और अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डा. स्वराज ने राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम और 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को समाप्त करने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे लोगों को जांच और उपचार के लिए प्रेरित करें।

रामगढ़ में चैती छठ के प्रथम अर्घ्य पर उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में लोक आस्था के महापर्व चैती छठ के प्रथम अर्घ्य के अवसर पर मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला। भुरकुंडा, बरकाकाना, पतरातू, रामगढ़ नगर, गोला सहित जिले के सभी प्रमुख छठ घाटों पर हजारों व्रतधारियों ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। पूरे जिले में आस्था, अनुशासन और सांस्कृतिक परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। भुरकुंडा के नलकारी नदी घाट, बरकाकाना के तालाबों, पतरातु डैम तथा अन्य जलाशयों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर डाला और पूजा सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचीं, वहीं पुरुष व्रती भी पूरे विधि-विधान के साथ अनुष्ठान में शामिल हुए। सूर्यास्त के समय जल में खड़े होकर सामूहिक रूप से अर्घ्य अर्पित करने का दृश्य अत्यंत भावुक और मनोहारी रहा। चैती छठ महापर्व की शुरूआत नहाय-खाय से हुई, जिसमें व्रतधारियों ने शुद्ध भोजन ग्रहण किया। इसके बाद खरना के दिन खीर और पूरी बनाकर पूजा की गई तथा निर्जला उपवास प्रारंभ किया गया। मंगलवार को अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया, जबकि बुधवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन होगा। जिले के सभी प्रमुख छठ घाटों पर आकर्षक सजावट की गई थी। रोशनी, साफ-सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासन और स्थानीय समितियों ने मिलकर श्रद्धालुओं के लिए दूध, फल और पूजा सामग्री की व्यवस्था भी सुनिश्चित की, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। बुधवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रतधारी अपना उपवास पूर्ण करेंगे। इसके पश्चात ठेकुआ सहित पारंपरिक प्रसाद का वितरण किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। चैती छठ महापर्व ने एक बार फिर रामगढ़ जिले में सामाजिक एकता, अनुशासन और आस्था की मजबूत मिसाल पेश की है, जहां हर घाट पर भक्ति और संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली।

सतगावां में संध्या अर्घ्य पर उमड़ी आस्था अस्ताचलगामी सूर्य को किया नमन

कोडरमा : सतगावां प्रखंड आस्था और भक्ति के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया। छठ व्रतियों ने पवित्र नदियों और तालाबों के घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान के स्वास्थ्य और देश के कल्याण की कामना की। प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। महिलाएं सिर पर बाँस की टोकरी में पूजन सामग्री लेकर गाजे-बाजे और छठ गीतों के साथ परिवारजनों के संग घाटों की ओर बढ़ती दिखीं। सूर्यास्त से पूर्व ही घाटों पर भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। जैसे ही सूर्य की लालिमा क्षितिज में समाने लगी, व्रती महिलाएं जल में खड़ी होकर पूरे विधि-विधान से सूर्यदेव का पूजन करने लगीं। बांस के बने सुप और टोकरी में रखे फल-फूल व प्रसाद से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया गया और परिवार की सुख-शांति की प्रार्थना की गई। इस दौरान छठव्रती महिलाओं ने सुहागिनों

संक्षिप्त खबरें

पतरातु जिन्दल का 6 एमटीपीए विस्तार पूरा 12 एमटीपीए क्षमता के साथ बड़ी उपलब्धि

पतरातु : जिंदल स्टील एंड पॉवर ने पतरातु स्थित अपने अत्याधुनिक स्टील संयंत्र में 6 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) क्षमता का विस्तार सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस विस्तार के बाद संयंत्र की कुल इस्पात उत्पादन क्षमता बढ़कर 12 एमटीपीए हो गई है, जिससे यह देश के सबसे बड़े एकल स्थान पर स्थापित स्टील संयंत्रों में शामिल हो गया है। इस परियोजना के अंतर्गत 3 एमटीपीए क्षमता वाली तीसरी बेसिक ऑक्सीजन भट्टी (बीओएफ-3) को चालू किया गया है। इसके साथ ही दूसरी बेसिक ऑक्सीजन भट्टी (बीओएफ-2) को भी सुदृढ़ बनाया गया है। नई तकनीक और उन्नत मशीनों के जुड़ने से उत्पादन प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज, सटीक और प्रभावी हो गई है। विस्तार योजना के तहत कोक ओवन संयंत्र, शीत रोलिंग मिल परिसर और अन्य सहायक ढांचों का निर्माण एवं विकास किया गया है। इन सुविधाओं के जुड़ने से उत्पादन प्रणाली को मजबूती मिली है और बड़े स्तर पर इस्पात निर्माण अब अधिक सुगम हो गया है। पतरातु संयंत्र की क्षमता 12 एमटीपीए होने के बाद कंपनी की कुल इस्पात उत्पादन क्षमता बढ़कर 15.6 एमटीपीए हो गई है। इसमें रायगढ़ स्थित संयंत्र की 3.6 एमटीपीए क्षमता भी शामिल है, जिससे कंपनी की समग्र उत्पादन शक्ति और अधिक मजबूत हो गई है। इस विस्तार से उत्पादन में वृद्धि के साथ संसाधनों के बेहतर उपयोग की संभावनाएं बढ़ी हैं। इससे लागत में कमी आएगी और कंपनी की आय में वृद्धि होगी। बड़े पैमाने पर उत्पादन से बाजार में प्रतिस्पर्धा की स्थिति भी मजबूत होगी। यह विस्तार न केवल कंपनी के लिए बल्कि देश के औद्योगिक विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे देश में इस्पात उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई दिशा मिलेगी। इस उपलब्धि के साथ जिन्दल ने एक बार फिर औद्योगिक क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है और भविष्य में और विस्तार की संभावनाओं को भी संकेत दिया है।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

कोडरमा : हत्या किए जाने किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर की अदालत ने मंगलवार को आरोपी हीरालाल यादव 65 वर्ष, पिता- स्वर्गीय धनी महतो, ग्राम- बेला, थाना- मरकचो, जिला- कोडरमा निवासी को 302 आईपीसी एक्ट के तहत दोषी पाते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 15000 जुर्माना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 1 साल अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वही न्यायालय ने 201, IPC एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 5 साल कारावास एवं 5000 जुर्माना लगाया। जुर्माना की राशि नहीं देने पर 2 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सभी सजाएं साथ-साथ चलेगी। जुर्माना की राशि पीड़ित को दी जाएगी। मामला वर्ष 2022 का है । इसे लेकर मरकचो थाना में में थाना कांड संख्या 23/ 2022, दर्ज कराया गया था। थाना को दिए आवेदन में मृतक सोनू यादव 25 वर्ष के पिता बुधन यादव ने कहा था कि हीरालाल यादव के घर से 18/ 3 /2022 को संध्या करीब 7:00 बजे फोन आया कि हीरालाल यादव अपने गांव में मिलने के लिए बुला रहे हैं। यह बात कहकर सोनू मोटरसाइकिल लेकर बेला गांव चला गया। 19 /3/ 2022 को सुबह करीब 7:00 ग्रामीणों के द्वारा मुझे बताया गया की बेला रेलवे ट्रैक पर सोनू का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ है जिसके सर, माथा और कान में धारदार हथियार से वार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि हीरालाल यादव एवं उनके अन्य परिजनों के द्वारा मेरे बेटे सोनू यादव को तलवार से मारकर हत्या कर रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया है। उन्होंने आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी।

नलकारी नदी तट पर 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन शुरू

भुरकुंडा : भुरकुंडा के नलकारी नदी तट स्थित छठ मंदिर परिसर में चैती छठ महापर्व के पावन अवसर पर 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन विधिवत रूप से प्रारंभ हो गया। छठ मंदिर पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री एवं पूर्व सांसद जयंत सिन्हा तथा सीसीएल बरका सयाल क्षेत्र के महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना और ध्वजारोपण कर किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। शुभारंभ के बाद से ही हरिकीर्तन का क्रम निरंतर जारी है। भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन से मंदिर परिसर तथा आसपास का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। श्रद्धालु रात-दिन कीर्तन में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कर रहे हैं। यह 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन बुधवार को पूणार्हुति के साथ संपन्न होगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि समापन के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना के साथ प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के चमनलाल, संजय मिश्रा, संजय वर्मा, दीपक भुईयां, संजीत राम, केसी दास, अशोक तिवारी, बासुदेव उरांव, गुरुदयाल ठाकुर, गोपाल करमाली, अशोक, शंभू दुबे, शशि दुबे, जोगेंद्र करमाली, अरुण करमाली, शशि, सतीश सागर और दीपक कुमार सहित कई लोग सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

रामनवमी पर्व को लेकर नवलशाही थाना परिसर शांति समिति की हुई बैठक

मरकच्चो : रामनवमी पर्व को लेकर नवलशाही थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति बैठक थाना प्रभारी सुमन कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में पंचायत प्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता रामनवमी जुलूस के लाइसेंस धारी, गैर लाइसेंस धारी क्षेत्र के बुद्धिजीवी वर्ग उपस्थित हुए। वही बैठक में प्रशासनिक पदाधिकारियों ने उपस्थित सभी लोगों से अपील करते हुए शांति सोहार्द तथा भाईचारगी के साथ रामनवमी पर्व मनाने को कहा। थाना प्रभारी ने कहा कि रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनायें एवं सभी थाना क्षेत्र के अखाड़े वाले वोलेंटियर कि तैनाती करें। बैठक में जनप्रतिनिधियों के द्वारा पुरे थाना क्षेत्र के गांव में सड़कों पर पानी बहाये जाने पर रोक लगाने, शराब बिक्री पर रोक लगाने, मुख्य सड़क से अतिक्रमण हटाने, गस्ती तेज करने की बात कही, जिससे शांति व्यवस्था कायम रहे। मौके पर एसआई नितायचन्द्र साह, एएआई राजीव सिंह, एसआई दस्मत किस्कू, रामचंद्र राणा, देवकी ठाकुर, अवध सिंह, मनोज राय, राजेंद्र राय, नीलखंड सिंह, परमेश्वर यादव, सुखदेव दास, संतोष सिंह, नकुल यादव मो. मुस्ताक,एवं कई लोग शामिल थे।

रामनवमी पर्व के असर पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के तहत संयुक्त फ्लैग मार्च का आयोजन

कोडरमा : आगामी रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज दिनांक 24.03.2026 को ऋतुराज, भा०प्र०से०, उपायुक्त, कोडरमा एवं अनुदीप कुमार सिंह, भा०पु०से०, पुलिस अधीक्षक, कोडरमा के संयुक्त तत्वाधान में फ्लैग मार्च का भव्य आयोजन किया गया। यह फ्लैग मार्च तिलैया शहरी क्षेत्र में महाराणा प्रताप चौक, सुभाष चौक आदि जगहों से होकर बाजार मार्ग एवं संवेदनशील स्थानों से होकर गुजर कर सम्पन्न हुआ।फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजनों में सुरक्षा की भावना को सुदृढ करना, असामाजिक तत्वों में भय उत्पन्न करना तथा यह संदेश देना है कि प्रशासन हर परिस्थिति में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है।पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर आम नागरिकों से अपील की कि वे रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाए तथा किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान न दें। सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट साक्षा करने से बचें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

एक नजर

रामनवमी जुलूस मार्ग विवाद सुलझाने को विधायक ने डीसी से की मुलाकात

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने रामनवमी के पावन अवसर पर बड़कागांव के महुदी क्षेत्र में जुलूस मार्ग को लेकर उत्पन्न विवाद के समाधान हेतु हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा किया। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि रामनवमी हिंदुओं के आस्था का सबसे बड़ा पर्व है और इस पर्व में किसी भी प्रकार का बाधा कतई उचित नहीं है। इसलिए महुदी विवाद मार्ग का समाधान निकालकर भगवान मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम का शोभा यात्रा निकालने का प्रबंध किया जाए।

समाज को स्वस्थ बनाने में शिक्षकों की भूमिका सराही दैहर की शिक्षिकाओं को मिला सम्मान

चौपारण : जिला मुख्यालय स्थित नगर भवन में सोमवार को जिला स्तरीय स्वास्थ्य आरोग्य दूत सम्मान समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्क्रमित उच्च विद्यालय, दैहर की शिक्षिकाएं रजनी रंजन रेशमन एवं विभा कुमारी को उनके सराहनीय योगदान के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

चैती छठ महापर्व का उदयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ पर्व का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में चैती छठ महापर्व का रविवार दिन नहाय खाय कद्दू भात से शुरू हुआ और दूसरा दिन, जिसे खरना के नाम से जाना जाता है, सोमवार 23 मार्च 2026 को श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस दिन व्रतियों ने पूरे दिन निर्जला उपवास रखा और शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर व्रत का दूसरा चरण पूरा किया। घरों में पारंपरिक लोकगीत जैसे ह्लपहिले पहिल हम कइनी छठी मइया व्रत तोहारह्व और ह्लकेरवा जे फरेलाह्व की मधुर धुनों ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।

खरना पर प्रसाद और पूजा का महत्व

खरना के दिन व्रती दोपहर बाद शुद्धता और नियमों का पालन करते हुए खीर-रोटी का प्रसाद तैयार करते हैं। सूर्यास्त के बाद भगवान को नैवेद्य अर्पित कर व्रती स्वयं प्रसाद ग्रहण करते हैं और फिर इसे परिवार व आसपास के लोगों में बांटते हैं। इसी अनुष्ठान के साथ 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाता है, जो छठ पूजा की सबसे कठिन साधना मानी जाती है।

डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

मंगलवार 24 मार्च 2026 को महापर्व का तीसरा दिन है। व्रती सुबह स्नान-ध्यान के बाद प्रसाद तैयार किया। दोपहर बाद सूप और टोकरी में ठेकुआ, फल और अन्य पूजन सामग्री सजाकर लोकगीतों के बीच छठ घाट के लिए प्रस्थान किया। शाम को बिजली गंगा घाट, शकुंतला सहाय गंगा घाट, नदी, तालाब और कृत्रिम घाटों पर पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। पंचांग के अनुसार इस दिन सूर्यास्त शाम 06:34 बजे होगा।

दर्जनों छठ घाटों में डूबते हुए सूर्य को दिया अरघ

बड़कागांव : आस्था का पर्व चैती छठ पूजा के लिए बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांवो के छठ घाटों में मंगलवार को अस्ताचल गामी सूर्य को छठवर्तियों ने प्रथम अर्घ्य दिया। छठवर्ती 36 घंटे उपवास रहकर 5:00 बजे अपने-अपने घरों से छठवर्ती छठ घाट पहुंचे। भगवान सूर्य के अस्त होने का इंतजार छठवर्ती पानी में डूब कर करते रहे। अर्घ्य देने वाले श्रद्धालु भी घंटो इंतजार करते रहे। जैसे ही घड़ी के सुई 5:40 बजे अस्ताचल भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। आज बुधवार को उदयमान सूर्य को अर्घ्य देंगे। बड़कागांव के गुरु चट्टी में प्रेम महतो, बिंदेश्वर उर्फ बिंदु दांगी ,जयवीर महतो , नंदकिशोर जयसवाल, सिकंदर महतो, ठाकुर मोहल्ला में संत मेरी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य गायत्री सिन्हा, डायरेक्टर विनोद सिन्हा, वार्ड सदस्य सपना देवी, संजय रवि, हरली में रामसुंदर मेहता आदि पूजा अर्चना किया।

संक्षिप्त खबरें

बिडरा गांव में लाइब्रेरी भवन निर्माण की मांग, वीर रुद्र प्रताप ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

पटमदा : शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल करते हुए वीर रुद्र प्रताप ने पटमदा प्रखंड के बिड़रा गांव में लाइब्रेरी भवन निर्माण की मांग को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गांव के विद्यार्थियों और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे आधुनिक संसाधनों के साथ अपनी पढ़ाई सुचारु रूप से जारी रख सकें। ज्ञापन में बिड़रा गांव में लाइब्रेरी के लिए पर्याप्त भूमि पहले से उपलब्ध है और समय-समय पर वहां किताबें भी पहुंचती रहती हैं। इसके बावजूद भवन के अभाव में लाइब्रेरी का संचालन व्यवस्थित रूप से नहीं हो पा रहा है। किताबों के सुरक्षित रख-रखाव में कठिनाइयाँ हो रही हैं और विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए उपयुक्त स्थान नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।वीर रुद्र प्रताप ने उपायुक्त का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राएं प्रतिभाशाली हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण वे पीछे रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि बिड़रा गांव में एक सुसज्जित लाइब्रेरी भवन का निर्माण कराया जाता है, तो यह विद्यार्थियों के लिए एक बेहतर अध्ययन केंद्र बनेगा और पूरे गांव में शैक्षणिक माहौल को मजबूती मिलेगी।

डीसी कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी द्वारा जनता दरबार का हुआ आयोजन

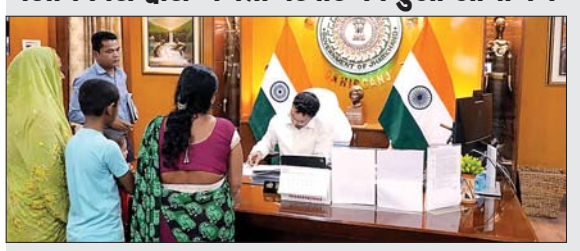

साहिबगंज: अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में डीसी हेमंत सती ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही डीसी द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनने के बाद डीसी ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि डीसी कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके। ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को डीसी कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

अवैध कोयला कारोबार पर वन विभाग का बड़ा प्रहार, दो ट्रक जब्त

चौपारण : वन विभाग ने अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। वनपाल के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के तहत दो ट्रकों को जब्त किया गया, जिनमें भारी मात्रा में अवैध कोयला लदा हुआ था। जानकारी के अनुसार, जब्त किए गए ट्रकों के नंबर जेएच 10 डीजी 3019 और जेएच 05 सीवी 5994 हैं। दोनों वाहनों में करीब 40-40 टन कोयला लदा हुआ था, जिसे बिना वैध कागजात के परिवहन किया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर इन ट्रकों को पकड़ा। इस कार्रवाई में प्रभारी वनपाल संटू कुमार के साथ वनरक्षी सिकंदर नायक, वन विभाग के अन्य कर्मी, गृह रक्षक के जवान एवं चालक दल सक्रिय रूप से शामिल रहे। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों ट्रकों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अवैध शराब मामले में गाड़ी मालिक, चालक सहित अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज, ट्रक जब्त

बरही : बरही थाना क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। 23 मार्च 2026 को दर्ज एफआईआर संख्या 110 के अनुसार, एनएच-19 बरही बाईपास के समीप एक ट्रक से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

जिला शिक्षा विभाग में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मुखिया को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग जिला शिक्षा परियोजना के द्वारा बड़कागांव प्रखंड के पश्चिमी पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। रंजीत कुमार को अपने पंचायत क्षेत्र में शिक्षा के प्रति निरंतर विशेष योगदान देते रहने, स्कूलों में पेयजल की व्यवस्था, सेनेटरी, मध्यान भोजन, पर्यावरण, व स्कूल के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों पर विशेष ध्यान देने के लिए जिला शिक्षा विभाग के द्वारा सम्मानित किया गया है। रंजीत कुमार ने कहा कि हम सभी पंचायत प्रतिनिधियों को अपने अपने पंचायत में शिक्षा पर विशेष फोकस करने की जरूरत है, जब हम शिक्षित होंगे तो स्वत; हमारा पंचायत विकास की ओर अग्रसर होगा। इसलिए हमें अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। शिक्षा से ही पंचायत में व्याप्त विसंगतियां को दूर किया जा सकता है।

दैनिक भास्कर पत्रकार के भतीजे डॉ. रौशन बने डॉक्टर, बच्छई में हुआ भव्य स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के बच्छई गांव के लिए उस समय गर्व का क्षण बन गया, जब गांव निवासी बीरेन्द्र राणा के पुत्र एवं दैनिक भास्कर के पत्रकार के भतीजे डॉ. रौशन कुमार ने एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। उन्होंने लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान से अपनी मेडिकल शिक्षा पूरी की। डॉ. रौशन की इस उपलब्धि से गांव समेत आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। डिग्री प्राप्त करने के बाद जैसे ही वे अपने पैतृक गांव पहुंचे, परिजनों एवं ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जगह-जगह फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया गया तथा मिठाइयां बांटकर लोगों ने अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। समाज के अध्यक्ष मिथलेश्वर प्रसाद राणा ने डॉ. रौशन को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे एक कुशल चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करेंगे और क्षेत्र का नाम और ऊंचा करेंगे। गौरतलब है कि डॉ. रौशन कुमार ने वर्ष 2020 में आयोजित नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक में 3620वां स्थान तथा ओबीसी वर्ग में 1227वीं रैंक प्राप्त की थी। उसी वर्ष क्षेत्र के चार छात्रों ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल की थी, जिनमें उनका प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। डॉ. रौशन की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

विभावि यूसेट के बीटेक के विद्यार्थियों को समझाया गया सामाजिक इंजीनियरिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मंगलवार को 11 बजे राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ खेमलाल महतो के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना यूसेट के 42 स्वयंसेवक के साथ सामाजिक दुख-सुख का ताना बुना समझने हेतु हजारीबाग नगर में अवस्थित ओल्ड एज होम एवं मुख बधिरों के विद्यालय का भ्रमण किया। वहां जाकर वृद्धा आश्रम में अपने परिवार से हट कर जीवन बिता रहे वृद्धों से मिलकर सामाजिक दुख सुख को समझा। साथ ही उनलोगों का आश्रम तक आने की कहानी को सुना। तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने बिस्किट, फल फूल आदि का वितरण कर कुछ देर के लिए गम को खुशी में बदलने का कोशिश किया। उसके बाद 2 बजे मुक बधीर विद्यालय पहुंच कर वहां पढ़ने-पढ़ाने की कला को समझा। साथ ही साथ इशारों-इशारों में वहां के छात्रों से बात चित किया। यहां समोसा का वितरण करने के बाद प्राकृतिक चिकित्सक श्री दिनेश खंडेलवाल का दीपूगढ़ा स्थित निवास सह आश्रम पहुंचा। वहां जाकर मुफ्त इलाज की कहानी को सुना तथा इस आश्रम से रोग मुक्त होकर जाने वाले कई रोगियों के बारे में जान कर आश्चर्य चकित हुआ। इन सभी से स्वयंसेवकों को समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा मिली। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु माही कुमारी, अर्चिता कुमारी, नेहा कुमारी, आस्था कुमारी, कार्तिक प्रताप, अभिनव राज , अभिमन्यु, दीपांशु आदि 42 स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

कलश यात्रा एवं शोभायात्रा निकाला गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव के बसंती दुर्गा मंदिर में माता दुर्गा की षष्ठी रूपा माता कात्यानी की पूजा के मौके पर बसंती दुर्गा पूजा समिति के नेतृत्व मे कलश यात्रा सह शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें महिलाएं ,युवतियां एवं बच्चों ने कलश लेकर शामिल हुए। इसमें रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक कुमार सोनी भी शामिल हुए। कलश यात्रा की शुरूआत दुर्गा मंदिर से शुरू किया गया। जो डेली मार्केट कोरियाडीह, गोविंदडीह ,गौरव बाजार, लोहार टोला, दुसाध मोहल्ला, अंबेडकर मोहल्ला, बरगद मोहल्ला मुस्लिम मोहल्ला, रेंज ऑफिस, बड़कागांव मुख्य चौक ,थाना रोड होते हुए छावनियां नदी पहुंचा । जहां माता गंगा की स्तुति कर कलश यात्रियों ने जल भरकर पुन : दुर्गा मंदिर पहुंचे। एवं माता कात्यानी की पूजा अर्चना की गई। रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा, के नेतृत्व में कलश व्रतियों, राम भक्तों को गमछा, मैंगो फ्रूटी,फल आदि का वितरण किया गया एवं शरबत पिलाया गया।एवं मंदिर स्थल में भी बसंती दुर्गा पूजा समिति द्वारा भी चना एवं शरबत श्रद्धालुओं को दिया गया।कलश यात्रा एवं शोभायात्रा को सफल बनाने में रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक सोनी, बसंती दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अरविन्द वर्मा, सचिव सरोज सोनी कोषाध्यक्ष महेश साव, पुरोहित यदुनंदन मिश्रा, मुख्य संरक्षक लोकनाथ महतो, संरक्षक रामसेवक सोनी, सह संरक्षक मुखिया रंजीत कुमार, संयोजक सुरेन सोनी, मनोज साहा, जुलुस प्रभारी. कौलेश्वर साव, आदि ने अहम योगदान दिया।

तेली समाज के स्तंभ थे दयानंद कश्यप : जगनंदन गुप्ता

बड़कागांव : बिहार सरकार में मंत्री एवं विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके दयानंद कश्यप के निधन से पूरे तेली साहू समाज में गहरा शोक व्याप्त है। उनके निधन को केवल एक व्यक्ति की क्षति नहीं, बल्कि समाज के एक युग के अंत के रूप में देखा जा रहा है। अखिल भारतीय तैलिक साहू समाज प्रखंड इकाई अध्यक्ष जगत नंदन प्रसाद गुप्ता ने कहा कि दयानंद कश्यप का जीवन संघर्ष, सेवा और समाज के उत्थान के प्रति पूर्णतः समर्पित रहा। उन्होंने अपने नेतृत्व, दूरदर्शी सोच और कर्मठता के बल पर समाज को नई दिशा दी। एकता, शिक्षा और सामाजिक प्रगति के प्रति उनका संदेश आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा

(Mail Id- db-chatra@jharkhandmail.gov.in), (E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

एतद् द्वारा इच्छुक व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि चतरा जिला परिषद द्वारा ईटखोरी प्रखण्ड अन्तर्गत परसौनी में निर्मित दुकान संख्या क्रमाशः 5,7,8,9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20 को किराया/लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। विवरणी निम्न है:-

क्र0 सं0	जिला परिषद, द्वारा निर्मित भवन	दुकान न0,	क्षेत्रफल	प्रती माह किराया की राशि
1	2	3	4	5
1	परसौनी दुकान ईटखोरी	5,7,8,9,10,11,12,13,14,15,1617,18,19,20	99 sft	600

उपरोक्त स्वीकृत दर के आधार पर जो व्यक्ति दुकान किराया/लीज पर लेने हेतु इच्छुक है। वे निम्नलिखित शर्तो का अनुपालन करते हुए दिनांक 02/04/2026 तक कार्यालय कार्य अवधी में आवेदन पत्र समर्पित कर सकते है:-

शर्ते:-

1. कुल दुकानों की संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में लॉटरी के माध्यम से दुकान का आवंटन किया जायेगा, लॉटरी हेतु तिथि का निर्धारण अलग से करते हुए इसकी सूचना दी जायेगी।
2. आवेदन पत्र के साथ रूपये 500 (पांच सौ) का जमानत के रूप में बैंक ड्राफ्ट के द्वारा जो उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा करना होगा। जो वापस नही होगा।
3. परसौनी दुकान के सफल आवेदक को एक सप्ताह के अन्दर रूपये 20000 (बीस हजार) एवं आवश्यक कागजात जमा करते हुए एकरारनामा कार्य सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। समयावधी समाप्त होने के बाद दुकान किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित कर दी जायेगी।
4. एकरारनामा हेतु स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयं वहन करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात एकरारनामा के समय सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना होगा।
5. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

उप विकास आयुक्त-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
जिला परिषद, चतरा

PR 375905 District(25-26)#D

कलयुगी मां ने अपनी बेटी का गला घोंट कर ली जान, मां गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : चांडिल थाना क्षेत्र के घोड़ानेगी की चांडिल डैम के जगजीवन कॉलोनी निवासी कलयुगी मां लक्ष्मी कुमारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मां ने अपनी ही बेटी 4 वर्षीय रीति कुमारी की गला घोंटकर हत्या कर दी, पति सोनाराम लोहार तब बाहर थे। लौटने पर परिवार में कोहराम मचा, सोनाराम ने थाने में पत्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया और हत्या के कारणों की जांच कर रही है। इलाके में शोक व आक्रोश का माहौल है। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मी कुमारी ने अपनी 4 वर्षीय बेटी रीति कुमारी के साथ घर पर मौजूद थी, जबकि उसका पति सोनाराम लोहार किसी काम से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान लक्ष्मी कुमारी ने कथित रूप से अपनी ही बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। चांडिल थाना प्रभारी दिलशन बिरुआ ने बताया कि आरोपी मां को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जेल भेज दिया गया है। वहीं पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के पीछे के सटीक कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

मां ने रची कहानी, लापता का बनाया बहाना

मासूम बेटी की हत्या कर उसे छिपाने के लिए लापता होने की झूठी कहानी गढ़ी। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर लक्ष्मी कुमारी अपनी चार वर्षीय बेटी रीति कुमारी के साथ घर में थी। इसी दौरान उसने गला दबाकर बच्ची की हत्या कर दी। वारदात को छिपाने के लिए आरोपी मां ने घर के अंदर जमीन खोदकर शव को दफना दिया और लोगों को बताया कि उसकी बेटी लापता हो गई है। शाम को सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों व ग्रामीणों के साथ बच्ची की तलाश शुरू की। इसी बीच पुलिस को देख आरोपी घबरा गई। पुलिस के जाने के बाद उसने शव को जमीन से निकालकर आंगन में रख दिया और फरार हो गई। कुछ देर बाद जब परिजन और आसपास के लोग घर पहुंचे तो बच्ची का शव आंगन में पड़ा मिला, जबकि मां घर से गायब थी। इसके बाद पूरी रात उसकी तलाश की गई। सोमवार सुबह घोड़ानेगी गांव के बाहर आरोपी महिला को पकड़ लिया गया। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :- 43/2025-26

दिनांक 24/03/2026

मद का नाम :- 15वें वित्त आयोग मद।

क्र0 स0	प्रखण्ड	पंचयात	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	बरही	बरही	बरही	बरही बस पड़ाव में शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था।	2499500	5000	50000	छः माह
2	बरकट्ठा	बरकट्ठा	बरकट्ठा	बरकट्ठा बाजार में शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था।	2499500	5000	50000	छः माह
3	चौपारण	चौपारण	चौपारण	महाराजगंज बाजार में शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था।	2499500	5000	50000	छः माह
4	बरकट्ठा	बेलकपी	सूर्यकुण्ड	सूर्यकूण्ड डाक बंगला परिसर में शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था।	2499500	5000	50000	छः माह
5	सदर	–	–	जिला परिषद के मटवारी तालाब का जीर्णोद्धार कार्य।	2499500	5000	50000	छः माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 30.03.2026
2. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 01.04.26 से 15.04.2026 अपराहन् 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान- जिला परिषद, हजारीबाग।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 17.04.2026 पूर्वाहन् 10:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0-06546 261406 ई-मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
9. निविदा की शर्ते कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग

PR 375961 District(25-26).D

प्राकृतिक संसाधनः सृष्टि की साझा धरोहर, मानवता का नैतिक न्यास दायित्व

पृथ्वी पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन जल, वायु, वन, खनिज, मिट्टी, जीव-जंतु और ऊर्जा स्त्रोत मानवता की निजी संपत्ति न होकर संपूर्ण सृष्टि की साझा धरोहर हैं। यह विचार केवल नैतिक आग्रह नहीं है, बल्कि पृथ्वी के भूगर्भीय इतिहास, जैविक विकास और आधुनिक वैज्ञानिक समझ का गहन निष्कर्ष है। विज्ञान स्पष्ट करता है कि जिन ऊर्जा स्त्रोतों पर आधुनिक सभ्यता आधारित है, वे मानव जीवन की समय-सीमा में पुनः निर्मित नहीं हो सकते। पेट्रोलियम को बनने में पांच से 30 करोड़ वर्ष, कोयले को तीन से 40 करोड़ वर्ष और प्राकृतिक गैस को करोड़ों वर्षों का समय लगता है। पृथ्वी की विशाल प्रयोगशाला ने जिन्हें युगों में निर्मित किया, उन्हें मनुष्य यदि कुछ वर्षों के युद्ध, संघर्ष या लालच में नष्ट कर दे, तो यह न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से मूर्खता है बल्कि नैतिक रूप से भी गंभीर अन्याय है। भारतीय चिंतन इस सत्य को प्राचीन काल से ही स्वीकार करता आया है। "अथर्ववेद" में कहा गया है "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः"। अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। इसका स्पष्ट अर्थ है कि पृथ्वी के उपहार किसी एक समाज, राष्ट्र या पीढ़ी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समस्त जीव जगत के लिए समान रूप से हैं। उपनिषद का वाक्य "ईशावास्यमिदं सर्वं" इसी भावना को और व्यापक बनाता है। यह सम्पूर्ण जगत किसी का निजी स्वामित्व नहीं, बल्कि साझा अस्तित्व है। आधुनिक भाषा में इसे वैश्विक साझा संसाधन कहा जा सकता है, जहाँ संसाधन किसी के स्वामित्व में नहीं बल्कि सबके उपयोग के लिए होते हैं। इसी आधार पर प्राकृतिक संसाधनों पर एकाधिकार का विचार मूलतः अमानवीय है। मनुष्य अधिकतम स्वयं को इन संसाधनों का संरक्षक और न्यासी कह सकता है। उसके पास उपयोग का अधिकार है, स्वामित्व का नहीं। एक न्यासी संसाधनों का संरक्षण करता है, उनका विनाश नहीं करता। वर्तमान विश्व व्यवस्था ने इस मूलभूत सत्य को पीछे छोड़ दिया है। देखा यह जा रहा है कि जो संसाधन मानवता की सामूहिक धरोहर थे, वे अब संपत्ति, राजनीतिक शक्ति, भू रणनीतिक हथियार और औद्योगिक लाभ के साधन बन गए हैं। पश्चिम एशिया में तेल कुओं पर हमले, रूस यूक्रेन संघर्ष में गैस पाइपलाइन का टूटना या अफ्रीका में खनिज क्षेत्रों को लेकर गृहयुद्ध, ये सभी घटनाएँ केवल स्थानीय नहीं बल्कि वैश्विक प्रभाव डालती हैं। तेल महंगा होता है, परिवहन लागत बढ़ती है, बिजली दरें ऊँची होती हैं और खाद्य संकट गहराता है। अंततः सबसे अधिक पीड़ा उस सामान्य जन को झेलनी पड़ती है जिसने न युद्ध किया और न संसाधनों का दुरुपयोग किया। यह वैश्विक अन्याय का विकृत स्वरूप है। प्राकृतिक संसाधनों की हानि केवल आर्थिक संकट तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन को भी प्रभावित करती है। एक जंगल के कटने से वर्षा चक्र, मिट्टी की उर्वरता, जल संचयन और वन्य जीवन सब प्रभावित होते हैं। समुद्र में तेल रिसाव से केवल समुद्री जीवन नहीं, बल्कि वैश्विक ताप वृद्धि और जलवायु संकट भी उत्पन्न होता है। जल प्रदूषण एक नदी को नहीं, बल्कि उससे जुड़े संपूर्ण जीवन तंत्र को प्रभावित करता है। इसलिए यह कहना अधूरा है कि संसाधनों की हानि केवल एक राष्ट्र की हानि है। वास्तविकता यह है कि यह पूरी सृष्टि की हानि है। भारतीय दर्शन इस व्यापक दृष्टि को वसुधैव कुटुम्बकम के रूप में प्रस्तुत करता है। इसका अर्थ है कि पृथ्वी एक परिवार है और संसाधनों का उपयोग समानता, संयम और कल्याण के आधार पर होना चाहिए। आधुनिक पर्यावरण दर्शन भी इसी को पर्यावरणीय न्याय के रूप में स्वीकार करता है, जिसमें संसाधनों का समान उपयोग, समान उपलब्धता और समान संरक्षण आवश्यक माना गया है, किन्तु वर्तमान विश्व इस मार्ग से भटक गया है। संसाधनों से सम्पन्न देश उन्हें शक्ति और दबाव के साधन के रूप में प्रयोग करते हैं, जबकि निर्भर देश असुरक्षित और अस्थिर बने रहते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक असमानता भी है। यदि किसी देश या क्षेत्र को अधिक संसाधन प्राप्त हैं, तो उसका प्रथम दायित्व उनका संरक्षण होना चाहिए न कि उनका शोषण।

हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्जा कब मिलेगा?

विजय केसरी

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्ज कब मिलेगा? हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव घोषित करने की मांग संपूर्ण झारखंड में बड़े ही जोर शोर से उठ रही है। यहां की रामनवमी वह तमाम अहर्ता रखती हैं, जो राजकीय महोत्सव के लिए होना जरूरी है। आज हजारीबाग की रामनवमी इंटरनेशनल रामनवमी के नाम से जानी जा रही है। यहां से निकलने वाले रामनवमी जुलूस में लाखों की संख्या में राम भक्तों सहित विभिन्न धर्मावलंबियों के लोग शामिल होते हैं। इस जुलूस में सौ से अधिक झांकियां शामिल होती हैं। विभिन्न तरह के बाजे गाजे शामिल होते हैं। चैत्र माह के प्रारंभ के साथ ही रामनवमी के पूर्व प्रत्येक मंगलवार को मंगला जुलूस निकाले जाते हैं। मंगला जुलूस में भी हजारों की संख्या में राम भक्तों सहित विभिन्न धर्मावलंबी के लोग भी शामिल होते हैं। चैत्र पंचमी, षष्ठी, सप्तमी और अष्टमी को विभिन्न समितियां द्वारा निकाले गए भव्य जुलूसों का नगर भ्रमण होता है। यहां से रामनवमी के अवसर पर निकलने वाले जुलूस का स्वरूप इतना विशाल हो चुका है कि एक सप्ताह पूर्व इस जुलूस को शांति प्रिय ढंग से संपन्न कराने के लिए झारखंड प्रांत के जीडीपी को हजारीबाग आना पड़ा। जीडीपी ने जिला और पुलिस प्रशासन के साथ बैठक कर हजारीबाग की रामनवमी की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने जुलूस मार्गों का निरीक्षण भी किया। इसके बाद उन्होंने पुलिस प्रशासन को हजारीबाग की रामनवमी शांतिप्रिय ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिया। इससे प्रतीत होता है कि हजारीबाग में रामनवमी के अवसर पर निकलने जुलूस कितना लोकप्रिय हो चुका है।

इन तमाम अहर्ताओं के बावजूद अब तक हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। इस बात को लेकर सभी राम भक्तों में रोष भी देखें जा रहे है। इस प्रांत में संपन्न होने वाले विभिन्न पर्वों - त्योहारों की तुलना में हजारीबाग की रामनवमी ज्यादा लोकप्रिय हो चुकी हैं। अगर मैं ऐसा लिखता हूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। ध्यातव्य है कि रामनवमी के अवसर पर हजारीबाग से निकलने वाले जुलूस से प्रेरित होकर झारखंड के सभी चौबीसों जिलों में जुलूस निकल जा रहे हैं। रामनवमी के अवसर पर सिर्फ नगर भर तक ही जुलूस सीमित नहीं है बल्कि एक -एक के गांव में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ जुलूस निकाले जा रहे हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार ने हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव क्यों नहीं घोषित किया? आश्चर्य लगता है ।

2022 में सर्वप्रथम हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिलाने के लिए श्री चैत्र रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष अमरदीप यादव ने एक पत्र के माध्यम से प्रांत के मुख्यमंत्री से इसकी मांग की थी। उन्होंने उक्त पत्र में इस बात पर जोर दिया था कि जिस तरह झारखंड प्रांत के कई लोकप्रिय पर्वों और मेलों को राजकीय महोत्सव की श्रेणी में रखा गया है, उसी प्रकार हजारीबाग की रामनवमी को भी राजकीय महोत्सव की श्रेणी में अंकित किया जाए। आगे उन्होंने दर्ज किया कि राजकीय महोत्सव घोषित होने के लिए जो अहर्ता होनी चाहिए वे तमाम अहताएं हजारीबाग से निकलने वाले रामनवमी जुलूस में है। इसके साथ ही उन्होंने झारखंड प्रांत के लगभग सवा लाख लोगों के हस्ताक्षर से युक्त एक पत्र राज्य के मुख्यमंत्री को सौंपा था। तब से लेकर अब तक अमरदीप यादव बराबर प्रांत के मुख्यमंत्री का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते रह रहे हैं कि हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव के रूप में घोषित किया जाए।

वहीं दूसरी ओर हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव घोषित करने के निमित्त कई अन्य सामाजिक संस्थाएं भी मांग करती चली आ रही हैं। इसके बावजूद राज्य सरकर हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव घोषित करने के लिए क्यों कतरा रही है? यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। और न ही कोई विशेष पार्टी से संबंधित मुद्दा भी नहीं है। बल्कि एक लोकप्रिय जुलूस को सम्मान देने की बात है। जिस तरह झरखंड के कुछ लोकप्रिय पर्वों और मेलों को राजकीय महोत्सव का दर्जा देकर सम्मानित किया गया है, ठीक उसी प्रकार हजारीबाग की रामनवमी को भी राजकीय महोत्सव का दर्जा प्रदान कर सम्मानित करने जैसा कार्य होगा। 2025 में हजारीबाग सदर के विधायक प्रदीप प्रसाद ने भी विधानसभा और विधानसभा के बाहर हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय दर्जा दिए जाने की मांग की है। इस बार भी 2026 में भी उन्होंने विधानसभा में हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय दर्जा प्रदान किए जाने की मांग जोरदार उठाई। इसके बावजूद अभी तक हजारीबाग की रामनवमी को वह दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया,जिसकी अहर्ता रामनवमी रखती है। अगर राज्य सरकार हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव के रूप में घोषित करती है,तो इससे राज्य सरकार का ही मान बढ़ेगा । धीरे-धीरे यह मांग जोर पकड़ती चली जा रही है। अमरदीप यादव के नेतृत्व में हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव घोषित करने की मांग को लेकर एक बड़ा आंदोलन भी शुरू किया जाएगा। उन्हें श्री चैत्र रामनवमी महासमिति का पूर्ण समर्थन और आशीर्वाद प्राप्त है।

ध्यातव्य है कि 1918 में हजारीबाग के एक सामाजिक कार्यकर्ता सह राम भक्त गुरु सहाय ठाकुर अपने पांच मित्रों के साथ मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम की जयंती पर महावीरी झंडा लेकर पहला जुलूस निकाला था। उसके बाद उन्होंने इस क्रम को हर वर्ष जारी रखा। इसका परिणाम यह हुआ कि धीरे-धीरे आगे चलकर यह एक बड़े जुलूस में तब्दील होता चला गया। छः राम भक्तों द्वारा निकाल गया यह जुलूस हजारीबाग की इंटरनेशनल रामनवमी के नाम से प्रतिष्ठित हो रही है । हजारीबाग से यह जुलूस निकलने के बाद 1929 में झारखंड की राजधानी रांची से य रामनवमी के अवसर पर निकाल गया था। बीते 108 वर्षों में यह जुलूस झारखंड के राम भक्तों के मन मष्तिष्क में पूरी तरह छा गया है। इस जुलूस ने समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का काम किया है । रामनवमी की अवसर पर निकलने वाले इस जुलूस में समाज के सभी धर्मों, पंथों और विचारों के लोग शामिल होते हैं । रामनवमी जुलूस ने समाज के सभी धर्मों, पंथों और विचारों के लोगों के बीच एक मिलने - मिलाने सेतु का काम किया है, जो अपने आप में सांप्रदायिक सौहार्द के लिए एक मिसाल बन चुका है। इस जुलूस में अमीर - गरीब और छोटे बड़े सभी एक साथ मिलकर नाचते हैं। गाते हैं । जय श्री राम का घोष लगाते हैं। इसके साथ ही रामनवमी जुलूस ने समाज की आधी आबादी को भी उठाने का काम किया है । जुलूस में काफी संख्या में लड़कियां भाग लेती हैं। जुलूस में लड़कियां शस्त्र परिचालन कर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करती हैं। इसका समाज पर बहुत ही अनुकूल प्रभाव पड़ा है। देश की आजादी के 78 वर्ष बीतने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों को मिलनी चाहिए थी, नहीं मिल पाई है। लड़कियों के समान अधिकार पर सरकारी स्तर पर हर वर्ष करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, इसके बावजूद भी लड़कियां बंदिशों में ही रहने को विवश हैं। इस विपरीत परिस्थिति में रामनवमी जुलूस लड़कियों पर लगी पारिवारिक बंदिशों को तोड़ने में सफल रहा है। लड़कियां रामनवमी की झांकियों में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। अर्थात रामनवमी जुलूस में नारी शक्ति का भी बहुत ही बेहतर ढंग से प्रदर्शन हो रहा है। इन तमाम खूबियों के मद्देनजर झारखंड के लोकप्रिय पर्वों और मेलों की तरह अब तक प्रांत की सरकार को हजारीबाग की रामनवमी को राजकीय महोत्सव घोषित कर दिया जाना चाहिए। प्रांत की सरकार का हजारीबाग की रामनवमी के प्रति यह उदासीनता ही समझ से परे है।

बदल गया है दिल्ली का राजनीतिक भूगोल

मनोज कुमार मिश्र

बांग्लादेश की सीमा से लगे राज्यों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार इत्यादि राज्यों की तरह दिल्ली का भी राजनीतिक समीकरण पिछले कुछ सालों में बेहिसाब बदल गया है। इसी का परिणाम है कि चुनाव जीतने के हर तरकीब अपनाने के बावजूद 27 साल बाद पिछले साल फरवरी में हुए विधानसभा चुनाव में करीब तीन फीसदी के अंतर से भाजपा चुनाव जीत पाई। सीटों में काफी अंतर रहा। 70 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा को 48 और दस साल से प्रचंड बहुमत से सरकार में काबिज आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली। यह साबित हो चुका है कि बिहार से सीमांचल में मुस्लिम आबादी इतनी ज्यादा हो गई कि भाजपा की जीत तभी हो पाई जब एआईएआईएम जैसी मुस्लिम पार्टी ने पांच सीटें जीतीं और कई सीटों पर अच्छी संख्या में वोट हासिल पर पाई। यही स्थिति असम में भी पिछले चुनाव में हुई। दिल्ली में 2011 की जनगणना के हिसाब से मुस्लिम आबादी 15 फीसदी हैं। उससे पहले उनका औसत 12 फीसदी था। अब जब भी जनगणना होगी इसमें और बढ़ोतरी होना तय सा है।

आजादी के बाद से दिल्ली की आबादी का अनुपात या यूं कहें तो जातीय समीकरण बदलता रहा है। आजादी के बाद बड़ी संख्या में पाकिस्तान से हिंदू और सिख दिल्ली आए। उनमें कांग्रेस का भी समर्थन करने वालों की संख्या थी लेकिन ज्यादातर जनसंघ (आज की भाजपा) के समर्थक थे। यह मान लिया गया था कि पाकिस्तान से आए विस्थापित, सरकारी कर्मचारी, सवर्ण हिंदू और वैश्य इत्यादि जनसंघ के और दिल्ली देहात के गांव के रहने वाले, पुरानी दिल्ली के मुसलमान और गरीब बस्तियों में रहने वाले कांग्रेस के समर्थक होते हैं। दिल्ली में शुरू से ही रोजगार, कारोबार और पढ़ाई करने के लिए बड़ी संख्या में लोग आते रहा हैं। अपना समर्थन बढ़ाने के लिए कांग्रेस की केन्द्र सरकार ने इमरजेंसी में अनेक पुनर्वास कालोनियां बसाईं और उस इलाके से कांग्रेस लगातार जीतती रही। 1982 के एशियाड खेलों के आयोजन में बड़े पैमाने पर दिल्ली में निर्माण हुए। उसके लिए बाहर से मजदूर आए और फिर बाहर से आने वालों का सिलसिला बढ़ता गया। माना गया कि दिल्ली की स्वाभाविक आबादी में होने वाली बढ़ोतरी के साथ-साथ हर साल करीब पांच साल अतिरिक्त आबादी दिल्ली में जुड़ जाती है। इसी की आड़ में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी दिल्ली में भी घुसपैठ करके वोट और नोट की राजनीति में दिल्ली के नागरिक बनते जा रहे हैं। उन्होंने कई नए इलाकों को मुस्लिम बहुल बना दिया है।

यह आबादी पहले आंख मूंदकर भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस को वोट करती रही। मुस्लिम आबादी के चक्कर में भाजपा के नेता झुग्गी और अनधिकृत कालोनियों में रहने वालों का विरोध करके एक बड़े वर्ग को अपना विरोधी बना लिया। पहले यह वर्ग कांग्रेस के साथ था, आप ने राजनीति ही इन्हीं लोगों को अपने पक्ष में करने से किया। उनका हर तरह से समर्थन करने के साथ-साथ आप ने मुफ्त की रेवड़ियां बांटी। कांग्रेस के नेता छुप-छुपाकर इनका समर्थन करते थे, आआपा के शीर्ष नेता अरविंद केजरीवाल समेत हर नेता इन घुसपैठियों का खुलेआम समर्थन करते हैं। उल्टे-सीधे प्रयासों से आआपा ने कांग्रेस के समर्थक माने जाने वाले कमजोर वर्गों, अल्पसंख्यक और पूर्वांचल(पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड आदि के मूल निवासी) के प्रवासियों को अपना स्थाई वोटर बना लिया। 2013 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली के अल्पसंख्यकों ने गलतफहमी में कांग्रेस के वोट दिया। तब उन्हें लगा कि भाजपा को कांग्रेस हरा रही है। उसके बाद के दोनों विधानसभा चुनावों में इस वर्ग ने आप को वोट किया। आप रिकार्ड सीटों से सत्ता में रही।

आजादी के समय मुस्लिम आबादी पुरानी दिल्ली तक सिमटी हुई थी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया बनने के काफी सालों बाद जामिया के आस-पास के नए और पुराने मोहल्ले मुस्लिम आबादी वाले हुए। बल्कि 2019 में नागरिक संशोधन एक्ट (सीएए) लागू किए जाने के खिलाफ सबसे बड़ा आंदोलन उसी इलाके के शाहीन बाग में 15 दिसंबर, 2019 से 8 फरवरी, 2020 तक चला। उस कानून में पड़ोसी देशों में रहने वाले हिंदू, सिख, बौध, जैन, पारसी और ईसाई को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया था। कहा जा रहा था कि विरोध सीएए लागू होने से ज्यादा यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर(एनआरसी) लागू किए जाने से रोकने के लिए किया गया था। उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहली राज्य बन गया है। इन दोनों को देश भर में कब लागू किया जाएगा कहा नहीं जा सकता है।

दिल्ली में पहले विधानसभा की चार सीटें ऐसी थीं जहां मुस्लिम आबादी 20 फीसदी से ज्यादा थी। पहले मुस्लिम आबादी का औसत दस फीसदी से नीचे थी। 2001 में 12 फीसदी हुआ और 2011 में यह 12 से बढ़कर अब 15 फीसद से ज्यादा हो गई है। नई जनगणना में यह और बढ़ने की संभावना है। 70 में से 17 सीटें ऐसा हैं जहां मुस्लिम मतदाता 20 फीसद से ज्यादा हैं। इनमें सीलमपुर, मटिया महल, बल्लीमरान, ओखला, मुस्तफाबाद, किराड़ी, चांदनी चौक, गांधीनगर, करावल नगर, विकास पुरी, ग्रेटर कैलाश, कस्तूरबा नगर, बाबरपुर, मोतीनगर, मालवीय नगर, सीमापुरी और छत्तरपुर शामिल हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बदले अनुपात के चलते ही अनुसूचित जाति का औसत 18 से घटकर 17 हो गया। इसके चलते अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 13 से घट कर 12 हो गई। दिल्ली के 70 में से 42 सीटों पर पूरबियों (पूवार्चंल के प्रवासी) का वोट 20 फीसद से ज्यादा है। इसके चलते पिछले कई चुनावों से पूरबिए नेताओं को दिल्ली की राजनीति में महत्व मिलने लगा। सबसे पहले बिहार मूल के महाबल मिश्र को कांग्रेस ने पहले विधायक और सांसद का टिकट दिया। उसके बाद भाजपा ने भोजपुरी के लोकप्रिय कलाकार मनोज तिवारी को सांसद और प्रदेश का अध्यक्ष बनाया। 2020 के विधानसभा चुनाव के लिए पहले बिहार मूल के नेता कीर्ति आजाद को प्रदेश अध्यक्ष बनाना तय किया गया।

वे पहले भाजपा के दिल्ली से विधायक और बिहार से सांसद थे। अचानक कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता सुभाष चोपड़ा को अध्यक्ष और आजाद को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बना दिया गया। गुटबाजी में आजाद अलग-थलग हो गए, उन्हें दिल्ली कांग्रेस दफ्तर में नियमित बैठने के लिए कमरा तक नहीं दिया गया। बाद में चुनाव नतीजों के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और तृणमूल कांग्रेस में शामिल होकर लोकसभा के सदस्य बन गए। 2020 के विधानसभा चुनाव के कुछ समय बाद कांग्रेस के पूर्वांचल के सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे पूर्व सांसद महाबल मिश्र भी कांग्रेस छोड़कर आआपा में शामिल हो गए। इस बार आआपा ने उन्हें पश्चिमी दिल्ली से लोक सभा उम्मीदवार बनाया। उनके पुत्र विनय मिश्र पहले से ही आआपा में शामिल होकर विधायक बने। इस बार वे भी पराजित हुए। पुरबिए वोट तो प्रयास करने से कम-ज्यादा भाजपा को मिलते रहे हैं और भविष्य में भी मिलेंगे। उत्तराखंड के प्रवासियों का लगातार समर्थन भाजपा को मिलता रहा है। उसमें कम विभाजन हुआ है। इसके अलावा भाजपा को परंपरागत वोट भी मिलते रहे हैं, अब समीकरण बदल गए हैं और लगातार बदलते जाएंगे। दिल्ली विधानसभा पिछले कई चुनावों में भाजपा केवल इसलिए हार रही थी कि उसके खिलाफ वोट करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। भाजपा के लिए आसान विकल्प तो यह है कि वह असम और बिहार जैसे मजबूत तीसरा विकल्प बनाए जैसा अगले महीने होने वाले चुनाव में भाजपा असम का फामूर्ला पश्चिम बंगाल में आजमाने की कोशिश कर रही है। यह विकल्प स्थाई नहीं हो सकता है। जिस तरह से नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च,2026 तक देश को नक्सल मुक्त करने के अपने वादे को पूरा करके दिखाया, उसी तरह सरकार को देश को तय समय सीमा में विदेशी घुसपैठ से मुक्त करने का संकल्प लेना होगा।

देश की राजधानी दिल्ली इस बार तो हर संभव प्रयास करके भाजपा जीत ली है लेकिन आगे जीतना संभव नहीं होगा। तीन फीसदी का अंतर स्थाई नहीं माना जा सकता है। इस तर्क में कोई दम नहीं है कि कई बार से लगातार दिल्ली की लोकसभा की सभी सीटें भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर जीतती रही है। अगर ऐसा होता तो पहले भी जीत होती। इस विधानसभा चुनाव में भी मिली जीत में एक बड़ा योगदान प्रधानमंत्री का नाम होगा, वोट समीकरण ठीक किए बिना स्थाई जीत संभव नहीं हैं।

सूडोकु नवताल- 7744

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7743 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

वैश्विक ऊर्जा संकट 1970 के दशक से भी भयंकर और भारत!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पश्चिम एशिया में अमेरिकाझइजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को अभूतपूर्व संकट में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल द्वारा दी गई चेतावनी कि यह संकट 1970 के दशक के तेल संकट से भी अधिक गंभीर हो सकता है, वर्तमान स्थिति की भयावहता को रेखांकित करती है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को अस्थिर कर दिया है, जिससे ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता चरम पर पहुंच गई है। इतिहास में पीछे जाएं और 1970 के दशक को देखें तो ध्यान में आता है कि उस दौरान भी तेल संकट मुख्यतः उत्पादन में कटौती और राजनीतिक दबावों के कारण उत्पन्न हुआ था, किंतु उस तुलना में वर्तमान संकट कहीं अधिक जटिल है। इसमें सैन्य संघर्ष, समुद्री मार्गों पर खतरा, साइबर और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई आयाम शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई सख्त चेतावनी कि यदि "होर्मुज जलडमरूमध्य" को नहीं खोला गया तो ईरानी ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जाएगा ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया है।

इसी के समानांतर, इजराइल ने भी अपने सैन्य अभियानों को तेज किया है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। मिसाइल हमलों और जवाबी कार्रवाई ने वैश्विक ऊर्जा प्रवाह को भी बाधित किया है। जबकि ये सर्वविदित है कि "होर्मुज जलडमरूमध्य" विश्व के कुल तेल और गैस परिवहन का लगभग 20 फीसद वहन करता है। इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल। वर्तमान संघर्ष के कारण कई टैंकर इस मार्ग से गुजरने में असमर्थ रहे हैं और सैकड़ों जहाज खाड़ी में लंगर डाले प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस स्थिति के चलते वर्तमान में ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, परिवहन लागत में वृद्धि और वैश्विक मुद्रास्फीति के बढ़ने का भी संकेत लगतार मिल रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) सदस्य देशों ने 40 करोड़ बैरल तेल अपने रणनीतिक भंडार से जारी करने का निर्णय लिया है। यह कदम बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने का प्रयास है, किंतु यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो यह उपाय भी सीमित साबित हो सकता है।

भारत के लिए चुनौती और अवसर

भारत, जोकि अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इस संकट से सीधे प्रभावित होने वाला देश है। फिर भी, इस संकट के दौरान भारत ने जिस प्रकार बहुस्तरीय रणनीति अपनाई है, वह उल्लेखनीय है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कूटनीति, सैन्य तैयारी और आर्थिक प्रबंधन का संतुलित समन्वय प्रस्तुत किया है। जहां कई देश केवल प्रतिक्रिया देते नजर आए, वहीं भारत ने सक्रिय नीति अपनाते हुए संकट को अवसर में बदलने का प्रयास किया।

भारत ने इस पूरे संघर्ष में किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संतुलित कूटनीति अपनाई। ईरान, खाड़ी देशों और पश्चिमी शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखते हुए भारत ने अपने जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित किया। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। साथ ही, वैश्विक मंच पर भारत की छवि एक जिम्मेदार और विश्वसनीय शक्ति के रूप में मजबूत हुई।

भारत ने संकट के शुरूआती चरण में ही अपनी नौसेना को सक्रिय कर दिया। संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में एस्कॉर्ट ऑपरेशन चलाए गए, जिससे भारतीय टैंकरों को सुरक्षित मार्ग मिल सका। "जग लाडकी", "शिवालिक" और "नंदा देवी" जैसे टैंकरों की सुरक्षित वापसी इस रणनीति की सफलता का प्रमाण है। इन जहाजों के माध्यम से कच्चे तेल और एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई, जिससे देश में ऊर्जा संकट टल गया।

एक तरह से देखा जाए तो ऊर्जा संकट के दौरान सबसे बड़ा खतरा आपूर्ति में कमी नहीं, "घबराहट" होता है। भारत ने इसे समझते हुए आपूर्ति प्रबंधन को प्राथमिकता दी। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी, जबकि औद्योगिक उपयोग को नियंत्रित किया गया। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई की गई। परिणामस्वरूप, देश में गैस और ईंधन की व्यापक कमी या सामाजिक असंतोष देखने को नहीं मिला।

कीमत नियंत्रण और आर्थिक संतुलन

वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद भारत ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपेक्षाकृत नियंत्रित रखा। यह संभव हुआ कर नीति, वैकल्पिक स्त्रोतों से आयात और कुशल आपूर्ति प्रबंधन के कारण। इस नीति का सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि महंगाई पर नियंत्रण बना रहा और आर्थिक गतिविधियां बाधित नहीं हुईं। जहां कई देशों में ऊर्जा संकट ने अर्थव्यवस्था को झटका दिया, वहीं भारत अपेक्षाकृत स्थिर बना रहा। यहां उल्लेखित है कि पिछले एक दशक में भारत ने ऊर्जा स्त्रोतों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। रूस, अमेरिका और अन्य देशों से आयात बढ़ाने की नीति ने इस संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका परिणाम यह हुआ कि किसी एक क्षेत्र में संकट आने के बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। यह रणनीति भविष्य के लिए भी ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत आधार तैयार करती है। संकट प्रबंधन में डिजिटल तकनीक का उपयोग भी भारत की सफलता का एक प्रमुख कारण रहा।

दैनिक पंचांग

25 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.03 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.43 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.42 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.11 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.23 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.34 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.48 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.04 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	02.10 बजे से
		कुंभ	03.56 बजे से
		मीन	05.29 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 84 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 13.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 17.34 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 06.02 बजे तदनन्तर सौभाग्य 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 13.51 बजे तदनन्तर विष्टि 00.48 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 5.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872659
जूलियन दिन 2461124.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 05

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

डीईओ ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

बोकारो : कैंप-टू स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थिति तथा विधिक मानकों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के समय अधिकारियों ने ईवीएम की वर्तमान स्थिति, सुरक्षा बंदोबस्त, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, अग्निशमन यंत्र, यूपीएस बैकअप तथा अन्य तकनीकी सुविधाओं की जानकारी प्रस्तुत की। उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक माह ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण अनिवार्य है और मशीनों की सुरक्षा व क्रियाशीलता संबंधी प्रतिवेदन नियमित रूप से मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग, रांची को भेजा जाता है। उपायुक्त ने निर्वाचन कार्यालय को निर्देश दिया कि समुचित प्रतिवेदन तैयार कर समय पर विभाग को प्रेषित किया जाए। इस अवसर पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित थे।

शिक्षा और स्वास्थ्य के संगम पर सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

बोकारो : विद्यालय, स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय सम्मान समारोह का भव्य आयोजन कैंप-2 मोड़ स्थित शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त अजय नाथ झा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार शामिल हुई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं स्वागत संबोधन के साथ हुई। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों से जुड़े शिक्षकों, स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम से संबंधित कर्मियों तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सभी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि विद्यालय, स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि इनके प्रयास से बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और शिक्षा का स्तर भी बेहतर हो रहा है। उन्होंने सभी सम्मानित सदस्यों को शुभकामनाएं दिए तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी किए।

महापर्व चैती छठ पूजा को लेकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया

बोकारो : बोकारो में नेम निष्ठा का महापर्व चैती छठ पूजा को लेकर आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। इस दौरान बोकारो के विभिन्न जलाशयों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालु सुप, दौरा और फल के साथ साथ पूजन सामग्रियां लेकर घाट पर पहुंचे जहां व्रती पानी में उतरकर भगवान भास्कर से प्रार्थना करने के बाद श्रद्धालुओं द्वारा डूबते हुए अर्घ्य दिया गया। 36 घंटे से चला आ रहा निर्जला उपवास का आज तीसरा दिन है और कल उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिनों से चला आ रहा महापर्व छठ का समापन हो जाएगा। बोकारो के बेरमो, चंद्रपुरा, चंदनक्यारी सहित सिटी इलाके में इस महापर्व को बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया जा रहा है जहां लोगों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

कोयला मंत्री को रैयतों ने सौंपा मांग पत्र, विस्थापन नौकरी और मुआवजे को लेकर उठाई आवाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री भारत सरकार जी. किशन रेड्डी से राज्यसभा सांसद सह झारखंड प्रदेश जेडीयू अध्यक्ष खीरू महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर रैयतों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड अंतर्गत मौजा हुरदाग, पचमो, रहावन, बघरेया तथा रामगढ़ जिला अंतर्गत मौजा पचण्डा एवं कोतरे बसन्तपुर के रैयतों की ओर से मांग पत्र सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल में बोकारो जिला जेडीयू अध्यक्ष प्रदीप महतो, जिला सचिव प्रवीण कुमार, डोमन महतो, लाल देव महतो, प्रमोद कुमार, सीताराम महतो, लालमणि प्रसाद, आकाश करमाली सहित अन्य लोग उपस्थित थे। मांग पत्र में बताया गया कि पचमो कोल परियोजना एवं कोयला सम्प्रेषण के लिए केदला-बसन्तपुर वासरी से दनिया रेलवे लाइन निर्माण हेतु लगभग 46 वर्ष पूर्व इन गांवों की कृषि एवं आवासीय भूमि अधिग्रहित की गई थी। वर्तमान में खनन कार्य शुरू होने से इन गांवों के पूर्ण रूप से विस्थापित होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। इससे यहां रहने वाले किसान, हरिजन, आदिवासी एवं पिछड़ी जाति के लोगों के समक्ष आजीविका का संकट गहरा गया है।प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि अधिकांश रैयतों के पास सीमित जमीन है, जिससे वे सीसीएल में नौकरी के लिए निर्धारित मानकों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। वहीं एमओयू के बाद आउटसोर्सिंग कंपनी केवीपी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को खनन की अनुमति दी गई और मार्च-अप्रैल 2025 से कार्य शुरू हो चुका है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश और भय का माहौल है। रैयतों ने मंत्री के समक्ष पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन, सभी प्रभावित परिवारों को नियोजन, एमडीओ में वैकल्पिक रोजगार, उचित मुआवजा तथा पूर्व में किए गए वादों को लागू करने की मांग रखी। इसके अलावा सीएसआर एवं डीएमएफटी मद से विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने, खनन से हो रहे पर्यावरण प्रदूषण पर रोक लगाने तथा ग्रामीणों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। विस्थापित गांवों की महिला समूहों को रोजगार से जोड़ने, बेरोजगार युवकों के लिए सहकारी समिति बनाकर परिवहन एवं ठेका कार्यों में 75 प्रतिशत आरक्षण देने की भी मांग उठाई गई। रैयतों ने यह भी आरोप लगाया कि सीसीएल एवं एमडीओ प्रबंधन के साथ कई बार वार्ता होने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, जिससे वे ठगा महसूस कर रहे हैं। साथ ही यह मांग भी की गई कि अधिग्रहित भूमि के बदले एकमुश्त नौकरी देने के वादे को लागू किया जाए। मांग पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि 45 वर्ष पूर्व बहुत कम दर (लगभग 1400 रुपये प्रति एकड़) पर मुआवजा दिया गया था। न्यायालय द्वारा निर्धारित बढ़ी हुई दर से शेष रैयतों को भी भुगतान किया जाए।

बीजीएच में नर्सिंग छात्राओं का नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता का दिया सशक्त संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : आगामी रामनवमी पर्व को लेकर पुलिस अधीक्षक महोदय ने रामनवमी जुलूस गुजरने वाले मार्ग तथा सुरक्षा हेतु चिन्हित पोस्टों का निरक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक महोदय, ने संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं किसी भी प्रकार की अफवाहों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने आमजनों से अपील की कि वे आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखते हुए पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। जिला पुलिस द्वारा पर्व के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है, ताकि सभी लोग सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार का आनंद ले सके। उन्होंने क्षेत्र में सतर्कता के साथ विशेष निगरानी बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

बोकारो में निवेदन समिति की सख्ती : जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड विधानसभा की निवेदन समिति का बोकारो भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस पहुंची। जहां जिले के अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित मामलो एवं आमजन से प्राप्त निवेदनों से संबंधित बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के माननीय सभापति सह विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक द्वारा की गई। इसमें, समिति ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त जन-समस्याओं और विधायकों द्वारा समर्पित निवेदनों पर बिंदुवार चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन के लिए कड़े निर्देश दिए गए। मौके पर सदस्य सह विधायक बगोदर नगेन्द्र महतो, सदस्य सह मांडू विधायक निर्मल महतो, अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, निदेशक डीपीएलआर मेनका, प्रशिक्षु वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं विभिन्न पीएसयू के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में समिति ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त जन-समस्याओं एवं विधायकों द्वारा दिए गए निवेदनों पर बिंदुवार चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान समिति के माननीय सभापति सह विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त निवेदनों का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, जिन मामलों में लापरवाही पाई गई, वहां संबंधित विभागों को जवाबदेही तय करने का भी निर्देश दिया गया। निवेदन समिति ने विशेष रूप से जनहित से जुड़े मुद्दों जैसे पेयजल, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने को कहा। बैठक में यह भी जोर दिया गया कि आम लोगों की समस्याओं का समाधान ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सिमडेगा में स्वास्थ्य आरोग्य दूत व साथिया सम्मान समारोह, किशोर स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नगर भवन, सिमडेगा में स्वास्थ्य आरोग्य दूत एवं साथिया कार्यक्रम के अंतर्गएक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह, उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, सिविल सर्जन डॉ. सुन्दर मोहन सामद, स्टेट सलाहकार सुभ्रा सिंह तथा चयनित साथिया विद्यार्थियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राएं, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, एएनएम, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। समारोह में स्वास्थ्य आरोग्य दूत एवं साथिया के रूप में चयनित विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में कई युवा दिन के 17-18 घंटे मोबाइल और रील्स में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनका ध्यान पढ़ाई, करियर, स्वास्थ्य और पारिवारिक जिम्मेदारियों से हट जाता है। उन्होंने युवाओं को सोशल मीडिया का सीमित और सकारात्मक उपयोग करने तथा अपने समय का प्रभावी प्रबंधन करने की सलाह दी। उन्होंने आगे जेंडर आधारित हिंसा एवं नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने प्रतिभागियों से संवाद के दौरान पूछा कि क्या वे किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो नशा करता है, जिस पर बड़ी संख्या में लोगों ने हाथ उठाया। किंतु जब यह पूछा गया कि क्या उन्होंने ऐसे लोगों को समझाने का प्रयास किया है।

बीएसएल में सुरक्षा जागरूकता हेतु विशाल मानव श्रृंखला का निर्माण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त के मार्गदर्शन में दिनांक 24 मार्च 2026 को संयंत्र परिसर में सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशाल मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। यह श्रृंखला प्लांट प्लाजा रोड पर सीआरएम-III विभाग से आरंभ होकर प्लांट प्लाजा गोलचक्कर तक बनाई गई, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुरक्षा के प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों के बीच सुरक्षा के प्रति सजगता बढ़ाना और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करना था। इस व्यापक सुरक्षा अभियान में संयंत्र के विभिन्न उत्पादन एवं सेवा विभागों के साथ-साथ प्रोजेक्ट्स विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आयोजन के दौरान संयंत्र के विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ सभी विभागीय सुरक्षा अधिकारी (डीएसओ) तथा सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मानव श्रृंखला में शामिल होकर सड़क सुरक्षा और कार्यस्थल पर निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुपालन की शपथ ली। प्रतिभागियों ने इस सामूहिक गतिविधि के माध्यम से यह संदेश दिया कि सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे प्रत्येक कार्मिक को अपनी दैनिक कार्यशैली में आत्मसात

लोगों के दिलों को आपस में जोड़ने का जरिया है कव्वाली कार्यक्रम : जोसिमा खाखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : शहर के इस्लामपुर मुहल्ले में कव्वाली प्रोग्राम शुरू। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रुप मे उपस्थित महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसीमा खाखा, विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित नगर परिषद उपाध्यक्ष दीपक रिंकु ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत आयोजन कमेटी के द्वारा बुके देकर किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि जोसिमा खाखा ने कहा कि सिमडेगा की धरती सच में आपसी भाईचारे की मिसाल है। इस्लामपुर की यह महफिल सिर्फ गाना-बजाना नहीं बल्कि दिलों को जोड़ने का जरिया है। हमारी असली ताकत हमारी एकता है। उन्होंने युवाओं से मोबाइल की दुनिया से बाहर निकलकर सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी निभाने और महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने विधायक भूषण बाड़ा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा बिना भेदभाव के हर वर्ग के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को मुस्लिम बहुल इलाकों में प्राथमिकता देना विधायक की दूरगामी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे विधायक मिले हैं जो हर समाज को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। शिक्षा, एकता और विकास ही उनकी असली पहचान है। मौके पर उत्तर प्रदेश से आए मशहूर कव्वाल कौसर जानी और उनकी टीम ने अपनी मखमली आवाज से समां बांध दिया। उन्होंने जब अपनी मशहूर कव्वाली भर दे झोली या मोहम्मद और हिंदू-मुस्लिम एकता पर आधारित कलाम पेश किए तो तालियों की गड़गड़ाहट से कार्यक्रम स्थल गूंज उठा।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भरत प्रसाद के अलावे जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष कुमार सिंह, वार्ड पार्षद रोसा केरकेट्टा, वार्ड पार्षद मनोज अग्रवाल उर्फ खट्टू भाई, वार्ड पार्षद आईसा खातून, वार्ड पार्षद मो वसीम, विधायक प्रतिनिधि शकील अहमद, अख्तर खान, इम्तियाज हुसैन, अजीमुल्ला अंसारी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में अक्षन खान सहित समिति के सभी सदस्यों की अहम भूमिका रही। नप उपाध्यक्ष दीपक रिंकू ने गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिमडेगा की खूबसूरती यहाँ के लोगों का आपसी प्रेम और भाईचारा है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि यहाँ के सौहार्द को किसी की नजर न लगे और पूर्वजों द्वारा स्थापित यह प्रेम की परंपरा कयामत तक बनी रहे।

संक्षिप्त खबरें

वेदांता लिमिटेड ने 85 मिलियन घन मीटर जल का पुनर्चक्रण कर रचा रिकॉर्ड

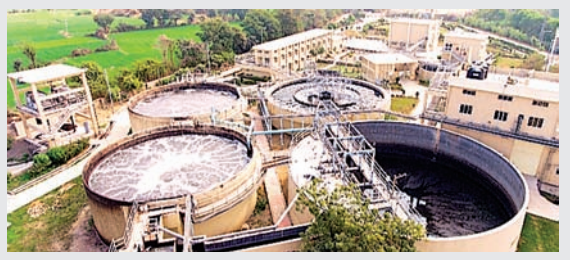

बोकारो : विश्व जल दिवस के अवसर पर, वेदांता लिमिटेड, भारत की अग्रणी प्राकृतिक संसाधन कंपनी, ने घोषणा की कि उसने वित्त वर्ष 2026 (फरवरी तक) में अपने विभिन्न परिचालनों में 85 मिलियन घन मीटर से अधिक जल का पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग किया है। यह मात्रा 34,000 से अधिक ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल के बराबर है। वैश्विक स्तर पर 2030 तक संभावित 40प्रतिशत जल संकट की चेतावनी के बीच, वेदांता एक मजबूत, टिकाऊ और तकनीक-आधारित जल प्रबंधन ढांचा विकसित कर रहा है। कंपनी का जल सकारात्मकता सूचकांक 0.63 है, जो इसके जिम्मेदार जल प्रबंधन दृष्टिकोण को दर्शाता है। वेदांता की जल प्रबंधन रणनीति तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है: **रिसाइकिल :** उपचारित जल का पुनः उपयोग कर फ्रेशवॉटर पर निर्भरता कम करना। **संरक्षण :** प्रक्रियागत सुधारों के माध्यम से जल खपत में कमी **पुनर्भरण :** वाटरशेड विकास और भूजल रिचार्ज के माध्यम से जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना कंपनी ने अपने परिचालनों में 31 प्रतिशत जल पुनर्चक्रण दर हासिल की है, जो जल-गहन उद्योगों में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। साथ ही, वेदांता ने विभिन्न जल संरक्षण एवं भूजल रिचार्ज परियोजनाओं के माध्यम से 7 मिलियन घन मीटर से अधिक जल का संरक्षण/पुनर्भरण किया है।

बजार समिति के सचिव को सुरक्षा के लिए मोटी रकम दी जाती है लेकिन सुरक्षा भगवान भरोसे

बोकारा : बोकारो के सबसे बड़े मंडी से चोरो ने उड़ा लिया 40 हजार मूल्य का तेल। सुरक्षा पर उठा सवाल। व्यापारियों में देखी गई नाराजगी। दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने तेल के पेटियों को उड़ा लिया। दुकानदार सुबह दुकान खोलने पर पता चला। मौके पर पहुंची चास थाना पुलिस। जांच में जुटी। पूरी घटना के बारे में बताते चले कि बोकारो जिले का सबसे बड़ा खाद्य मंडी चास के आईटीआई मोड स्थित कृषि बाजार में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उस समय सवाल उठ गया जब खाद्य तेल का व्यापार करनेवाले अनिल गोयल के गोदाम से चोरों ने दुकान के किवाड़ी का ताला तोड़कर 40 हजार मूल्य के खाद्य तेल पर हांथ साफ कर दिया। व्यापारी अनिल गोयल जब दुकान पर पहुंचा और दुकान के किवाड़ी का ताला टूटा हुआ पाया तो भौचक्के रह गया उन्हें अंदेशा हो गया कि दुकान में चोरी की घटना घटी। उन्होंने दुकान के स्टॉक में रखे तेल का मिलान करने लगा तो कई पेटी तेल का गायब मिला। उन्होंने कहा कि करीब 40 हजार मूल्य के तेल पर चोरों ने हाथ साफ किया है और इस घटना को अंजाम देने के समय तीन पहिया वाहन का स्तेमाल किया होगा क्योंकि इतनी भारी मात्रा में एक चोरी कर उसे ले जाना पड़ा होगा। उन्होंने इतने बड़े बाजार की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए कहा कि हर महीने बाजार समिति के सचिव को सुरक्षा के लिए मोटी रकम दी जाती है लेकिन सुरक्षा भगवान भरोसे है। उन्होंने कहा कि सरकार को हम सभी व्यापारी ऋळ के तौर पर करोड़ों का टैक्स देते है लेकिन सुरक्षा हमे नहीं मिलती है। पुलिस पेट्रोलिंग पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कभी कभी पुलिस की गाड़ी दिख जाती है। बताते चले कि बोकारो जिले का ये सबसे बड़ा मंडी है जहां करोड़ों का व्यापार होता है और पूरे जिले को चास स्थित इस कृषि बाजार से खाद्य सामग्री की सप्लाई होती है।

मां वनदुर्गा वासंतिक चैती नवरात्र पर भव्य महाआरती का हुआ आयोजन

सिमडेगा : शक्तिपीठ आस्था का केंद्र मां वनदुर्गा मंदिर में मां श्री वनदुर्गा वासंतिक चैती नवरात्र महोत्सव सह धार्मिक मेला के शुभ अवसर पर चैत्र शुक्ल पंचमी तिथि पर स्कंदमाता की विशेष पूजन अर्चन के साथ महाआरती ज्योतिष आचार्य संजय मिश्रा के नेतृत्व में आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुरोहित परमेश्वर पांडा अजय कुमार झा पारसमणी दास त्रिलोचन दास शशि भूषण दास पुरुषोत्तम दास बद्रीनारायण पांडे मुख्य रूप से आरती महाआरती गायन किया गया। महाआरती के पश्चात पुष्पर्जन कर आरती लिया गया। वहीं भक्तों के बीच महाप्रसाद एवं मलाई सैंडविच मंदिर सेवादार रौतिया बंधु की ओर से भोग वितरण किया गया। तथा महिलाओं के बीच सुहाग सुहाग सामग्री पुरुष वर्गों को अष्टगंध चंदन एवं बहनों को चुनरी वितरण किया गया। महाआरती को सफल बनाने में मां वनदुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष श्रीमान जहूरण रौतिया सचिव जगरनाथ रौतिया अरुण रौतिया हरिराम रौतिया कलिंदर रौतिया केसरी रौतीया रूपलाल रौतिया बलराम रौतिया गजेंद्र रौतिया भोंदा रौतिया शंकर रौतिया देवकी उर्मिला रौतिया जानकी रौतिया पद्मिनी रौतिया कैलाश रौतिया शशि कुमार नीलांबर महतो और रौतिया बंधु मालसाड़ा ग्राम वासी का सहयोग रहा। इस महाआरती के शुभ अवसर पर हजारों झारखंड उड़ीसा छत्तीसगढ़ बंगाल बिहार के भी भक्तजन उपस्थित रहे। वही बताया गया 24 मार्च 2026 दिन मंगलवार को रात्रि 9:00 बजे से रंगारंग नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम चंचल म्यूजिकल एवं कुंती ग्रुप द्वारा किया जाएगा। इसकी भी पूरी तैयारी कर ली गई है। समिति की ओर से ज्योतिष आचार्य संजय मिश्रा योगदान को सराहनीय दिया।

रामनवमी को लेकर पुलिस अधीक्षक ने जुलूस मार्ग और संवेदनशील स्थलों का किया निरीक्षण

सिमडेगा : आगामी रामनवमी पर्व को लेकर पुलिस अधीक्षक महोदय ने रामनवमी जुलूस गुजरने वाले मार्ग तथा सुरक्षा हेतु चिन्हित पोस्टों का निरक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक महोदय, ने संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं किसी भी प्रकार की अफवाहों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने आमजनों से अपील की कि वे आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखते हुए पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। जिला पुलिस द्वारा पर्व के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है, ताकि सभी लोग सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार का आनंद ले सके। उन्होंने क्षेत्र में सतर्कता के साथ विशेष निगरानी बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

एक नजर

जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव को लेकर एक भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं

साहिबगंज : जिला अधिवक्ता संघ साहिबगंज का वर्ष 2026 से 2028 तक के लिए चुनाव को लेकर आज नाम वापसी के दिन एक भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया। अब अध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबला ललित स्वदेशी, संजय कुमार जायसवाल एवं मुन्नीलाल मंडल के बीच होगा। उपाध्यक्ष पद पर गौतम प्रसाद सिंह, बालकृष्ण पासवान एवं अशोक कुमार यादव के बीच मुकाबला होगा। जबकि सचिव पद के लिए विजय कुमार कर्ण एवं भानु प्रताप सिंह के बीच सीधा मुकाबला होना तय है। संयुक्त सचिव के दो पद के लिए देवेंद्र कुमार चौधरी, राज कुमार, लाल बाबू यादव, सरदार आनंद गोपाल सिंह एवं अरविंद कुमार राय के बीच मुकाबला होगा। कोषाध्यक्ष के लिए दिलीप कुमार झा एवं सह कोषाध्यक्ष के लिए सुजीत कुमार मंडल को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। जिसे निर्विरोध चुना जा चुका है। जबकि कार्यकारिणी के पांच पद के जयप्रकाश रविदास, पावेंद्र, रितेश कुमार, मोहम्मद वसीम, बदरुद्दीन अंसारी, सुजाता सोरेन, सुभाष कुमार गुप्ता एवं मानव कुमार पासवान अपना भाग्य आजमा रहे हैं। चुनाव 28 मार्च को सुबह से होगी और उसी दिन मत पत्र की गिनती के बाद परिणाम घोषित किया जाएगा। चुनाव को लेकर प्रत्याशी घर घर जाकर अपने पक्ष में मतदान का आग्रह कर रहे है।

पुलिस ने तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: मुफ्फसिल पुलिस ने तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-35/26, दिनांक 24/03/26, धारा 87/3(5) बीएनएस के प्राथमिक अभियुक्त राहुल कुमार पासवान पिता स्वर्गीय मनोज पासवान उर्फ तपेश्वर पासवान, जितेंद्र पासवान पिता दिलीप पासवान, दोनों का साकिन छोटी कोदरर्जन्ना, व अंकित कुमार पिता अमिताभ कुमार मंडल, साकिन बड़ी कोदरर्जन्ना, तीनों का थाना मुफ्फसिल, जिला साहिबगंज, को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया।

थाना पुलिस ने गौ तस्करी मामले में वाहन मालिक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में पशु क्रूरता से जुड़े एक मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल। मिली जानकारी के अनुसार, तीनपहाड़ थाना कांड संख्या 16/26 (दिनांक 21 मार्च 2026) के तहत दर्ज मामले में पुलिस ने वाहन मालिक शिवम कुमार (उम्र 31 वर्ष) को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी शिवम कुमार, पिता स्वर्गीय कोको मंडल, निवासी पुरैनीया, थाना धोरैया, जिला बांका (बिहार) के रहने वाले हैं। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281/317(5)/3(5), पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम की धारा 11 तथा झारखंड गौवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम की धारा 5/12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

डीसी की समीक्षा बैठक, राजस्व वसूली और विकास कार्यों पर सख्त निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत राजस्व विभाग, आपदा प्रबंधन तथा भू-अर्जन विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं/कार्यों की मासिक समीक्षात्मक बैठक डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध राजस्व प्राप्ति एवं कार्य प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक की शुरूआत में वाणिज्य कर विभाग द्वारा वार्षिक लक्ष्य 9051.00 लाख के विरुद्ध 8646.16 लाख रुपये (81.01%) राजस्व प्राप्ति की जानकारी दी गई। उत्पाद विभाग ने 7637.83 लाख रुपये की वसूली कर 112.32% लक्ष्य प्राप्त किया। परिवहन विभाग ने 2591.38 लाख रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 90.87% राजस्व वसूली कर किया। मोटर यान निरीक्षक विभाग ने 231.60 लाख रुपये की वसूली कर 45.69% लक्ष्य प्राप्त किया। नगर निकायों में साहिबगंज नगर परिषद ने अपने वार्षिक लक्ष्य 847.86 लाख के विरुद्ध 313.84 लाख रुपये तथा राजमहल नगर पंचायत ने 109.47% राजस्व वसूली की। मापतौल विभाग द्वारा 64.43%, मत्स्य विभाग द्वारा 90.89% तथा विद्युत बोर्ड द्वारा 10800.00 लाख रुपये की वसूली कर 101.24% लक्ष्य प्राप्त किया गया। बैठक के दौरान अक्टूबर माह में भू-सेस, भू-लगान, दाखिल-खारिज, परिशोधन, जीएम लैंड सम्मरू एवं भूमि अधियाचना से संबंधित मामलों की भी गहन समीक्षा की गई। डीसी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व संग्रहण से जुड़ी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुँच सके।इसके उपरांत पूर्व तैयारी/आपदा प्रबंधन अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं भू-अर्जन विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं/कार्यों की भी समीक्षा की गई। डीसी ने पिछले बैठक में दिए गए निदेशों के आलोक में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। विशेष रूप से एनएचआई फेज-02 के भूमि अधिग्रहण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि इस योजना से जिले के विकास को गति मिलेगी, अतः सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें।बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अमर जॉन आईन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला भू अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला मत्स्य पदाधिकारी विरेन्द्र विन्हा, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी समेत कार्यकारी एजेंसी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अमड़ापाड़ा में रक्तदान शिविर, 14 लोगों ने किया रक्तदान

अमड़ापाड़ा : जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा संचालित प्रोजेक्ट जागृति के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अमड़ापाड़ा में मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 14 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई और ह्लरक्तदान महादान हैह्व का संदेश दिया। रक्तदान शिविर में स्थानीय युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं कर्मियों की देखरेख में रक्त संग्रह की प्रक्रिया सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराई गई। इस अवसर पर अमड़ापाड़ा सीएचसी प्रभारी डॉ. खालिद अहमद ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है और यह समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण सेवा है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील भी की। शिविर के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि ऐसे आयोजन आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए इसके लाभों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया और भविष्य में भी इसी तरह बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया गया।

चौकीदार ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी, योगदान के साथ किया रक्तदान

पाकुड़ : ज़िले के अंचल कार्यालय, पाकुड़ में एक नव-नियुक्त चौकीदार ने अपने कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही सामाजिक सरोकार का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। यह प्रेरणादायक पहल उपायुक्त मनीष कुमार के प्रोजेक्ट जागृति अभियान से प्रेरित होकर की गई, जिसके तहत जिले में नियमित रूप से रक्तदान को बढ़ावा दिया जा रहा है। योगदान के उपरांत संबंधित चौकीदार ने रक्त अधिकोष में रक्तदान कर मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। इस सराहनीय कार्य पर उपायुक्त ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक प्रेरक पहल है, जो समाज के अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करेगी। उपायुक्त ने कहा, "जब कोई व्यक्ति अपने जीवन की नई शुरूआत के साथ समाज कल्याण के लिए रक्तदान करता है, तो यह कार्य जीवनभर यादगार बन जाता है। रक्तदान के माध्यम से हम किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर उपायुक्त द्वारा रक्तदान करने वाले चौकीदार को प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंचलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस पहल की सराहना की। वहीं उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील किया कि वे भी आगे आकर रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें तथा समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बासलोई नदी तट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य के साथ चैती छठ का समापन

अमड़ापाड़ा: जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र में चार दिवसीय आस्था के महापर्व चैती छठ का समापन बासलोई नदी तट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने नदी तट पर एकत्र होकर भगवान सूर्य की आराधना की। शाम के समय जैसे ही सूर्य अस्ताचल की ओर बढ़ा, व्रतियों ने कमर तक पानी में खड़े होकर पूरी श्रद्धा के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। घाटों पर पारंपरिक गीत, पूजा-अर्चना और दीपों की रोशनी से वातावरण भक्तिमय हो उठा। छठ पर्व की पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान सूर्य और षष्ठी माता की पूजा करने से संतान सुख, आरोग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि षष्ठी माता को सूर्य देव की बहन माना जाता है, जिनकी आराधना से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार कर्ण प्रतिदिन सूर्य देव की उपासना करते थे और जल में खड़े होकर अर्घ्य देते थे। वहीं द्रौपदी द्वारा भी छठ व्रत करने का उल्लेख मिलता है, जिससे पांडवों को कष्टों से मुक्ति मिली थी। इसके अलावा रामायण काल में भी सीता द्वारा भगवान सूर्य की उपासना किए जाने की मान्यता है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में नहाय-खाय, खरना और संध्या अर्घ्य के बाद अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का पारण किया जाएगा। व्रतियों द्वारा कठोर नियमों का पालन करते हुए निर्जला उपवास रखा जाता है, जो इस पर्व की विशेषता है। स्थानीय कमिटी की ओर से घाटों पर साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। पूरे अमड़ापाड़ा क्षेत्र में छठ पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा और बासलोई नदी तट पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।

चैती नवरात्र को लेकर बोरियो में माहौल हुआ भक्तिमय

साहिबगंज: जिले के बोरियो प्रखंड में चैत्र नवरात्र को लेकर प्रखंड का माहौल भक्तिमय हो गया है। चारो ओर दुर्गा सप्तमी के पाठ से मंदिर प्रांगण सहित पुरे प्रखंड का माहौल भक्तिमय हो गया है। चैती दुर्गा मंदिर में मंगलवार को षष्ठी पूजा हुई। बुधवार को महासप्तमी पूजा से देवी के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगें। बुधवार को महासप्तमी पूजा पर मंदिर प्रांगण से मोरंग नदी तक वारि कलश यात्रा सुबह छह बजे से निकाली जाएगी। पूजा को लेकर काफी उत्साह है। चैती दुर्गा पूजा को सफल बनाने में पूजा समिति के प्रभु साह, बमबम साह, रंजीत साह रोहित साह, आशीष कुमार, संरक्षक ओम भगत, शंभू भगत, दीना नाथ साह, प्रधान पुजारी सुबोध पाण्डेय आदि लगे हुए हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष के समर्थन में आई महिला, थाना में दर्ज कराया बयान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव पर लगाया गए आरोप को महिला ने खारिज कर दिया है। मंगलवार सुबह अपनी बात करने जिरवाबड़ी थाना पहुंची। महिला ने मीडिया से बातचीत के दौरान इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि मेरे पति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह इससे पहले भी मुझ पर विभिन्न प्रकार के इल्जाम लगाते रहे हैं। कुछ दिन पूर्व हमारा उनसे तलाक हो चुका है। तलाक मुस्लिम पर्सनल लॉ के हिसाब से हुआ है। मतलब के तीन तलाक के आधार पर मुझे तलाक दी गई है। महिला का कहना है कि तलाक के बाद भी मेरे पति मुझे बदनाम करने के लिए कई तरह के आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि गौतम यादव पर लगाए गए आरोपी बिल्कुल बेबुनियाद है। बल्कि मेरे पति उसके कर्ज के पैसे नहीं लौटना चाहते हैं। इसलिए उन पर उनको बदनाम करना चाह रहे हैं। महिला ने बताया कि सोमवार को अपना इलाज करने पश्चिम बंगाल के हावड़ा नारायणा में गई थी। उसके साथ कोई नहीं था महिला ने यह भी कहा कि उसने रिजर्वेशन की टिकट भी नहीं बनाए थे। इसी बीच दोपहर में उसे मदन साहब के चाचा के द्वारा खबर मिली के उसके पति मोहसिन मियां ने उन दोनों के भाग जाने का आरोप लगाते हुए थाना में शिकायत की है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया की महिला को नोटिस देकर थाना बुलाया गया था। महिला पुलिस की मौजूदगी में उनसे उनका पक्ष जाना गया है।

चुनाव तैयारी तेज, हिरणपुर बैठक में बूथ मजबूती पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : आगामी चुनाव को लेकर संगठन को धार देने की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में जिले के हिरणपुर में आयोजित एक अहम बैठक में झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी का कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। बैठक में उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए साफ कहा कि चुनाव का असली रणक्षेत्र पोलिंग बूथ होता है और "बूथ मजबूत तो जीत पक्की"। उन्होंने कार्यकताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बूथ कमिटी सक्रिय नहीं रही, तो संगठन पर "जंग" लगना तय है। साथ ही उन्होंने हर महीने के अंतिम रविवार को मन की बात सुनने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम के माध्यम से देशहित के मुद्दों पर चर्चा करते हैं, जिससे कार्यकताओं को नई दिशा और ऊर्जा मिलती है। बैठक में वोटर लिस्ट के शुद्धिकरण अभियान पर भी विशेष जोर दिया गया। नेताओं ने कहा कि मृत व्यक्तियों के नाम हटाना, स्थानांतरित मतदाताओं का नाम हटाना और एक व्यक्ति के कई जगह दर्ज नामों को ठीक करना बेहद जरूरी है, ताकि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और सशक्त बन सके। इस दौरान लिट्टीपाड़ा क्षेत्र के पूर्व विधायक दिनेश मरांडी ने वर्तमान झारखंड सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में आदिवासियों की घटती संख्या चिंता का विषय है। वहीं बाबूलाल मरांडी ने संथाल परगना क्षेत्र में बालू खनन, कोयला और पत्थर की अवैध गतिविधियों को लेकर सरकार पर "मौन सहमति" का आरोप लगाया। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार पर भी तीखा हमला बोला।

किशोरों को सुरक्षा व अधिकारों की दी गई जानकारी पाडेरकोला में क्षमतावर्धन कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड के पाडेरकोला पंचायत भवन में झारखण्ड विकास परिषद एवं एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा के संयुक्त तत्वावधान में "सुरक्षित बचपन के लिए दामिन पहल परियोजना" के तहत किशोर समूह का क्षमतावर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोर एवं किशोरियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े विषयों पर सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा, नई दिल्ली की कार्यक्रम प्रबंधक प्रजींता बोहरा, हेमा चक्रवर्ती, परियोजना समन्वयक मनोरंजन सिंह तथा किशोर समूह के प्रतिनिधियों- सबरीया मराण्डी, रोनिका टुडू, सोनामुनी टूडू, तरेसा हांसदा, बाहा हांसदा, समीर टूडू, चाँद हेम्ब्रम एवं सुचिता किस्कू-द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक प्रजींता बोहरा ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्थानों की पहचान, बच्चों के अधिकारों और उनके संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। वहीं, हेमा चक्रवर्ती ने बच्चों के कानूनी अधिकार, मानव तस्करी तथा यौन शोषण से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। परियोजना समन्वयक मनोरंजन सिंह ने अपने संबोधन में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए इसके रोकथाम के लिए सामुदायिक जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने किशोरों को जागरूक नागरिक बनकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

रामनवमी पर्व को ले खाद्य सुरक्षा विभाग सख्त, दुकानों का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में रामनवमी पर्व के मद्देनजर आमजनों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार व पणन सचिव संजय कच्छप द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किराना दुकानों, मिठाई दुकानों एवं जलेबी दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी दुकानदारों को उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, मिठाई एवं मसालों की ही बिक्री सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया गया। जांच के क्रम में भगतपाड़ा स्थित एक राजस्थानी जलेबी दुकान में अखाद्य रंग का उपयोग पाया गया, जिस पर संबंधित दुकानदार को कड़ी चेतावनी देते हुए नोटिस जारी किया गया। वहीं, हाटपाड़ा एवं हरिणडांगा बाजार स्थित किराना दुकानों से सरसों तेल के कुल चार नमूने लिए गए, जबकि दीदी कैफे से भी एक नमूना संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया। हरिणडांगा बाजार स्थित जाय बंगला मिठाई दुकान की साफ- सफाई संतोषजनक पाई गई, वहीं कृष्ण स्वीट्स में पनीर प्रथम दृष्टया गुणवत्ता के अनुरूप पाया गया। इसके अतिरिक्त दीदी कैफे का साफ -सफाई स्तर भी संतोषजनक पाया गया। रेल फाटक न्यू मार्केट स्थित एक किराना दुकान में एक्सपायर्ड नीमकी पाए जाने पर उसे मौके पर ही नष्ट कराते हुए दुकानदार को कड़ी चेतावनी दी गई। वहीं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन नहीं करने वाले खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध FSS Act 2006 की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टीबी उन्मूलन की दिशा में बड़ी पहल, पोषण किट वितरण के लिए सीएसआर टीम सम्मानित

- विश्व टीबी दिवसः जितपुर खनन परियोजना की पहल को मिला सम्मान
- दोहरा गौरवः जिला स्तर पर उपायुक्त और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य मंत्री ने सराहा 'निश्चय मित्र' का जज्बा।
- संकल्पः स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास के लिए संगठन की प्रतिबद्धता, टीबी मुक्त भारत में निभाई भागीदारी।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : विश्व टीबी दिवस के अवसर पर मंगलवार को आयोजित जिला एवं राज्य स्तरीय समारोह में टीबी मरीजों की सेवा और सहायता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान "निश्चय मित्र" योजना के तहत टीबी रोगियों को न्यूट्रिशनल किट उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जितपुर खनन परियोजना की सीएसआर टीम को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। परियोजना के तहत अब तक 86 टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान किया गया है। ये सभी मरीज सुंदर पहाड़ी प्रखंड के विभिन्न 10 ग्रामीण क्षेत्रों के रहने वाले हैं।

जिला स्तर पर उपायुक्त ने सराहा

गोड्डा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त अंजली यादव ने टीम के सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने संगठन द्वारा मरीजों को दिए जा रहे पोषण सहयोग को उपचार प्रक्रिया के लिए संजीवनी बताया। जितपुर खनन परियोजना की सीएसआर टीम की ओर से सदानंद सिंह ने उपायुक्त के हाथों प्रशंसा पत्र ग्रहण किया।

राज्य स्तर पर स्वास्थ्य मंत्री ने किया सम्मानित

जितपुर खनन परियोजना की इस सामाजिक पहल की गूंज राजधानी रांची तक सुनाई दी। राज्य स्तरीय समारोह में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने परियोजना के प्रयासों को सराहा। इस गौरवशाली क्षण में खनन परियोजना के महाप्रबंधक रितेश कुमार तिवारी और संतोष कुमार ने सीएसआर टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए सम्मान प्राप्त किया।

उपचार को मजबूती दे रहा है 'पोषण'

उल्लेखनीय है कि टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए "निश्चय मित्र" की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। परियोजना की ओर से वितरित किए जा रहे पोषण किट न केवल मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा रहे हैं, बल्कि उनके शीघ्र स्वस्थ होने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

राज्य के 8839 टोलों को पक्की सड़क का इंतजार

पटना (एजेंसी) बिहार के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का जाल बिछाने के सरकारी दावों के बीच एक बड़ी चुनौती अब भी बरकरार है। राज्य के 8839 टोलों में रहने वाले लाखों लोग आज भी पक्की सड़कों की राह देख रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इन बसावटों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अभी भी 13 हजार किलोमीटर पक्की सड़कों का निर्माण किया जाना शेष है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 21 वर्षों के कार्यकाल में केंद्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं के जरिए ग्रामीण कनेक्टिविटी पर काफी जोर दिया गया। अब तक राज्य के 45 हजार गांवों में 1.21 लाख किलोमीटर सड़कें पक्की की जा चुकी हैं, लेकिन छोटे टोलों (250-499 की आबादी) को जोड़ना अभी भी एक बड़ा लक्ष्य बना हुआ है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए 1467 नई बसावटों को 1874 किलोमीटर लंबी सड़कों से जोड़ने में सफलता पाई। वर्ष 2005 से पहले राज्य में निर्माण एजेंसियों की कमी के कारण सड़क निर्माण की जिम्मेदारी केंद्रीय एजेंसियों के पास थी। काम की सुस्त रफ्तार को देखते हुए राज्य सरकार ने बाद में स्थानीय एजेंसियों को कमान सौंपी, जिससे ग्रामीण सड़कों के निर्माण में तेजी आई। सरकार ने छोटे टोलों के लिए विशेष योजनाएं भी चलाईं ताकि अंतिम छोर तक संपर्क बहाल हो सके। राज्य की सभी ग्रामीण सड़कों अब तक पक्की नहीं हो पायी है पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-4) के तहत वर्ष 2028-29 तक सड़कें चौड़ी करने और सुरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान देने की योजना बनाई गई है। इसमें ग्रामीण सड़कों की चौड़ाई 3.5 मीटर से बढ़ाकर 5.5 मीटर किए जाएंगे जिससे गांवों में भी शहरों जैसी तेज यातायात सुविधा बहाल होगी। ग्रामीण सड़कों का तेज निर्माण सरकार का लक्ष्यपुरानी ग्रामीण सड़कों की मरम्मत में कितना खर्च? सरकार 24,414 किलोमीटर पुरानी सड़कों के जीर्णोद्धार पर 21,652 करोड़ खर्च कर रही है। इसमें प्रति किमी निर्माण लागत 80 लाख है। रखरखाव के लिए कौन सी नीति? सरकार ने ओपीआरएमसी मेंटेनेंस पॉलिसी लागू की है। इसके तहत ठेकेदार/एजेंसी को निर्माण के बाद 7 वर्षों तक सड़कों की मॉनिटरिंग और मरम्मत की जिम्मेदारी निभानी होगी। टेंडर प्रक्रिया में बदलाव क्या? पहले सड़कों के लिए पथ वार निविदा निकलती थी, जिसे अब समाप्त कर प्रखंड वार पैकेज नीति लागू की गई। एक ही एजेंसी पूरे ब्लॉक की सड़कों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगी। टू तुरंत मरम्मत के लिए क्या? एजेंसियां अब रूरल रोड रिपेयर व्हीकल का उपयोग कर रही हैं, जो आधुनिक उपकरणों से लैस वाहन है और खराब सड़कों की मौके पर ही तत्काल मरम्मत कर सकता है।

गांव में रहकर की पढ़ाई, परिवार ने कहा- जहां तक चाहेगी वहां तक हमलोग पढ़ाएंगे

पटना (एजेंसी) आर्ट्स संकाय में पटना जिले से बिहटा प्रखंड के कटेशर गांव की रूपा कुमारी ने टॉप किया है। उन्होंने 469 अंक प्राप्त किए हैं। रूपा कुमारी अपने परिवार में सबसे बड़ी बेटी हैं, जिनके पिता और दादा किसान हैं। उन्होंने गांव में रहकर ही परीक्षा की तैयारी की थी। उनकी छोटी बहन सरिता कुमारी ने भी आर्ट्स में 414 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया है। दोनों बहनें एक साथ पढ़ाई करती थीं और परीक्षा भी साथ दी। रूपा कुमारी तीन बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी हैं। उनके पिता ओमप्रकाश वर्मा और मां सविता कुमारी सुमन ने अपनी बेटियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। परिवार के सदस्यों ने मिठाई खिलाकर रूपा और सरिता को बधाई दी। जिला टॉपर बोली- शिक्षक बनकर बिहार की सेवा करनी है जिला टॉप करने के बाद रूपा कुमारी ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि उन्हें जिला टॉप करने की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, ₹मैंने गांव में रहकर ही पढ़ाई की और गांव के कोचिंग से पढ़कर यहां तक पहुंची हूं। मेरा सपना बीपीएससी की तैयारी करना और शिक्षक बनकर बिहार की सेवा करना है।₹ रूपा कुमारी की मां सविता कुमारी सुमन ने कहा कि उनकी बेटी के टॉप करने का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने बताया कि उनकी दोनों बेटियां शुरू से ही पढ़ाई में तेज थीं और अच्छे अंक लाती थीं। दसवीं कक्षा में भी उन्होंने पहला स्थान प्राप्त कर परिवार का नाम रोशन किया था। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी बेटी को जहां तक पढ़ना चाहेगी, वहां तक पढ़ाएंगे। इधर रूपा कुमारी के दादा उदय प्रसाद ने बताया कि घर की बड़ी बेटी है और जिला टॉप की है काफी खुशी है इसके साथ ही उसकी छोटी बहन सरिता कुमारी ने भी परीक्षा दी और वह भी अच्छे नंबर लाकर पहला स्थान लाई है दोनों पोती शुरू से ही पढ़ने में काफी अच्छी थी। जहां तक यह लोग पढ़ना चाहते हैं वहां तक हम लोग पढ़ाएंगे क्योंकि आने वाले कल का यह भविष्य है इसे ही अब बिहार जाना जाएगा। इधर रूपा कुमारी के पिता ओमप्रकाश वर्मा किसान भी है और प्राइवेट नौकरी भी किया करते हैं। उन्होंने कहा कि आज परिणाम जारी हुआ, जिसमें मेरी बेटी रूपा कुमारी जिला टॉप की है। काफी खुशी है मुझे उम्मीद थी कि मेरी बेटी जिस तरह से पढ़ाई कर रही है वह टॉप करेगी उसका सपना है टीचर बना उसके सपनों को हम सभी लोग मिलकर पूरा करेंगे।

आवागमन प्रभावित, मौसमी फलों की बिक्री हो रही

पटना (एजेंसी) पटना जिले के धनरूआ के स्थानीय बाजारों में मंगलवार को छठ पर्व के लिए फलों की खरीदारी को लेकर भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही बाजारों में लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी, जो दोपहर तक अपने चरम पर पहुंच गई। खासकर मौसमी फलों की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें देखी गईं। लोग अपने परिवारों के लिए ताजे फल खरीदने में व्यस्त रहे, जिससे बाजार में काफी चहल-पहल रही। बाजार में बढ़ती भीड़ के कारण सड़कों पर जाम की स्थिति बन गई। दुकानदारों द्वारा सड़क किनारे अतिक्रमण और ग्राहकों की अधिक संख्या ने मिलकर आवागमन को बुरी तरह प्रभावित किया। पैदल चलने वाले लोगों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को बाजार में आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, त्योहारों और विशेष अवसरों पर बाजारों में ऐसी भीड़ आम है, लेकिन प्रशासन द्वारा ठोस व्यवस्था न होने से समस्या बढ़ जाती है। कई खरीदारों ने बताया कि भीड़ के कारण खरीदारी में अधिक समय लग रहा है और सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं हैं। दुकानदारों ने बताया कि फलों की बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई है, जिससे व्यापारियों में खुशी का माहौल है। हालांकि, कुछ दुकानदारों ने यह भी सुझाव दिया कि यदि प्रशासन ट्रैफिक और भीड़ नियंत्रण की उचित व्यवस्था करे तो बाजार की स्थिति और बेहतर हो सकती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार क्षेत्र में ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई जाए और अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके और सुचारू आवागमन सुनिश्चित हो।

नौकरी का झांसा देकर तीन साल किया दुष्कर्म

दरभंगा (एजेंसी) दरभंगा के बहेड़ा थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ नौकरी और शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस दौरान युवती बिन ब्याही मां बन गई। आरोप है कि युवक ने बाद में शादी से इनकार कर दिया और युवती पर जानलेवा हमला कर बच्ची को भी अपने साथ ले गया। भंगा जिले के बहेड़ा थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ नौकरी दिलाने और शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में हासी गांव निवासी अभिषेक राय के खिलाफ बहेड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। परिजनों का कहना है कि वर्ष 2022 में सोशल मीडिया के माध्यम से दोनों की पहचान हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गया। युवक ने युवती को नौकरी दिलाने का झांसा देकर मुंबई चलने को कहा। इसके बाद वर्ष 2023 में युवती नौकरी के लालच में अभिषेक राय के साथ मुंबई चली गई। वहां उसने युवती को नौकरी और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाना शुरू कर दिया।

सीएम नीतीश कैमूर और रोहतास को देंगे 689 करोड़ की सौगात, दोनों डिप्टी सीएम रहेंगे मौजूद

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा आज कैमूर और रोहतास जिले में होगी. दोनों जिलों को टोटल 689 करोड़ रुपए की सौगात देंगे. इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी मौजूद रहेंगे. : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा जारी है. राज्य के अलग-अलग जिलों में सीएम करोड़ों रुपए की योजनाओं की सौगात दे रहे हैं. ऐसे में आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा कैमूर और रोहतास जिले में होगी. दोनों जिलों को टोटल 689 करोड़ रुपए की सौगात देंगे. इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहेंगे. दोनों जिलों में कितने करोड़ का देंगे गिफ्ट? जानकारी के

मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कैमूर जिला में 47 करोड़ रुपए की लागत से 43 योजनाओं का शिलान्यास और 162 करोड़ रुपए की लागत से 161 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. इसके बाद वे रोहतास जिले में जायेंगे. रोहतास में 321 करोड़ रुपए की लागत से 129 योजनाओं का शिलान्यास और 159 करोड़ रुपए की लागत से 179 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. दोनों जिलों में सुरक्षा को लेकर तैयारी पूरी सीएम नीतीश कुमार के दोनों जिलों में पहुंचने से पहले तमाम तैयारियां कर ली गई है. सुरक्षा को लेकर भी चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है. कैमूर और रोहतास में सीएम नीतीश जीविका दीदियों की तरफ से लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण करेंगे. इसके साथ ही जिलों में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक भी करेंगे. इस दौरान वे जनसंवाद कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे. सोमवार को जहानाबाद और अरवल जिले में थी यात्रा इससे पहले सोमवार को सीएम नीतीश कुमार जहानाबाद और अरवल जिले में पहुंचे थे. दोनों जिलों में करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया था. विकास योजनाओं को लेकर उन्होंने निरीक्षण भी किया था. जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सरकार की विकास योजनाओं को गिनाया था. इसके साथ ही उन्होंने लालू-राबड़ी शासनकाल पर हमला भी बोला था.

'बिहार के 21 जेलों में 44 आवासीय भवन बनाएगी सरकार', सम्राट चौधरी ने यह जानकारी देते हुए क्या कहा

दरभंगा (एजेंसी) डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि 21 काराओं में कुल 44 भवनों का निर्माण किया जाएगा। आइये जानते हैं कहां कितने आवासीय भवन के निर्माण करवाए जाएंगे? बिहार के 21 जेलों में 44 बी-टाइप आवासीय भवन का निर्माण कराया जाएगा। प्रत्येक भवन की लागत 202.04 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इस आधार पर कुल परियोजना की अनुमानित लागत 88 करोड़ 89 लाख 76 हजार रुपये तय की गई है। इसका कार्यान्वयन वित्तीय वर्ष 2025-26 तथा आगामी वर्षों में किया जाएगा। यह जानकारी गृह विभाग के मंत्री और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने मंगलवार को दी। अधिकारियों को किराया मुक्त आवास उपलब्ध कराया जाना उन्होंने कहा कि बिहार कारा हस्तक 2012 के नियमों के तहत मुख्य कक्षपाल और उससे ऊपर के अधिकारियों को कारा परिसर में किराया मुक्त आवास उपलब्ध कराया जाना। 10 प्रतिशत कक्षपालों को पारिवारिक और शेष को एकल आवासीय सुविधा देने का प्रावधान है।

पटना : 20 स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी लगेंगे

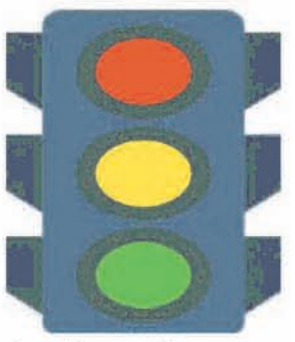

पटना (एजेंसी) पटना ` राजधानी पटना में 20 और नए स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसका मकसद ट्रैफिक जाम से निजात दिलाना, अपराधियों की पहचान करना और ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। करीब तीन महीने पहले पटना में 30 स्थानों पर कैमरे और ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे। फिलहाल, पूरे जिले में 3300 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। वहीं 58 ट्रैफिक सिग्नल काम कर रहे हैं। ट्रैफिक एडीजी सुधांशु कुमार ने बताया कि बिहार के चारों स्मार्ट सिटी और सभी प्रमंडलीय मुख्यालयों के अलावा कुल 27 जिलों में एएनपीआर कैमरे लगेंगे। पटना के प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल और कैमरे लगाए जाने की योजना है। यहाँ लगेंगे ट्रैफिक सिग्नल और कैमरेः मीठापुर न्यू बाइपास पुल के नीचे, मलाही पकड़ी, करबिगहिया चौधरी पेट्रोल पंप, मुन्ना चक, डीपीएस मोड़ सर्विस रोड दक्षिणी छोर, गोला रोड सर्विस रोड चौराहा उत्तरी लेन, रूपसपुर पुल वेस्ट साइड उत्तरी लेन, रूपसपुर पुल ईस्ट साइड, आरा गार्डन मोड़, आंबेडकर पथ मोड़, त्रिभुवन मोड़, आयुक्त कार्यालय मोड़, स्वामी नंदन तिराहा, गोरैया टोली, जीपीओ के नीचे, डंकी इमली, एनआईटी मोड़, आर ब्लॉक नीचे। 28 स्थानों पर लगाए जाने थे, पर सर्वे में 8 जगह फिट नहीं स्मार्ट सिटी और पटना ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में ट्रैफिक लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए सर्वे किया है। इसमें 28 स्थानों को चिह्नित किया गया था पर 8 ऐसे स्थान हैं, जहां कैमरे और सिग्नल लगाना संभव नहीं है। क्योंकि, कहीं मेट्रो का काम चल रहा है तो कहीं दूसरा काम हो रहा है। इनमें बिहटा मोड़, विशंभरपुर मोड़, चौक थाना मोड़, पूरब दरवाजा तीन मुहानी, अगमकुआं आरओबी, जीपीओ के ऊपर, चिल्ड्रन पार्क, आरपीएस मोड़ सर्विस रोड शामिल हैं।

बिहार के बिल्डरों के लिए राहत, सालों भर करा सकेंगे कंपनी का रजिस्ट्रेशन

पटना (एजेंसी) बिहार के बिल्डरों के लिए राहत भरी खबर है. अब वे कंपनी का रजिस्ट्रेशन नगर विकास एवं आवास विभाग में सालों भर करा सकेंगे. रेरा बिहार के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बिल्डरों से डॉक्यूमेंट्स को लेकर आग्रह भी किया है. नगर विकास एवं आवास विभाग ने बिहार के बल्डरों के लिए राहत भरा फैसला लिया है. रेरा बिहार के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बिल्डरों से आग्रह किया है कि वे अपने परियोजनाओं के रजिस्ट्रेशन सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स और सूचनाएं अपने आवेदन के साथ जमा करें, ताकि उनके परियोजनाओं को कम से कम समय में रजिस्टर्ड किया जा सके. रेरा अध्यक्ष ने और क्या जानकारी दी? रेरा अध्यक्ष ने यह भी बताया कि अन्य बड़े राज्यों की तुलना में बिहार में रजिस्टर्ड होने वाली परियोजनाओं की संख्या काफी कम है. प्राधिकरण की ओर से कई मौके दिए जाने की बावजूद पिछले कुछ महीनों में जरूरी कागजात के अभाव में करीब एक सौ आवेदन रद्द करने पड़े. इस समस्या के समाधान के लिए प्राधिकरण ने अब फिल्टर सिस्टम लागू किया है. नए सिस्टम के लागू होने से क्या होगा फायदा? इस सिस्टम को इसलिए लागू किया गया ताकि बिल्डरों को आवेदन भरते समय ही कमियों का पता चल जाए और सभी डॉक्यूमेंट्स और सूचनाएं उलपब्ध होने पर ही वे आवेदन भर सकें. जानकारी के मुताबिक, एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया था अध्यक्ष ने इस बात को लेकर जताई चिंता साथ ही पीछे के अनुभवों के आधार पर बिल्डरों को उन प्रमुख कमियों के विषय से भी अवगत कराया गया, जिनके कारण आवेदन रद्द हुए. इस दौरान विवेक कुमार सिंह ने इस बात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि बिल्डरों को रेरा बिहार की तरफ से काउंसलिंग की सुविधा भी दी जा रही है. इसके माध्यम से उन्हें जमा किए जाने वाले दस्तावेजों और सूचनाओं के विषय में विस्तार से अवगत कराया जाता है.

गंगा में स्नान कर ठेकुआ-प्रसाद बना रहीं व्रती, पटना के घाटों को सजाया

पटना (एजेंसी) चैती छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान जारी है। सोमवार को खरना के साथ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया। इस दौरान व्रतियों ने दिनभर उपवास के बाद सायंकाल में भगवान भास्कर की पूजा कर प्रसाद ग्रहण किया। मंगलवार को सायंकालीन अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि बुधवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन होगा। छठ व्रत करने की परंपरा ऋग्वैदिक काल से चली आ रही है। विष्णु पुराण के अनुसार, तिथियों के बंटवारे के समय सूर्यदेव को सप्तमी तिथि प्राप्त हुई थी, इसीलिए उन्हें इस तिथि का स्वामी भी कहा जाता है। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा ने बताया कि चैती छठ महापर्व के अंतर्गत आज मंगलवार को रोहिणी नक्षत्र और प्रीति योग में सायंकालीन सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कल 25 मार्च, बुधवार को चैत्र शुक्ल सप्तमी में मृगशिरा नक्षत्र और

आयुष्मान योग के सुयोग में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती इस महापर्व को पूर्ण करेंगी। सायंकालीन अर्घ्य से शांति-उन्नति ज्योतिषी झा के मुताबिक शाम को भगवान भास्कर को जल से अर्घ्य देने से मानसिक शांति और जीवन में उन्नति होती है क लाल चंदन, फूल के साथ अर्घ्य से यश की प्राप्ति होती है क कलयुग के प्रत्यक्ष देवता सूर्य को जल में गुड़ मिलाकर अर्घ्य देने से पुत्र और सौभाग्य का वरदान मिलता है कप्रातःकाल में जल में रक्त चंदन, लाल फूल, इत्र के साथ ताम्रपात्र में आरोग्य के देवता सूर्य को अर्घ्य देने से आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है क स्थिर एवं महालक्ष्मी की प्राप्ति के लिए सूर्य को दूध का अर्घ्य देना चाहिए क भगवान भास्कर को अर्घ्य देने से कई जन्मो के पाप नष्ट होते है कदेवताओ में सूर्य ऐसे देवता है जिनको प्रत्यक्ष देखा जा सकता है क सूर्य की शक्ति का मुख्य स्त्रोत उनकी पत्नी उषा और प्रत्युषा है क छठ में सूर्य के साथ दोनों शक्तियों की संयुक्त आराधना होती है कपहले सायंकालीन अर्घ्य में सूर्य की अंतिम किरण प्रत्युषा और फिर उदीयमान सूर्य की पहली किरण उषा को अर्घ्य देकर नमन किया जाता है कभगवान सूर्य की मानस बहन है षष्ठी देवी आचार्य राकेश झा ने अथर्वेद के हवाले से बताया कि षष्ठी देवी भगवान सूर्य की मानस बहन हैं । इसीलिए भगवान भास्कर के साथ उनकी बहन षष्ठी देवी की पूजा होती है क प्रकृति के षष्टम अंश से षष्ठी माता उत्पन्न हुई हैं। उन्हें बालकों की रक्षा करने वाले भगवान विष्णु द्वारा रची माया भी माना जाता है। बालक के जन्म के छठे दिन भी षष्ठी मइया की पूजा की जाती है। ताकि बच्चे के दीघार्यु और निरोग रहे। एक अन्य आख्यान के अनुसार कार्तिकेय की शक्ति हैं षष्ठी देवी। षष्ठी देवी को देवसेना भी कहा गया है। सूर्य उपासना के महापर्व में भगवान भास्कर को पीतल के पात्र से दूध तथा तांबे के पात्र से जल से अर्घ्य देने से अभीष्ट फल की प्राप्ति होती है क चांदी, स्टील, शीशा व प्लास्टिक के पात्र से सूर्य को अर्घ्य नहीं देना चाहिए

मलाही पकड़ी स्टेशन का अप्रैल में हो सकता है निरीक्षण, लिफ्ट और एस्केलेटर का काम पूरा

पटना (एजेंसी) पटना में मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर का काम पूरा कर लिया गया है. इसके बाद अब अगले महीने (अप्रैल) में सीएमआरएस निरीक्षण करने आ सकते हैं. निरीक्षण के बाद अगर सब कुछ सही रहा तो मेट्रो के परिचालन की अनुमति दे दी जाएगी. Patna Metro: पटना मेट्रो के काम को तेजी से निपटाया जा रहा है. मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन पर जल्द ही निर्माण कार्य को पूरा कर लिया जाएगा. जानकारी के मुताबिक, इस स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर का काम पूरा हो गया है. अब अगले महीने यानी अप्रैल महीने में सीएमआरएस (कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी) स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचेंगे. निरीक्षण के दौरान सब कुछ सही पाया गया तो ट्रेन को चलाने की अनुमति दे दी जाएगी. क्या कहना है पटना मेट्रो की का? जानकारी के मुताबिक, मलाही पकड़ी स्टेशन को सजाया जा रहा है. यहां आकर्षक पेंटिंग की जा रही है.

पटना मेट्रो की एपीआरओ अर्चना कुमारी की माने तो, मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन का निर्माण अब अंतिम फेज में है. जल्द ही यहां से ट्रेन का परिचालन भी शुरू हो जाएगा. इसके साथ ही इस स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं को भी ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं तैयार की गई हैं. यात्रियों को मिलेंगी ये सभी सुविधाएं मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन के बनने के बाद यहां ट्रेन को चलाने से पहले हर एक बारिकियों को देखा जा रहा है. ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं झेलनी पड़े. इसके अलावा मलाही पकड़ी स्टेशन पर मॉडर्न टिकटिंग व्यवस्था, साफ-सुथरा परिसर, बेहतर वेंटिलेशन और सुरक्षा को लेकर भी तमाम व्यवस्थाएं लगभग पूरी कर ली गई हैं. लोगों को जाम की समस्या से मिलेगा छुटकारा मलाही पकड़ी स्टेशन पटना के घनी आबादी वाले इलाकों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण स्टेशन माना जा रहा है. इसके शुरू होने से शहर के पूर्वी हिस्से के यात्रियों को तेज, सुरक्षित और जाम-मुक्त यात्रा का विकल्प मिलेगा. पटना मेट्रो के इस स्टेशन की प्रगति से साफ है कि राजधानी में मेट्रो सेवा शुरू होने का इंतजार अब ज्यादा लंबा नहीं रहने वाला है.

बिहार में डिप्टी कमिश्नर के ठिकानों पर रेड, SVU की टीम खंगाल रही डॉक्यूमेंट्स

पटना (एजेंसी) बिहार में एक डिप्टी कमिश्नर के ठिकाने पर रश्व की टीम छापेमारी कर रही है. मामला आय से अधिक संपत्ति से जुड़ा है. जानकारी के मुताबिक, यह छापेमारी बेतिया, सीतामढ़ी और शिवहर में की जा रही है. बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों पर लगातार निगरानी विभाग शिकंजा कस रहा है. इस बीच एक डिप्टी कमिश्नर के कई ठिकानों पर निगरानी की टीम छापेमारी करने पहुंची. विशेष निगरानी इकाई (SVU) ने मंगलवार को शिवहर के उप विकास आयुक्त सह जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी बृजेश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है. आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज बृजेश कुमार के खिलाफ निगरानी की टीम ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है. बृजेश कुमार पर आरोप है कि उन्होंने अलग-अलग पदों पर रहते हुए लगभग 1 करोड़ 84 लाख 32 हजार 900 रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित की है. यह संपत्ति उनके आय स्रोतों से अधिक है. बिहार के इन तीन जिलों में हो रही छापेमारी जानकारी के मुताबिक, आज विशेष न्यायाधीश, निगरानी, पटना की तरफ से बृजेश कुमार के खिलाफ के खिलाफ सर्च वारंट जारी किया है. इसी के आधार पर बिहार के तीन जिलों में छापेमारी की जा रही है. यह छापेमारी बेतिया, सीतामढ़ी और शिवहर में बृजेश कुमार के ऑफिस और आवासीय परिसरों में की जा रही है. छापेमारी के बाद निगरानी की टीम को क्या कुछ बरामद होता है, यह देखने वाली बात होगी. 200 भ्रष्ट अधिकारियों की डिजिटल फाइल तैयार बिहार के भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सुनवाई तेज हो और उन्हें जल्द ही सजा मिले, इसके लिए निगरानी

की टीम अब तकनीक का सहारा ले रही है. निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने 200 संदिग्ध अफसरों और कर्मियों की डिजिटल फाइल तैयार कर ली है. भ्रष्टाचार के मामलों में अक्सर सबूतों के साथ छेड़छाड़ और सुनवाई में देरी की शिकायतें सामने आती रही हैं. लेकिन अब निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने ऐसी संभावनाओं को लगभग खत्म करने की तैयारी कर ली है. ब्यूरो ने सात लाख रुपए की लागत से ओपन टेक्स्ट फॉरेंसिक इमेजर मशीन का इस्तेमाल शुरू किया है, जो जब्त किए गए पेन ड्राइव, डॉक्यूमेंट और अन्य डिजिटल एविडेंस का सटीक क्लोन तैयार करती है. जानकारी के मुताबिक, एक बार डेटा इस मशीन में सुरक्षित हो जाने के बाद उसमें किसी तरह का बदलाव या क्षति संभव नहीं रह जाती.

बिहार में 2 लाख संख्या, एक्सपर्ट्स ने दिए बचने के सुझाव; कहा- कई मरीज बीच में दवा छोड़ देते

पटना (एजेंसी) बिहार में ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। राज्य देश के सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है, जहां प्रतिवर्ष 2 से 2.2 लाख नए टीबी मरीज सामने आ रहे हैं। सरकार ने 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह लक्ष्य दूर प्रतीत होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, राज्य में टीबी के इलाज की सफलता दर 85-87 प्रतिशत है। हालांकि, 10-15 प्रतिशत मरीज बीच में ही दवा छोड़ देते हैं, जिससे बीमारी के दोबारा उभरने और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। टीबी की गंभीरता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि केवल पटना में हर साल 10-12 हजार नए मरीज दर्ज होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शहरी झुग्गी-झोपड़ी वाले क्षेत्रों में कुपोषण, भीड़भाड़ और अस्वच्छ जीवनशैली टीबी फैलने के प्रमुख कारण हैं। टीबी नियंत्रण में एक बड़ी चुनौती निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में इलाज कराने वाले मरीज हैं। कुल मरीजों का 30-35 प्रतिशत हिस्सा निजी क्षेत्र में इलाज कराता है, ये मरीज अक्सर सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होते। इससे वास्तविक मरीजों की संख्या अधिक होने की आशंका है। शोध के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 90 प्रतिशत तक मरीज निजी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर हैं। इसके अलावा, 15-20 प्रतिशत मरीजों में बीमारी की पहचान देर से होती है। तब तक संक्रमण कई अन्य व्यक्तियों में फैल चुका होता है, जिससे इलाज लंबा और महंगा हो जाता है, और मृत्यु का जोखिम भी बढ़ जाता है। पिछले एक दशक में टीबी मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। साल 2016 में यह आंकड़ा 1.60 लाख था, जो 2024 तक बढ़कर 2.20 लाख हो गया है। कोविड-19 महामारी के वर्ष 2020 में मरीजों की संख्या में कुछ कमी (1.60 लाख) आई थी, लेकिन उसके बाद से इसमें फिर तेजी आई है। टीबी के मामलों में कमी न आने के प्रमुख कारणों में कुपोषण, गरीबी, भीड़भाड़ वाले इलाके, अधूरी दवा का सेवन (ट्रीटमेंट ड्रॉपआउट), निजी क्षेत्र द्वारा कमजोर रिपोर्टिंग और जागरूकता की कमी शामिल हैं। एक्सट्रा पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस टीबी के बढ़ते मामलों के साथ ही साथ अब टीबी का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। यह बीमारी केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि शरीर के अन्य अंगों जैसे दिमाग, हड्डियों, लिम्फ नोड और पेट तक फैल रही है। साथ ही बच्चों में भी टीबी के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, जहां लक्षण स्पष्ट नहीं होने के कारण पहचान में देरी होती है। हालांकि इसके पीछे एक वजह यह भी हो सकता है कि पहले सुविधाओं के अभाव में मरीजों की पहचान नहीं हो पाती थी, और अब इसकी पहचान हो पा रही है। हालांकि आज भी एक्स्ट्रा पल्मोनरी और पेडियाट्रिक टीबी के मरीज अक्सर गंभीर अवस्था में सामने आते हैं और उनका इलाज अधिक जटिल व लंबा हो जाता है। विश्व

क्षय रोग दिवस पर आईजीआईएमएस में सीएमई, एक्स्ट्रा पल्मोनरी व बाल टीबी पर जोर विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर आईजीआईएमएस के सूक्ष्मजीव विभाग में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सोमवार एचएलएफपीपीटी शक्ति प्रोजेक्ट के सहयोग से टीबी बियॉन्ड द ऑब्वियस विषय पर सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) बिंदे कुमार, डीन प्रो. (डॉ.) ओम कुमार, चिकित्सा अधीक्षक प्रो.(डॉ.) मनीष मंडल विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) नम्रता कुमारी ने किया।

लॉग टर्म कोर्स की बजाय रोजगार पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं आज के युवा

नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवतः उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं।

एक ऑनलाइन शैक्षिक कंपनी, टलेंटेज और मार्किट रिसर्च एजेंसी के एक ताजा सर्वे के अनुसार भविष्य में लंबी अवधि के कॅरियर की योजना बनाना संभव नहीं होगा, क्योंकि विकास की गति जॉब मार्केट में बढ़ रही है और युवाओं को लगातार समय की मांग के मुताबिक खुद को ऐसे परिवेश में ढालना बेहद जरूरी होगा। वहीं इससे पहले किये गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक आधा से ज्यादा नौकरी तलाश करने वालों ने लंबी अवधि के कॅरियर के उचित अवसर और विकास के लिए अपने कौशल को बढ़ाने के लिए लॉकडाउन अवधि का उपयोग किया। नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवत : उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं। डेटा साइंस और एनालिटिक्स कोर्स (22 प्रतिशत), इसके बाद डिजिटल मार्केटिंग (20 प्रतिशत), और वित्त और जोखिम प्रबंधन (16 प्रतिशत) शीर्ष पाठ्यक्रमों में से थे जो नौकरी ढूढ़ने वालों द्वारा चुने गए थे।

गेजिंग इन टू द फ्यूचर

यंग इंडिया, देयर एस्पिरेशंस एंड कॅरियर चॉइस के एक सर्वेक्षण के अनुसार, अल्पकालिक पेशेवर योजना ही एक सही रास्ता है। उत्तरदाताओं ने कहा कि वे तेजी से एक 'नौकरी' के बारे में सोचेंगे और 'कॅरियर' नहीं, क्योंकि उनके आसपास की चीजें तेजी से बदल रही हैं और वे अगले पांच वर्षों में भी ऐसे जीवन कॅरियर की कल्पना नहीं कर सकते हैं जब बहुत सारे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के होते हुए भी शायद ही कुछ ऐसे होंगे जो एक उचित परिपेक्ष्य में, अनुकूल और लाभप्रद रोजगार दे सकेंगे। टलेंटेज ने 20,000 छात्रों में से ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान की है जिन्होंने इस संस्था में पिछले वर्ष नामांकन किया था, उनमें से 60 उत्तरदाताओं ने इस सर्वे में भाग लेने के लिए फाइनल कट दिया है। सर्वेक्षण पर आधारित यह अध्ययन लगभग पांच वर्षों तक किया गया, जिसमें से मानव संसाधन प्रमुखों, सीएक्सओ, कॅरियर काउंसलर और समाजशास्त्रियों के उत्कृष्ट विचारों को संज्ञान में लिया गया, ताकि इस उभरते हुए झुकाव की विस्तृत तस्वीर सामने आ सके और उम्मीदवारों को सही मार्गदर्शन मिल सके। टलेंटेज के आदित्य मालिक ने एक बिजनेस समाचार पत्र में दिए गए एक वक्तव्य में बताया कि 29 साल की औसत आयु के साथ भारत 2026 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा। उन्होंने बताया की वो युवा भारतीयों के विचारों को, उनके कॅरियर के विकल्पों की संभावनाओं को और उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में समझना चाहते थे। अध्ययन में पाया गया कि डिग्रियों का कम्पित अधिग्रहण कॅरियर का एक नया मापदंड होगा, जैसा कि उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें क्रियाशील व व्यावहारिक तजुर्बों से सीखना होगा और जरूरत पड़ने पर और अधिक डिग्री हासिल करनी होगी। विशेषज्ञों ने इस सर्वेक्षण पर विचार विमर्श किया और पाया की शिक्षा सिर्फ एक बार का मामला नहीं होगा बल्कि एक सतत प्रक्रिया होगी जिसमें युवा जैसे जैसे आगे बढ़ते जायेंगे, डिग्रियां हासिल करते रहेंगे। आदित्य मालिक ने आगे बताया कि कॉर्पोरेट दुनिया के साथ बढ़ती निराशा युवाओं के जूनून को काम में परिवर्तित करने में उन्हें आगे ले जाएगी। लीक से हटकर बढ़ते हुए पाठ्यक्रमों ने नए कॅरियर को पंख दे दिए हैं। और आज के युवा भी शायद इसे ही ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं और अपना रुझान भी इसी पर केंद्रित कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार के लिए आज एक बहुत बड़ा स्कोप खुल गया है, यह स्वीकार करते हुए कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि यह कितना आकर्षक होगा, क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता होती है। तो अगर आप एक युवा हैं और अपने कॅरियर को लेकर गंभीर हैं तो शायद आप अच्छी तरह से समझ गए होंगे कि शार्टटर्म का कोई मनचाहा कोर्स आपको सही दिशा में ले जायेगा या फिर कोई लॉन्गटर्म वाला कोर्स।

जीवाश्म विज्ञानी के रूप में तलाशें रोजगार की संभावनाएं

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं।

पृथ्वी पर जीवन की शुरूआत लाखों-करोड़ों साल पहले ही हो गई है। ऐसे कई जीव व जानवर हैं, जो सालों पूर्व धरती पर मौजूद थे, लेकिन अब वह विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन उनके जीवाश्म की मदद से पृथ्वी पर जीवन के इतिहास के अध्ययन को ही पेलियोन्टोलॉजी कहा जाता है। यह जीवाश्मों के अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी पर पिछले जीवन की जांच है। जीवाश्म पौधों, जानवरों, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एकल-कोशिका वाले जीवित जीवों के अवशेष या निशान हैं जो भूवैज्ञानिक अतीत में रहते थे और पृथ्वी की क्रस्ट में संरक्षित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि पेलियोन्टोलॉजिस्ट सिर्फ डायनासोर का अध्ययन करते हैं, जबकि यह सच नहीं है। बल्कि यह जीवाश्मों की मदद से पृथ्वी पर जीवित चीजों की पूरी प्रजातियों का अध्ययन है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर

क्या होता है काम

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं। वे प्रागैतिहासिक जीवन रूपों और जीवाश्मों की परीक्षा के माध्यम से पौधे और पशु जीवन के विकास पर शोध करते हैं। वे विलुप्त प्रजातियों के बारे में जानने के लिए जानवरों की हड्डियों, गोले और कास्ट का उपयोग करते हैं। साथ ही वह जीवाश्मों का पता लगाने और जीवाश्मों के बारे में प्रासंगिक तथ्यों की पहचान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। उनके कार्यक्षेत्र में जीवाश्मों का पता लगाना और उनकी खुदाई करना, निष्कर्षों की पहचान, अनुसंधान और उन्हें साझाकरण करना शामिल है।

पर्सनल स्किल्स

पेलियोन्टोलॉजिस्ट को कंप्यूटर की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और सांख्यिकीय विश्लेषण में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा उसमें मौखिक और लिखित संचार कौशल भी होने चाहिए, क्योंकि उन्हें पेशेवरों की एक टीम के साथ काम करना होता है।
पैलियोन्टोलॉजिस्ट के पास उच्च जिज्ञासा स्तर और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। उन्हें तार्किक और गंभीर रूप से सोचने में सक्षम होना चाहिए, जिज्ञासु और अत्यंत विश्लेषणात्मक होना चाहिए, और एकत्रित डेटा या जानकारी से निष्कर्ष निकालने की क्षमता भी इस क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। चूंकि जीवाश्म विज्ञान एक कठिन काम है, जिसमें जीवाश्मों को खोजने और खुदाई करने के लिए बहुत से बाहरी काम करने की आवश्यकता होती है, एक इच्छुक व्यक्ति को धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

योग्यता

पैलियोन्टोलॉजी एक विज्ञान से संबंधित लेकिन व्यापक क्षेत्र है। इसलिए एक जीवाश्म विज्ञानी को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भूविज्ञान को जानना आवश्यक है। जीवाश्म विज्ञान में अधिकांश प्रवेश स्तर के पदों के लिए भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। वहीं रिसर्च और कॉलेज टीचिंग के लिए पीएचडी होना आवश्यक है। कई भाषाओं का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त लाभ है।

रोजगार की संभावनाएं

एक पेलियोन्टोलॉजिस्ट के रूप में आप कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थान, संग्रहालयों, या राज्य और संघीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों, प्रयोगशालाओं आदि में काम कर सकते हैं। जीवाश्म विज्ञानी सार्वजनिक व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

आमदनी

एक जीवाश्म विज्ञानी की आमदनी उनके शिक्षा के स्तर, अनुभव व जहां पर वे काम करते हैं, उस पर निर्भर करती है। निजी क्षेत्र में आपकी योग्यता व अनुभव के आधार पर अच्छा वेतन मिलता है। शुरूआती रूप में एक जीवाश्म विज्ञानी 15000 से 25000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। इसके बाद आपके अनुभव के आधार पर आमदनी बढ़ती जाती है।

प्रमुख संस्थान

भारत में केवल एक संस्थान जीवाश्म विज्ञान में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह हैदराबाद के बंडलागुडा में स्थित जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया है।

अलग-अलग भाषाओं के साथ लैक्सोग्राफी में बना सकते हैं कॅरियर

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।

वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचरण करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में 'शब्द' लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेंज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लैक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कॅरियर-

क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद् होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में विभाजित किया गया है, पहला प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी और दूसरा सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी। प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी में शब्दकोशों का संकलन, लेखन और संपादन की प्रक्रिया शामिल है। वहीं सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी में लैंग्वेंज की स्टडी और इसकी शब्दावली के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इस प्रकार अगर देखा जाए तो एक लेक्सोग्राफर का काम सिर्फ परिभाषाएं लिखना ही नहीं होता, बल्कि सही लोगों के लिए सही परिभाषा लिखना होता है।

पर्सनल स्किल्स - एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं। इसके अलावा आपको ग्रामाटिकल और कम्प्यूटेशनल भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। एक बेहतरीन क्रिटिकल थिंकिंग, ओपन-मांइडेड, व हर छोटी बातों पर गहरी नजर होनी चाहिए। लेक्सोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको कड़ी मेहनत और पूर्ण रूप से जिम्मेदारी निभाना आना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता - इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को अंग्रेजी या किसी अन्य संबंधित भाषा में मास्टर या डॉक्टरेट की डिग्री होना आवश्यक है। वर्तमान में देश में ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं, जो विभिन्न भाषाओं जैसे अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, तमिल, पंजाबी आदि में लेक्सोग्राफी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

संभावनाएं - लेक्सोग्राफर कई पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कॅरियर असिसटेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिसटेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं।

आमदनी - यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डेक्कन संस्थान, पुणे
- पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- मद्रास विश्वविद्यालय केरल विश्वविद्यालय, केरल
- भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर

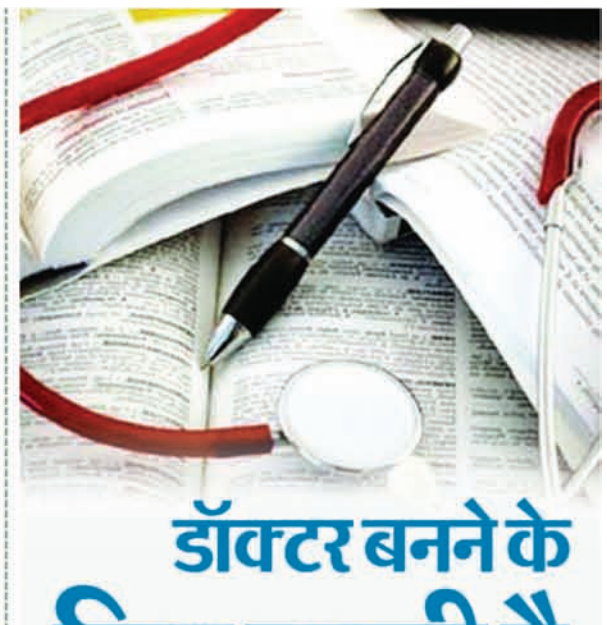

डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है नीट परीक्षा ऐसे करें तैयारी

नीट परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।

नीट मतलब नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट! यह परीक्षा देशभर में मेडिकल कॉलेजेज में एडमिशन लेने के लिए आयोजित की जाती है। 12वीं के बाद अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और इससे संबंधित एमबीबीएस अथवा बीडीएस की पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप को इस नीट का एग्जाम देना ही पड़ेगा। बता दें कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए द्वारा इसके लिए एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।
जान लें कि अगर आपने 12वीं की पढ़ाई ठीक ढंग से की है, खासकर बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री में, तो आप इस परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, किंतु ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एकमात्र मेडिकल परीक्षा है। अत : कंपटीशन बेहद कठोर होता है। अत : मुश्किल तो होगी, किन्तु यह नामुमकिन कतई नहीं है! परीक्षा के माध्यम की बात करें तो हिंदी और अंग्रेजी में इसके प्रश्न दिए जाते हैं। अगर आप इस परीक्षा में पास हो जाते हैं तो ऑनलाइन इसकी काउंसलिंग होती है और नेशनल लेवल के अलावा स्टेट लेवल पर भी इसकी काउंसलिंग कंडक्ट की जाती है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से सीटों को आवंटित किया जाता है। एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी दूसरी कई जानकारियां आपको मिल जाएंगी। यहां तक कि आप मॉक टेस्ट का पेपर भी यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं और उस हिसाब से अपनी तैयारी को धार दे सकते हैं। कॅरियर एक्सपर्ट्स तैयारी के लिए सलाह देते हैं कि आपको काफी पहले से इस पर ध्यान देना होता है, किंतु जिस स्तर का टफ एग्जामिनेशन होता है, उसे देखते हुए आपको अंतिम के तकरीबन 2 महीने बेहद सटीकता से रिवीजन पर बिताना होगा। इसके लिए आपको न केवल स्ट्रेस से बचना होगा, बल्कि बेहतरीन तैयारी के लिए पूरी शेड्यूलिंग करके अलग-अलग सब्जेक्ट पर ध्यान देना होगा। ध्यान रहे! यह कोई साधारण एग्जामिनेशन नहीं है, इसलिए आप भिन्न एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेने में संकोच ना करें। इसमें पिछले वर्ष के टॉपर्स का इंटरव्यू आपको मिल जाएगा, जिसे आपको पढना-सुनना चाहिए। इसी प्रकार से जो दूसरे एक्सपर्ट्स हैं, उनकी राय भी आपको काफी लाभ पहुंचा सकती है। किन्तु अंत में आपका डिसिप्लिन और बेहतरीन रिवीजन के साथ मॉक टेस्ट पेपर अधिक से अधिक बार सॉल्व करना आप के लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। कंप्रिहेंसिव रिवीजन इसमें काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आपको एनसीआरटी बुक्स का गहराई से अध्ययन करना चाहिए। अंत में आपको संपूर्ण सिलेबस पर ध्यान देना होता है और सिलेक्टिव टॉपिक्स को स्टडी करने से बचना है। आपको सम्पूर्ण कोर्स के अधिक से अधिक हिस्सों को, कम से कम समय में कवर करने की कोशिश करनी चाहिए। ध्यान रहे, इसका कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत ही आपको इसमें इक्षित परिणाम दे सकती है।

आईसीसीस टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में स्मृति मंधाना का जलवा बरकरार, हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा को फायदा

दुबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की मंगलवार को ताजा महिला टी20 रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में स्मृति मंधाना ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा बनाए हुए है। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को भी रैंकिंग में हल्की बढ़त मिली है। हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाज की ताजा रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। पहले वह 13वें स्थान पर थीं।

गेंदबाजी में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। दीप्ति शर्मा ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना के अलावा शैफाली वर्मा टॉप 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। वह छठे नंबर पर काबिज हैं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हो गईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतक की मदद से सूची में दो पायदान ऊपर चढ़कर 18वां स्थान हासिल किया।

वहीं रैंकिंग के इस ताजा अपडेट में वेस्टइंडीज में हुई सीरीज के पहले दो मुकाबलों को भी शामिल किया गया है। इसमें रवांडा की 15 साल की फैनी उटागुशिमानिंदे भी 66वें स्थान पर रैंकिंग में शामिल हो गईं। वह टी20 इंटरनेशनल डेब्यू पर सेंचुरी बनाने वाली पहली महिला और इस फॉर्मेट में शतक लगाने वाली दोनों में से सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं।

मियामी ओपन जैनिक सिनर ने तीसरे राउंड में जीत के साथ तोड़ा जोकोविच का रिकॉर्ड

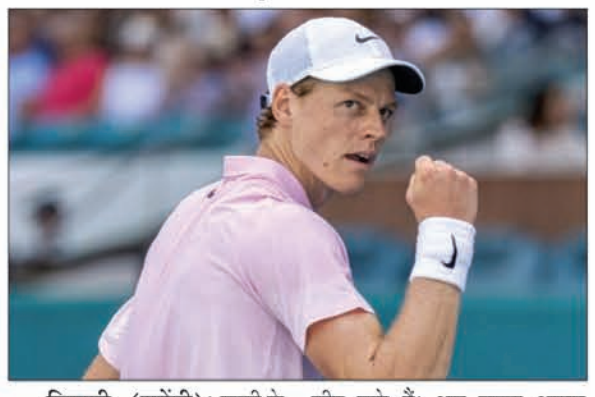

मियामी (एजेंसी)। इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन में इतिहास रच दिया है। उन्होंने एकतरफा मुकाबले में कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 26 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इस मामले में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को पीछे छोड़ दिया है। नोवाक जोकोविच के नाम एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार 24 सेट जीतने का रिकॉर्ड था। सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत दर्ज करते हुए जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। मैच के बाद उन्होंने कहा कि वे अपनी फॉर्म से खुश हैं और हर मैच में ध्यान बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। सिनर का यह सिलसिला पिछले नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था, जहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए खिताब जीता था। उन्होंने मार्च में भी शानदार फॉर्म को जारी रखा और पैरिब्रास ओपन में भी अपने दमदार प्रदर्शन को दोहराया। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, मियामी में अपनी दो जीत की वजह से सिनर अब लगातार 13 मास्टर्स 1000 मैच जीत चुके हैं। अब उनका अगला मुकाबला अमेरिका के युवा खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन से होगा, जिन्होंने एलेजांद्रो टैबिलो को हराकर अगले दौर में जगह बनाई है। सिनर का लक्ष्य 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' हासिल करने वाले खिलाड़ी बनने का होगा। रैंकिंग की बात करें तो सिनर इस समय वर्ल्ड नंबर 1 की रेस में कार्लोस अल्काराज (स्पेनिश खिलाड़ी) के करीब पहुंचते जा रहे हैं। कार्लोस को रविवार को तीसरे राउंड में सेबेस्टियन कोर्डा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। एक अन्य मुकाबले में अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने डिफेंडिंग चैंपियन जैकब मेंसिक को कड़े मैच में 7-6(4), 4-6, 7-6(11) से हराया। 28 साल के टियाफो मियामी में पांचवीं बार और 2022 के बाद पहली बार चौथे राउंड में पहुंचे हैं। दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी का अगला मैच फ्रांसीसी खिलाड़ी टेरेंस एटमेन से होगा, जिन्होंने कनाडाई टेनिस प्लेयर फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-3, 1-6, 6-3 से हराया था।

यौन शोषण के आरोपों में घिरा आरसीबी खिलाड़ी आईपीएल2026 से बाहर

बेंगलुरु (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 से पहले एक बड़ा झटका लगा है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को पुष्टि की कि तेज गेंदबाज यश दयाल निजी कारणों से पूरे टूर्नामेंट से बाहर रहेंगे। दयाल का ट्रेनिंग सेशन से बाहर रहना और टीम बस के पोस्टर पर उनकी तस्वीर का न होना, पहले ही उनके बाहर होने की अफवाहों को हवा दे चुका था। कई लोग सोच रहे थे कि आखिर यह गेंदबाज है कहां। अब RCB के क्रिकेट डायरेक्टर, मो बोबाट ने उनके बाहर होने से जुड़े सभी संदेहों को दूर कर दिया है।

बोबाट ने यह भी कहा कि भले ही दयाल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं, फिर भी वह टीम के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बने रहेंगे। टीम मैनेजमेंट इस मुश्किल समय में भी खिलाड़ी का पूरा साथ देता रहेगा। उन्होंने कहा, 'तो, मैं बस यह पुष्टि करना चाहता हूं कि यश टीम के साथ नहीं जुड़ेंगे। जैसा कि आप जानते हैं, वह इस समय एक निजी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। मैं यह भी साफ कर देना चाहता हूं कि हमने अब तक यश का पूरा साथ दिया है। इस बात का सबूत यह है कि जब हमारे पास खिलाड़ियों को रिटेन करने या रिलीज़ करने का विकल्प था, तब भी हमने यश को रिटेन किया था।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम उन्हें रिटेन करना चाहते थे। वह अभी भी कॉन्ट्रैक्ट के तहत हैं और आने वाले कुछ समय तक कॉन्ट्रैक्ट में ही बने रहेंगे। हम उनसे लगातार संपर्क में हैं। मैंने आज उनसे पहले भी बात की थी, लेकिन यह तय किया गया है कि इस समय उनका हमारे साथ जुड़ना न तो उनके अपने हित में है और न ही फ्रैंचाइजी के हित में। हमारा समर्थन उनके साथ बना रहेगा, और वह अभी भी हमारे साथ कॉन्ट्रैक्ट में हैं; जैसे-जैसे वह अपनी निजी मुश्किलों से गुज़रेंगे, हम उनसे बातचीत जारी रखेंगे।'

दयाल, जिन्होंने हाल ही में एक निजी समारोह में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्वेता पुंडीर से शादी की है, पिछले कुछ समय से कई बड़े विवादों के केंद्र में रहे हैं। कुछ महीने पहले उन्हें अग्रिम जमानत देने से मना कर दिया गया था क्योंकि वह एक ऐसे मामले में शामिल थे जिसमें उन पर कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप था। यह विवाद जुलाई 2025 में तब शुरू हुआ, जब उन पर शादी का झांसा देकर एक महिला का कथित तौर पर शोषण करने का आरोप लगाते हुए एक मुकदमा दायर किया गया। बाद में जयपुर में उनके खिलाफ POSCO एक्ट के तहत एक और मामला सामने आया। इस बीच, RCB IPL 2026 में अपने अभियान की शुरुआत 28 मार्च को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ करेगी।

हम केवल शामिल होने नहीं खिताब जीतने उतरेंगे : शुभमन

-अपने पर भरोसा होने के कारण बने रहते हैं शांत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में कठिन हालातों में भी शांत बने रहते है। शुभमन से जब इसका राज पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पर भरोसा है इसलिए व धैर्य से अपने अनुसार खेलते रहते हैं। इसके अलावा उन्हें अपनी टीम के साथ सुरक्षित महसूस होता है। गुजरात ने एक बार खिताब जीता है जबकि एक बार वह उपविजेता रही है ऐसे में अब शुभमन का लक्ष्य टीम को इस बार जीत दिलाना रहेगा। उनका कहन है कि हम केवल भाग लेने नहीं जीतने के इरादे से उतरेंगे।

गिल ने में कहा, 'मैं स्वयं जैसा हूं और मेरे खेल और अपने समूह में जो विश्वास और सुरक्षा है, उसी से मेरे खेल में संयम आता है।' गुजरात टाइटंस की टीम अपना पहला मुकाबला 31 मार्च को गत उपविजेता पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद उसे 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है।

शुभमन ने कहा, 'किसी भी हालात में शांत रहने से ही खेल आगे बढ़ने पर जीत की संभावना बनी रहती है।।' उन्होंने कहा कि मुख्य कोच आशीष नेहरा से उन्हें ये सीखने को मिला है।

पिछले सत्र में गुजरात को एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। नेहरा ने कहा कि इस बार उनका ध्यान केवल खिताब जीतने पर रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस सत्र में अलग तरह से सोचने की जरूरत नहीं है। वास्तव में, मुझे सोचने की जरूरत नहीं है, खिलाड़ी सोचते हैं। उन्हें खेलना है, मैं बाहर बैठा हूं।'

नेहरा ने कहा, 'पहले दिन से हमारी नीति साफ है। हम केवल शामिल होने नहीं जीतने के लिए यहां हैं। एक नई टीम के लिए यह सोचना आसान होता है कि इसमें समय लगेगा पर हमारा कभी भी ऐसा रवैया नहीं रहा।' गुजरात के लिए सकारात्मक पक्ष आशीष नेहरा जैसा कोच होना है जो टीम को लगातार बेहतर करने प्रेरित करते रहते हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स अपना पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी

-मध्यक्रम के कमजोर होने से शीर्ष क्रम पर रहेगा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम जीत के इरादे से उतरेगी। टीम अपने पिछले सत्र की गलतियों से सीखते हुए अपना पहला खिताब हासिल करना चाहेगी। टीम के लिए जीत दर्ज करना आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि उसका मध्यक्रम कमजोर है हालांकि शीर्ष क्रम के साथ ही तेज गेंदबाजी अच्छी है। पिछले सत्र में टीम 14 में से केवल 6 ही मैच पायी थी और प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच थी। इस बार प्रशंसकों को टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। निकोलसन पूरन और एडेन मार्करम के होने से लखनऊ का शीर्ष क्रम अच्छा है। मार्श और मार्करम ने पिछले सत्र में भी काफी बेहतर प्रदर्शन किया था पर टीम के मध्य क्रम में कमजोरी नजर आती है। ऐसे में कप्तान ऋषभ के ऊपर जिम्मेदार बढ़ जाती है। उन्हें देखना होगा कि किस प्रकार टीम अधिक से अधिक रन बनाये। उनका साथ आयुष बदोनी, अब्दुल समद और शाहबाज अहमद जैसे बल्लेबाज देंगे। होगा। वहीं दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीत्जके से भी लखनऊ टीम को आईपीएल 2026 में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

लखनऊ का मजबूत पक्ष उनकी अच्छी तेज गेंदबाजी है। उसके पास आवेश खान, मोहम्मद शमी, मयंक यादव और एनरिक नॉर्टजे जैसे बल्लेबाज हैं। युवा मोहसन खान और प्रिंस यादव पर भी लोगों की नजरें रहेंगी। स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी के पास होगी। दिग्वेश ने पिछले सीजन अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था। लखनऊ को उम्मीद करनी होगी की श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा फिट हो जायें।। हसरंगा अगर पूरी तरह से फिट हो जाते हैं, तो टीम को काफी लाभ होगा।

वैभव सफल रहे तो रॉयल्स की जीत तय : अश्विन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह बड़ी पारी खेलता है तो राजस्थान रायल्स को जीत मिलनी तय है। वैभव ने गत वर्ष अपने पहले ही सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। अब उम्मीद है कि इस नये सत्र में वह और भी बेहतर बल्लेबाजी करेगा। वैभव ने अंडर-19 विश्वप में भी कई अच्छी पारियां खेली थीं जिससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अश्विन कहा कहना है कि वैभव रॉयल्स के लिए किसी एक्स फैक्टर की तरह रहेगा। ऐसे में अगर वह क्रीज पर टिक गया तो रॉयल्स को बढ़े स्कारे स रोकना कठिन हो जाएगा। वैभव ने आईपीएल के अपने पहले सत्र में सात मैचों में 252 रन बनाते हुए 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इससे उनकी आक्रामक शैली का अंदाज होता है। सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह IPL इतिहास में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ हैं। अश्विन के अनुसार वह इस सीज़न में रॉयल्स के लिए मैच में अंतर ला सकते हैं। साथ ही कहा कि वह अभी अपने करियर के शुरुआती दौर में है, इसलिए उस पर ज़रूरत से ज़्यादा दबाव डालना सही नहीं होगा।

अभी टीम के लिए काफी कुछ करना चाहता हूं : स्टोक्स

जून में क्रिकेट सत्र शुरु होने के बाद बेहतर प्रदर्शन रहेगा लक्ष्य

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में टीम की करारी हार के बाद भी कप्तान बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकलम को उनके पद पर बनाये रखा है। इससे पहले माना जा रहा था कि एशेज सीरीज में मिली 4-1 की हार के बाद कोच और कप्तान को को हटा दिया जाएगा। वहीं बोर्ड से मिले समर्थन से उत्साहित स्टोक्स ने कहा है कि वह वह अभी टीम के लिए काफी कुछ करना चाहते हैं। जून में क्रिकेट सत्र शुरु होने के बाद उनका लक्ष्य और भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्टोक्स ने सोशल मीडिया में जारी एक बयान में, ' इंग्लैंड के क्रिकेट प्रशंसकों देश का कप्तान होना किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान होता है जिसे वह हल्के में इसे हल्के में नहीं लेते। साथ ही कहा कि कप्तानी करते हुए अच्छे और खराब दोनों ही प्रकार के अवसर आते हैं। इसमें कभी खुशी और कभी गम भी मिलता है। खेल आपको पूरी तरह से अपने अंदर समा लेता है और कभी-कभी ऐसा लगता है कि आपकी ज़िंदगी में बस यही एक चीज़ है।' उन्होंने माना, पिछले 3 महीने मेरी कप्तानी के सफर का सबसे कठिन समय रहा है, इसने मुझे कई अलग-अलग तरीकों से परखा है और मुझे भरोसा है कि हर दूसरा कप्तान भी इससे गुजरा होगा। इसके बाद भी मैकलम, रॉब की और मुझमें इस टीम को आगे ले जाने का जुनून और इच्छा है, हम आपको वह सब कुछ देंगे जो हमारे पास है, हम जानते हैं कि हमने रास्ते में गलतियां कीं और हमने उन गलतियों से काफी कुछ सीखा है, आप सफलता से ज्यादा असफलताओं से सीखते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने अपने बारे में बहुत कुछ सीखा है पर सबसे जरूरी बात जो मैं प्रशंसकोंको बताना चाहता हूँ वह यह है कि मुझे क्रिकेट बहुत पसंद है, मुझे यह टीम बहुत पसंद है, मुझे इंग्लैंड का कप्तान बनना बहुत पसंद है और मुझे इस भूमिका में देने के लिए बहुत कुछ है और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे कप्तानी का अवसर मिला।

बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए जारी किये दिशा निर्देश

-सभी खिलाड़ियों को करना होगा पालन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के लिए नये दिशा निर्देश जारी किये है। बोर्ड ने ये कदम इसलिए उठाया है जिससे खिलाड़ियों की मनमानी पर रोक लगायी जा सके। बीसीसीआई ने अपने नए आदेश में कहा है नये नियमों का पालन सभी को करना होगा। इसके तहत अब हर टीम के खिलाड़ी केवल टीम बस में ही यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा मैच के दिन किसी भी अभ्यास सत्र की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भी अलग इंतजाम किया है, जहां टीमों को मेन चौक के दोनों तरफ अभ्यास के लिए दो-दो विकेट दिए जाएंगे। इस दौरान कोई भी टीम विरोधी टीम को दिए गए अभ्यास विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। टीम मैनेजर्स को नये दिशा निर्देशों की प्रति भेज दी हैं।

इसमें कहा गया है कि टीमों को प्रैक्टिस एरिया में 2 नेट और मेन स्क्वायर पर 1 साइड विकेट मिलेगा, जहां वे रेंज हिटिंग कर सकें। मुंबई वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर अभ्यास कर रही हैं, तो हर टीम को 2 पिचें मिलेंगी। वहीं कोई भी ओपन नेट अलाउड नहीं होगा। अगर कोई टीम अपना अभ्यास जल्दी खत्म भी कर लेती है तब भी दूसरी टीम को उस पिच का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। मैच के दिनों में किसी अभ्यास की अनुमति नहीं होगी।मैच वाले दिन मेन चौक पर कोई फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। अभ्यास के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ को ड्रेसिंग रूम और फील्ड ऑफ प्ले में आने की अनुमति रहेगी। खिलाड़ी के परिवार के सदस्य और दोस्त अलग गाड़ी में सफर कर सकते हैं और हॉस्पिटैलिटी एरिया से टीम का अभ्यास देख सकते हैं। एक्सटेंडेड सपोर्ट स्टाफ (थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट/नेट बॉलर) के लिए सूची बोर्ड को मंजूरी के लिए भेजनी होगी। मंजूरी मिलने के बाद, नॉन-मैच डे एक्रेडिटेशन जारी किए जाएंगे। खिलाड़ी अभ्यास के लिए आते समय टीम बस का इस्तेमाल करेंगे। टीमें दो बैच में सफर कर सकती हैं।

इसके अलावा मैच के दिन के लिए भी दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।

प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया से मान्यता प्राप्त स्टाफ के लिए मैच वाले दिन अपना एक्रेडिटेशन लाना जरूरी है। पहली बार एक्रेडिटेशन न लाने पर चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, टीम पर पैसे का जुर्माना लगाया जाएगा। हिटिंग नेट देने के बाद भी, खिलाड़ी एईडी बोर्ड पर हिट करते रहते हैं जिसकी अनुमति नहीं रहेंगी। खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ एलईडी बोर्ड के सामने न बैठें। लाड़ी ऑरेंज और पर्पल कैप पहनेंगे। प्रेजेंटेशन में फ्लॉपी और स्लीवलेस जर्सी पहनने की इजाजत नहीं है। ऐसा न करने पर पहली बार में चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, पैसे का जुर्माना लगेगा। मैच के दिनों में केवल 12 एक्रेडिटेड सपोर्ट स्टाफ को ही इजाज़त होगी, जिसमें टीम डॉक्टर भी शामिल हैं। जर्सी नंबर में बदलाव की जानकारी एकदिन पहले देनी होगी।

अलेक्जेंडर ओवेचकिन ने आईस हॉकी में अपना एक 1000वां गोल दागा

वॉशिंगटन। वॉशिंगटन कैपिटल्स के अलेक्जेंडर ओवेचकिन रविवार को एनएचएल के रेगुलर सीजन और प्लेऑफ, दोनों को मिलाकर एक हजार गोल करने वाले दूसरे पुरुष आइस हॉकी खिलाड़ी बन गए। 40 साल के इस खिलाड़ी ने लीग में सबसे आगे चल रही टीम, कोलोराडो एवलांच के खिलाफ मैच के तय समय में 5-43 मिनट बाकी रहते हुए, एक पावर प्ले के दौरान यह ऐतिहासिक गोल किया। लेकिन इसके बावजूद वॉशिंगटन अतिरिक्त समय में 3-2 से हार गया। यह इस सीजन में ओवेचकिन का 26वां रेगुलर-सीजन गोल था और उनके करियर का कुल 923वां गोल था, जिससे उनका रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया। यह उपलब्धि उस समय के लगभग एक साल बाद हासिल हुई है, जब इस महान आइस हॉकी खिलाड़ी ने एनएचएल के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में वेन ग्रेट्स्की को पीछे छोड़ दिया था। तीन बार के ओलंपियन ओवेचकिन अब ग्रेट्स्की के कुल एनएचएल गोलों के रिकॉर्ड के और भी करीब पहुंच गए हैं। इस महान कनाडाई खिलाड़ी ने अपने करियर का समापन कुल 1,016 एनएचएल गोलों के साथ किया था- जिनमें से 894 गोल रेगुलर सीजन में और 122 गोल प्लेऑफ में किए गए थे। प्लेऑफ में किए गए गोलों का यह रिकॉर्ड आज भी ग्रेट्स्की के नाम पर ही दर्ज है। वॉशिंगटन कैपिटल्स को अभी रेगुलर सीजन के 11 मैच और खेलने हैं, और फिलहाल उनका रिकॉर्ड 35-27-9 का है। एलेक्स ओवेचकिन ने वेन ग्रेट्स्की के 31 साल पुराने एनएचएल करियर गोलों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पाकिस्तान के फरहान को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड मिला

दुबई। हाल में हुए टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह का आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड दिया है। इसी के साथ ही फरहान नवंबर 2024 में हारिस रऊफ के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। फरहान ने दो शतक के साथ ही आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह टूर्नामेंट के इतिहास में एक ही सत्र में दो शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। फरहान इस पूरे टूर्नामेंट में पाक की ओर से रन बनाने वाले अकेले खिलाड़ी रहे। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्तर के मुकाबले के अलावा श्रीलंका के खिलाफ शतक लगाया था। फरहान ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक कुल 383 रन बनाये। उन्होंने कहा, 'आईसीसी टी20 विश्व कप में अवॉर्ड जीतना एक सुखद अहसास है। दुनियाभर के प्रशंसकों ने इससे देखा था जिससे इसमें अवार्ड जीतना खास रहा है।'

सैफ अंडर20 चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम मालदीव पहुंची, पाकिस्तान से होगा पहला मैच

माल। भारत की अंडर 20 पुरुष फुटबॉल टीम सैफ चैम्पियनशिप में भाग लेने यहां पहुंच गई है और पहले मैच में बृहस्पतिवार को पाकिस्तान से खेलेगी। इस मैच के बाद ग्रुप बी में भारतीय टीम का सामना 28 मार्च को बांग्लादेश से होगा । दोनों मैच नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। ग्रुप ए में मालदीव, श्रीलंका, नेपाल और भूटान की टीमें हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जो एक अप्रैल को होगा। फाइनल तीन अप्रैल को खेला जाएगा। भारत के अंडर 20 मुख्य कोच महेश गवली ने कहा, 'यह काफी अहम और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। सभी टीमें काफी प्रतिस्पर्धी है और हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।'

भारतीय टीम - गोलकीपर : अल्साबित एसटी, प्रणव सुंदरमन, सूरज सिंह

डिफेंडर : बूंगसोन सिंह टी, जोडरिक अब्रांचेस, करीश सोराम, मालेमंगांबा सिंह थोकचोम, मोहम्मद कैफ, रोशन सिंह थांगजाम, उशाम सिंह, याइफारेम्बा चिंगाखाम

मिडफील्डर : अनिकेत यादव, डैनी मेतेइ लैशराम, गुरनाज सिंह ग्रेवाल, मोहम्मद अरबाश, रिषिकांता मेतेइ लैशराम, रिषि सिंह एन

फॉरवर्ड - उमंग दोडुम, प्रशान जाजो, रोहेन सिंह, विशाल यादव, सैमसन ए, तनबीर डे

थॉमस कप में भारतीय अभियान की अगुवाई करेंगे ऑल-इंग्लैंड के उपविजेता लक्ष्य सेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट में उपविजेता रहे लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे जबकि पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु और उभरती हुई स्टार उन्नति हुड्डा उबर कप में भारतीय चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय बैडमिंटन संघ ने 2022 में थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली टीम के खिलाड़ियों को काफी हद तक बरकरार रखा है। उसने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाली प्रतियोगिता के लिए सेन, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बनाए रखा है। युवा शटलर आयुष शेट्टी को सीनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद पहली बार टीम में जगह मिली है।

पुरुष टीम में 2022 की खिताब विजेता टीम के सदस्य एमआर अर्जुन की भी वापसी हुई है, जिन्होंने चोट से उबरकर नए खिलाड़ी हरिहरन अमसाकरुनन के साथ युगल टीम में जगह बनाई है। 2022 की युगल टीम के सदस्य ध्रुव कपिला भी टीम का हिस्सा हैं जबकि किरण जॉर्ज एकल में अतिरिक्त मजबूती प्रदान करेंगे। उबर कप में 2019 की विश्व चैंपियन सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली के साथ मिलकर भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगी।

भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी और उसका लक्ष्य इस बार अपने इस प्रदर्शन में सुधार करना होगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में शामिल है। भारतीय बैडमिंटन संघ ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'टीम का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है, जिनमें ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो जैसे खिलाड़ियों को युगल में उनके अनुभव के कारण टीम में जगह मिली है।'

भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, 'हमारी दोनों टीमों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। सीनियर खिलाड़ी स्थिरता लाते हैं और युवा खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने दिखाया है कि वे इस स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, जिससे हमें टूर्नामेंट में उतरने से पहले आत्मविश्वास मिलता है।' उन्होंने कहा, 'महिला टीम में देविका सिहाग का चयन इस साल की शुरुआत में थाईलैंड मास्टर्स में खिताब जीतने के बाद हुआ है, जबकि इशारानी बरुआ ऑरलियन्स मास्टर्स में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद टीम में शामिल हुई हैं। तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा का खेल लगातार बेहतर होता जा रहा है।'

भारतीय टीम इस प्रकार है

पुरुष : लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, एच.एस. प्रणय, किरण जॉर्ज, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्सकरुनन, एम. आर. अर्जुन, ध्रुव कपिला।

महिला: पीवी सिंधु, उन्नति हुडा, तन्वी शर्मा, देविका सिहाग, इशारानी बरुआ, ट्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद पुलेला, कविप्रिया सेल्वम, सिमरन सिंघी, तनीषा क्रास्टो।

विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान सीएम सुक्खू ने कहा, राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं है और सरकार 2032 तक सभी कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ देगी। उन्होंने कहा कि सरकार उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रही है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा प्रदेश की वित्तीय स्थिति को कमजोर बताने के दावे को सीएम सुक्खू ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन में कटौती नहीं की गई है, बल्कि इस केवल छह महीने के लिए स्थगित किया है। साथ ही उन्होंने जयराम ठाकुर पर गलत आंकड़े प्रस्तुत करने का आरोप लगाकर कहा कि यदि सही आंकड़े दिखाते, तब स्थिति को लेकर भ्रम नहीं फैलता। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि यदि विपक्ष सरकार के फैसलों का विरोध नहीं कर रहा और कोर्ट नहीं जा रहा, तो इसका मतलब है कि वे भी वास्तविक स्थिति को समझते हैं। इसके अलावा, उन्होंने सोलन और कुल्लू जिलों के अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने की योजना की जानकारी दी, जिसके लिए लगभग 28 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक मशीनें खरीदी जाएगी। अंत में सुक्खू ने सवाल उठाया कि कौन सी सरकार बेहतर है—वह जो 17 हजार करोड़ की आरडीजी से चल रही है या वह जिसने 76 हजार करोड़ के कर्ज का दुरुपयोग किया।

वजन घटाने वाली दवा को लेकर सतर्क ड्रग्स कंट्रोलर... दवा की बिना अनुमति बिक्री और प्रचार पर सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। वजन घटाने वाली दवा (जीएलपी-1) की सप्लाई चेन में नैतिक फार्मास्युटिकल तरीकों को सुनिश्चित करने भारत के ड्रग्स कंट्रोलर ने दवा की बिना अनुमति बिक्री और प्रचार के खिलाफ जांच तेज कर दी है। भारतीय बाजार में जीएलपी-1 आधारित वजन घटाने वाली दवाओं के कई जैनेरिक वेरिएंट के आने के साथ रिटेल फार्मेसियों, ऑनलाइन, थोक विक्रेताओं और वेलनेस क्लीनिकों के माध्यम से इसकी मांग को लेकर चिंता सामने आई हैं। जब इन दवाओं का उपयोग उचित चिकित्सकीय देखरेख के बिना किया जाता है, तब इनके गंभीर दुष्प्रभाव और संबंधित स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। स्थिति का संज्ञान लेकर भारत के ड्रग्स कंट्रोलर ने राज्य रेगुलेटरों के सहयोग से फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में संभावित गलत तरीकों को रोकने और बिना अनुमति बिक्री तथा उपयोग को रोकने के लिए कई लक्षित कार्रवाइयां शुरू की हैं। 10 मार्च 2026 को सभी निर्माताओं को विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें स्पष्ट रूप से सरोगेट विज्ञापनों (अप्रत्यक्ष विज्ञापनों) और किसी भी प्रकार के अप्रत्यक्ष प्रचार पर रोक लगाई गई थी, जो उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है। हाल के हफ्तों में प्रवर्तन गतिविधियों को काफी बढ़ाया गया है। 49 संस्थाओं पर ऑडिट और निरीक्षण किए गए, जिसमें शामिल हैं ऑनलाइन फार्मेसी के गोदाम, दवा के थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, और वेलनेस तथा स्लिमिंग क्लीनिक प्रमुख है। ये निरीक्षण देश भर के कई क्षेत्रों में किए गए और इनका मुख्य उद्देश्य बिना अनुमति बिक्री, गलत प्रिस्क्रिप्शन (दवा लिखने) के तरीके, और गुमराह करने वाले मार्केटिंग से संबंधित उल्लंघनों की पहचान करना था। रेगुलेटर इस बात पर जोर देता है कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है। चिकित्सकीय देखरेख के बिना वजन घटाने वाली दवाओं का गलत उपयोग गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे ऐसी दवाओं का उपयोग केवल योग्य चिकित्सकों के मार्गदर्शन में ही करें।

देश के कई राज्यों में गुजरते मार्च में होगी बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी और मैदानी राज्यों में भी हल्की से तेज बारिश का असर है। राजस्थान में एक हफ्ते से बारिश और तेज हवा का अनुमान है। जो मार्च के अंत तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 से 31 मार्च के बीच राज्य में दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम सक्रिय होने वाले हैं। मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर है। इसके कारण राज्य के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग में बादल छाए। इसके कारण दिन के तापमान में गिरावट आई। 26-27 मार्च से आंधी-बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ सहित 10 जिलों में बारिश हुई। यहां तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सिय या उससे भी नीचे रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 मार्च से एक और वेस्टर्न डिस्टर्वेंस सक्रिय होगा। इससे 3-4 दिन तक पूरे प्रदेश में फिर बारिश हो सकती है। 25 मार्च को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने की आशंका है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल और सिक्किम में हल्की बारिश की संभावना। वहीं 26 मार्च को मध्य भारत, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना है। राजस्थान में पिछले सप्ताह शुरू हुआ आंधी-बारिश का दौर मार्च के अंत तक जारी रहेगा। मौसम विभाग ने राज्य में 26 से 31 मार्च के बीच दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम के सक्रिय होने की संभावना जाहिर की है। पिछले 24 घंटे में जयपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं जिलों में बारिश हुई। दोपहर में कोटा, बारां, अजमेर में बारिश हुई।

लालू को फिर झटका, दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका में कोई दम नहीं... ये कहकर खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में स्थित दिल्ली हाई कोर्ट ने आरजेडी प्रमुख और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को लैंड-फॉर-जॉब्स मामले में बड़ा झटका देकर उनकी याचिका खारिज कर दी। याचिका में उन्होंने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। अदालत ने साफ कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। इस फैसले से लालू यादव को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है और उनकी कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सुनवाई के दौरान लालू यादव के वकील ने दलील दी कि यह जांच ५गैर-कानूनी और दुर्भावनापूर्ण५ है और उनके मुवक्किल के निष्पक्ष जांच के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है। उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए का हवाला देकर कहा कि बिना पूर्व मंजूरी के शुरू की गई जांच अवैध मानी जानी चाहिए। साथ ही यह भी तर्क दिया गया कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत कार्रवाई की जा रही है। हालांकि अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। यह मामला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि उस दौरान रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरियां देने के बदले लोगों से जमीन ली गई।

कपिल सिब्बल को फटकराते हुए सुप्रीम कोट... केवल 'ईडी,ईडी,ईडी' की रट मत लगाइये

सिब्बल से पूछा... क्या किसी सरकारी अधिकारी के मौलिक अधिकार नहीं होते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम सुनवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच चल रहे विवाद में महत्वपूर्ण सवाल उठाकर पूछा है कि क्या किसी सरकारी अधिकारी के मौलिक अधिकार नहीं होते हैं या केवल सरकारी अधिकारी होने के कारण वे अपने मौलिक अधिकार खो देते हैं? जस्टिस पी.के.मिश्रा और जस्टिस एन.वी.अंजारिया की पीठ ने कहा कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने मामले में व्यक्तिगत रूप से याचिका दायर की है। इसके बाद यह तर्क देना कि प्रवर्तन निदेशालय अनुच्छेद 32 के तहत याचिका नहीं दायर कर सकती। यह याचिका ममता बनर्जी पर राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के खिलाफ की गई तलाशी अभियानों में कथित हस्तक्षेप के आरोप में दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा, ÷क्या ईडी के अधिकारी हो जाने की वजह से देश के नागरिक नहीं रह जाते? उनके मौलिक अधिकारों का क्या?÷ पीठ ने कहा कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में अदालत में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने चेताया कि केवल ईडी,ईडी,ईडी÷ कहकर मामले को नहीं देखा जा सकता, बल्कि उन अधिकारियों के अधिकारों पर ध्यान देना जरूरी है जो इस पूरे घटनाक्रम में कथित रूप से प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस मिश्रा ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी कर कहा, कृपया ईडी के उन अधिकारियों के मौलिक अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करें, जिनके संबंध में अपराध किया गया है। अन्यथा, आप मुख्य मुद्दे से भटक जाएंगे। आप उस दूसरी याचिका को नहीं भूल सकते, जिस याचिका को उन व्यक्तिगत अधिकारियों ने दायर किया है, जो इस अपराध के पीड़ित हैं। मैं आपको बता रहा हूं, आप मुश्किल में पड़ जाएंगे। सिर्फ ईडी, ईडी, ईडी की रट न लगाएं।

वहीं पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ

वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि जांच करना कोई मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक वैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर जांच में बाधा आती है, तब उसका समाधान कानून के तहत है, न कि अनुच्छेद 32 के जरिए होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम किसी कानून की व्याख्या किसी विशेष परिस्थिति के संदर्भ में करके, आपराधिक कानून की मूल विशेषताओं के विपरीत जाकर मुसीबतों का नहीं खोल सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी समय का हवाला देकर सुनवाई टालने की मांग भी खारिज की। जस्टिस मिश्रा ने कहा, ÷हम न चुनाव का हिस्सा बनना चाहते हैं, न किसी अपराध का। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह टिप्पणी इस बात का संकेत है कि कोर्ट इस मामले को गंभीरता से देख रहा है और टालने के पक्ष में नहीं है।

पूरा मामला क्या है?

यह विवाद जनवरी में तब शुरू हुआ, जब ईडी ने पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ठिकानों पर छापेमारी की। आरोप है कि तब सीएम ममता बनर्जी मौके पर पहुंचीं थी और उन्होंने कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वहां से हटा लिए थे। ईडी का दावा है कि इससे उनकी जांच प्रभावित हुई। यह जांच कथित कोयला तस्करी मामले से जुड़ी है, जिसमें कारोबारी अनूप माजी पर आरोप हैं।

अमेरिका और ईरान का तनाव कम करने के लिए भारत समेत 4 मुस्लिम देश हुए सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष को रोकने और इसे महायुद्ध में बदलने से बचाने के लिए दुनिया की बड़ी ताकतें पर्दे के पीछे से सक्रिय हो गई हैं। ताजा रणनीतिक घटनाक्रम और वरिष्ठ राजनयिकों से मिली जानकारी के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए ओमान और तुर्की के माध्यम से अत्यंत गोपनीय बैकचैनल वार्ताएं आयोजित की जा रही हैं। ऐतिहासिक रूप से मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान ने एक बार फिर दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों को संवाद की मेज पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनयिक हलकों में हो रही इन चर्चाओं से यह भी स्पष्ट हुआ है कि इस शांति प्रक्रिया में केवल तुर्की और ओमान ही नहीं, बल्कि भारत, सऊदी अरब और मिस्र जैसे देश भी लगातार कूटनीतिक संदेशों के आदान-प्रदान का जरिया बने हुए हैं। भारत के संबंध ईरान और अमेरिका दोनों के साथ संतुलित और बेहतर हैं, जिसे देखते हुए नई दिल्ली ने क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए संवाद के रास्ते खुले रखने में मदद की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन देशों की मध्यस्थता और कूटनीतिक दबाव ने युद्ध को अनियंत्रित होने से रोकने में एक सिक्योरिटी वाल्व की तरह काम किया है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि इन गुप्त वार्ताओं का हालिया घोषित 5-दिवसीय युद्ध विराम के फैसले पर कितना सीधा प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसके सकारात्मक संकेत जरूर मिले हैं। युद्ध के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही यह पहली बार देखा जा रहा है कि इतने सारे प्रभावशाली राष्ट्र एक साथ मिलकर वाशिंगटन और तेहरान के बीच की खाई को पाटने की कोशिश कर रहे हैं। चर्चा है कि आने वाले समय में कूटनीतिक समाधान की कोशिशें और तेज हो सकती हैं। कूटनीतिक गलियारों में यह दावा भी किया जा रहा है कि पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की कोशिशों के बाद भविष्य में होने वाली उच्च स्तरीय बैठकों में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हो सकते हैं। फिलहाल, सैन्य तनाव के बीच इन गुप्त वार्ताओं ने वैश्विक स्तर पर शांति की नई उम्मीद जगाई है।

कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा

-दो सहयोगियों को भी 30-30 साल की जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं उसकी दो सहयोगियों सोफी फहमीदा और नाहिदा

नसरीन को 30-30 साल की जेल की सजा दी गई। तीनों को इससे पहले जनवरी में गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दोषी ठहराया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की अदालत ने सजा पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपने पूर्व निर्णय में कहा था कि आसिया अंद्राबी और उसकी सहयोगियों ने कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश रची और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहीं। 14 जनवरी को अदालत ने तीनों आरोपियों को यूएपीए की विभिन्न धाराओं-धारा 20 (आतंकवादी संगठन का सदस्य होना), धारा 38 (आतंकवादी संगठन से जुड़ाव) और धारा 39 (आतंकवादी संगठन का समर्थन) के तहत दोषी ठहराया था। इसके अलावा, भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए, 153बी, 120बी, 505 और 121ए के तहत भी इन्हें अपराधी पाया गया। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से वरिष्ठ सरकारी वकील ने कड़ी सजा की मांग की थी। एजेंसी का कहना था कि आरोपी देश के खिलाफ गंभीर साजिशों और गतिविधियों में शामिल रही हैं, इसलिए उन्हें ऐसी सजा दी जानी चाहिए जो समाज में एक कड़ा संदेश दे और भविष्य में इस तरह के अपराधों पर रोक लगे। गौरतलब है कि तीनों आरोपियों को जुलाई 2018 में गिरफ्तार किया गया था। लंबे समय तक चली सुनवाई और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह फैसला सुनाया, जिसे देश विरोधी गतिविधियों के खिलाफ एक सख्त कानूनी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी एक अबोध बालक, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं

-गिरिराज ने विपक्ष के नेता पर कसा तंज, बोले- मोदी के नेतृत्व पर सबको भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अबोध बालक बताया और उन पर कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी एक अबोध बालक हैं, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं। मैंने जिक्र किया था कि कोविड काल में भी उनकी गतिविधियां देश में भ्रम फैलाने और लोगों को भड़काने से जुड़ी थीं। आज भारत के नेतृत्व और जनता को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरिराज सिंह ने कहा कि हमने कोविड-19 के खिलाफ सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी। इस देश में अभी तक ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। मैंने देखा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब राहुल गांधी की आवाज कहां है? वे दूसरी जगहों पर इस बारे में शोर मचाते रहते हैं, वे यह क्यों नहीं पूछते कि वहां कीमतें क्यों बढ़ाई गईं? भले ही देश के पीएम मोदी ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं, जबकि अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने बढ़ा दी हैं, प्रबंधन का

मतलब ही यही है। इसीलिए मैं कह सकता हूं कि भारत को किसी भी चीज से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि भारत की जनता में अपार आत्मविश्वास है। हम किसी भी आपदा को अवसर में बदल सकते हैं और चुनौतियों का डटकर सामना कर सकते हैं। इस देश की एकमात्र समस्या विपक्ष का नेता (एलओपी) है।

गिरिराज यह टिप्पणी विपक्षी नेता राहुल गांधी द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति के संबंध में पीएम मोदी के लोकसभा भाषण की आलोचना के बाद आई है, जिसमें राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर अमेरिका का नाम न लेने का आरोप लगाया और कहा कि वह ट्रम्प के 100फीसदी नियंत्रण में हैं। राहुल ने कहा कि मैंने सुना है कि पीएम मोदी ने 25 मिनट का भाषण दिया, लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि वे संसद में किसी बहस में भाग नहीं ले सकते क्योंकि वे समझौता कर चुके हैं। मोदी ने 25 मिनट तक भाषण दिया लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। पीएम मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में हैं।

राहुल गांधी ने दावा किया कि पीएम मोदी ने व्यापार समझौते के जरिए भारत के कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दिया है और चेतावनी देते हुए कहा कि यहां हमारे पास छोटे खेत हैं, जबकि अमेरिका में हजारों एकड़ में फैले बड़े-बड़े खेत हैं। यहां लोग हाथों से काम करते हैं, और वहां बड़े-बड़े मशीनों से काम होता है। अगर अमेरिकी सामान भारत आने लगे, तो हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे। ये टिप्पणियां पीएम मोदी के लोकसभा में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष पर दिए गए भाषण के बाद आईं।

मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है, उनका साम्राज्य जाने वाला है

केजरीवाल बोले- आज चुनाव बेईमानी से जीते जा रहे, सबसे बड़ा उदाहरण मैं हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर 2026 पूरा नहीं कर पाएंगे। मेरा दिल और राजनीतिक समझ कहती है कि मोदी और अमित शाह जाने वाले है। केजरीवाल ने कहा कि मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है। उनका साम्राज्य जाने वाला है। केजरीवाल ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की किताब लॉन्चिग के मौके पर दिल्ली में कही। इस दौरान दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल और संजय सिंह समेत कई विपक्षी नेता मौजूद थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबक केजरीवाल ने कहा कि एक समय ऐसा होता था जब एक भी नेगेटिव कमेंट आता था तो इनकी पूरी मशीनरी मिलकर उसको डिलीट या म्यूट कर देती थी, लेकिन अब तो मोदी एक पोस्ट करते हैं तो नीचे कमेंट बॉक्स में सिर्फ गालियां मिलती हैं। उन्होंने कहा कि पहले जब मोदीजी के खिलाफ कोई मीम बना देता था तो उसको जेल हो जाती थी, लेकिन अब इतने मीम बन रहे हैं कि किस-किस को जेल में डालेंगे। सोशल मीडिया का पूरा माहौल और इको-सिस्टम ही बदल चुका है। वही आपको बताता है कि मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है।

बीजेपी के चुनाव जीतने पर केजरीवाल ने कहा कि चुनाव बेईमानी से जीते जा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा जीता जागता उदाहरण मैं हूं। मैं नई दिल्ली विधानसभा से चुनाव लड़ा। मेरे जेल जाने से पहले मेरी विधानसभा में जब मैं पिछली बार लड़ा था तो 1 लाख 48 हजार वोट थे। जब मैं जेल से लौटकर आया तो 1 लाख 6 हजार वोट बचे थे। 42 हजार वोट इन्होंने पीछे से कटवा दिए। उन्होंने कहा कि ये इसी तरह से जीत रहे हैं। वोट जोड़ते हैं, डिलीट करवाते हैं और फर्जी वोट डलवाते हैं। जब देश को इन दोनों से मुक्ति मिलेगी तो एक संतुष्टि यह होगी कि इस लड़ाई में हमने भी योगदान दिया और हम भी जेल गए थे।

इससे पहले केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से पैदा हालात को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में गिरावट है, एलपीजी की कमी से कई कारोबार प्रभावित हुए हैं और लोग गर्मी में सिलेंडर के लिए कतारों में खड़े हैं। साथ ही प्रवासी मजदूरों के सामने रोजगार का संकट है और रुपया भी निचले स्तर पर पहुंच गया है। जब दुनिया को पहले से अंदेशा था, तो सरकार ने पहले से तैयारी क्यों नहीं की और हर संकट का बोझ आम लोगों पर ही क्यों डाला जाता है।

अलवर: घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र की एसी फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का हुआ नुकसान

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर जिले में स्थित नीमराणा के घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ स्थित ट्रांस एचसीआर नामक एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनी में मंगलवार तड़के करीब 3 बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते उसने पूरी फैक्ट्री को अपनी आगोश में ले लिया। रात के सन्नाटे में उठती आग की गगनचुंबी लपटें और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से साफ देखा जा सकता था, जिससे आसपास के ग्रामीणों और अन्य औद्योगिक इकाइयों में भारी दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो गया। नीमराणा, बहरोड़, घीलोठ और सोतानाला से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा क्योंकि फैक्ट्री के भीतर एसी निर्माण में प्रयुक्त होने वाला ज्वलनशील सामान, प्लास्टिक पाट्र्स, पैकिंग सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भारी भंडार था। इस सामग्री ने ईंधन का काम किया, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई। गनीमत यह रही कि हादसा देर रात हुआ जब फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिसके कारण एक बड़ा जानी नुकसान टल गया।

मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग की लपटें इतनी तीव्र थीं कि फैक्ट्री की छत धधक उठी और परिसर के भीतर से रुक-रुक कर धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं। आशंका जताई जा रही है कि फैक्ट्री के अंदर रखे गैस सिलेंडर, कंप्रेसर या केमिकल कंटेनर अत्यधिक गर्मी के कारण फट गए, जिसने आग को और अधिक विकराल बना दिया। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, इस अग्निकांड में करोड़ों रुपये का कच्चा माल और कीमती मशीनरी जलकर राख हो गई है, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

प्रशासन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। आग के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की टीम बुलाई जा रही है, जो शॉर्ट सर्किट, मशीनरी में तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसे बिंदुओं पर जांच करेगी। स्थानीय निवासियों और औद्योगिक संगठनों ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने की मांग की है। फिलहाल, सुरक्षा के लिहाज से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है।

ईरान की रणनीति देख भारत ने भी पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल किया

-इस 'देसी ब्रह्मास्त्र' में है कम समय में भारी तबाही मचाने की क्षमता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की अमेरिका-इजराइल के खिलाफ चल रहे महायुद्ध ने इस चिंता को बढ़ा दिया है। इस वैश्विक तनाव और पाकिस्तान-चीन सीमा पर बढ़ते खतरे के बीच भारतीय सेना ने अपनी रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय सेना ने एक और पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल कर लिया है और इस साल के अंत तक एक और रेजिमेंट को शामिल करने की तैयारी में है। इससे सेना के पास अब 7 पिनाका रेजिमेंट हो गए हैं, जो पाकिस्तान और चीन सीमा पर तैनात हैं।

मीडिया रिपोर्ट में रक्षा सूत्रों ने हवाले से बताया गया है कि पिनाका के आठवें रेजिमेंट के लिए अब आधे से ज्यादा उपकरण प्राप्त किए चुके हैं और 2026 के अंत तक पूरी तरह ऑपरेशनल हो जाएगा। अगले साल दो और रेजिमेंट को शामिल करने की योजना है, जिससे कुल संख्या 10 हो जाएगी। भारतीय सेना का लक्ष्य 22 पिनाका रेजिमेंट बनाने का है, जिसमें नई लंबी दूरी वाली गाइडेड मिसाइलों से लैस संस्करण शामिल होंगे। ये पुरानी सिस्टम की जगह लेंगे और छोटे मिसाइल-ड्रोन के हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

भारत की पाकिस्तान से सटी पश्चिमी सीमा और चीन से सटी उत्तरी सीमा पर हालात लंबे समय से संवेदनशील रहे हैं। खासतौर पर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद सेना ने अपनी आर्टिलरी ताकत को तेजी से मजबूत करने का फैसला लिया। भारतीय सेना ने तब भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड, टाटा पॉवर और लार्सन एंड टुब्रो के साथ करीब 2,580 करोड़ रुपए के छह पिनाका रेजिमेंट के लिए समझौता किया था। अब इनका तेजी से उत्पादन और तैनाती की जा रही है। ईरान-अमेरिका जंग में ड्रोन और मिसाइल स्वार्म अटैक की रणनीति देखते हुए सेना ने पिनाका को और अहम हथियार माना है। इस जंग में बड़े पैमाने पर रॉकेट, ड्रोन और प्रिसिजन स्ट्राइक सिस्टम का इस्तेमाल हो रहा है। यही वजह है कि भारत भी अपनी सेना को ऐसे हथियारों से लैस कर रहा है जो एक साथ कई लक्ष्यों को तेजी से निशाना बना सकें।

रिपोर्ट के मुताबिक पिनाका भारत का स्वदेशी मल्टी-बारेल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम है, जिसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। इस भारतीय सेना का 'देसी ब्रह्मास्त्र' कहा जाता है, क्योंकि यह कम समय में भारी तबाही मचाने की क्षमता रखता है। यह 122 मिमी रॉकेटों की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली और सटीक है। पिनाका 12 रॉकेट एक साथ दाग सकता है और कुछ ही सेकंड में दुश्मन के बड़े इलाके को निशाना बना सकता है। इसकी रेंज 40 से 75 किलोमीटर तक है, जबकि इसके नए गाइडेड वर्जन 120 किमी तक सटीक हमला करने में सक्षम हैं।

आधुनिक युद्ध में छोटे ड्रोन और लो-कॉस्ट मिसाइलें बड़ा खतरा बनकर उभरी हैं। पिनाका का अपग्रेडेड वर्जन ऐसे लक्ष्यों के खिलाफ भी प्रभावी माना जा रहा है। इसकी एक रेजिमेंट में 18-24 लॉन्चर होते हैं, जो मिनटों में सैकड़ों रॉकेट दाग सकते हैं। यह छोटे ड्रोन और क्रूज मिसाइलों के स्वार्म अटैक का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। ईरान की तरह दुश्मन अगर सस्ते ड्रोन और

मिसाइलों से हमला करे तो पिनाका का सैल्वो दुश्मन के लॉन्चर और कमांड सेंटर को पहले ही नष्ट कर सकता है। इसका एक रॉकेट महज कुछ लाख रुपए में आ जाता है, जबकि दुश्मन की महंगी मिसाइल को रोकने वाले सिस्टम करोड़ों में होते हैं।

बता दें ईरान-इजरायल संघर्ष ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य के युद्ध पारंपरिक नहीं होंगे, बल्कि टेक्नोलॉजी आधारित होंगे, जहां मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट सिस्टम अहम भूमिका निभाएंगे। भारत इसी दिशा में अपनी सेना को तैयार कर रहा है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का मुकाबला किया जा सके। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान की रणनीति देखते हुए भारत ने सही समय पर कदम उठाया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**